जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

Rashtradoot

जयपुर, शनिवार 31 अक्टूबर, 2026

विचार बिन्दु

त्याग से पाप का मूलधन चुकता है और दान से ब्याज। –विनोबा

त्योहारी सीजन में बाजार को मिली संजीवनी : साइबर क्राइम भी चरम पर

देश में त्योहारी सीजन का आगाज़ हो चुका है। आगामी दिनों में एक के बाद एक त्योहार आने है। उम्मीद की जा रही है इस बार बाजार में दीपावली तक बेहतर रौनक बनी रहेगी। नवरात्रि और दशहरे पर जिस तरह से विभिन्न प्रकार की चीजों की ब्रिकी से बाजार गुलज़ार हुआ है उससे साफ अंदाजा लगा सकते हैं कि आने वाले सभी त्योहारों पर खरीदारी के लिए ग्राहक मन बना चुके हैं। इसी के साथ कारोबार ने रफ्तार पकड़ ली है। लोग खरीदारी के लिए बाजारों में पहुंच रहे हैं। दुकानें ग्राहकों से गुलजार होने लगी है। बाजारों में चहल पहल व भीड़-भाड़ देखने को मिल रही है। ऑनलाइन शॉपिंग की तरफ लोगों का रुझान बढ़ा हुआ है। माह सितम्बर 2026 में जीएसटी संग्रह दो लाख तीन हजार करोड़ रुपये से अधिक पहुँचने और अर्थव्यवस्था में सुदृढ़ीकरण के संकेत के साथ देश में नवरात्रा से त्योहारी सीजन का आगाज़ हो गया है। जो कारोबार के लिए उत्साहजनक संकेत कहा जा सकता है।

त्योहारी सीजन धोखे और ठगी से अछूते नहीं है। साइबर क्राइम भी चरम पर है। आये दिन लोगों के बैंक खातों से पैसे निकल जाने की घटनाओं में वृद्धि हो रही है। चोर उच्चके भी त्योहारी सीजन का इंतजार करते है। लोग त्यौहार की खरीददारी में व्यस्त हो जाते है तो ऑनलाइन ठग भी अपनी कारिस्तानी से बाज नहीं आते जिसमें न चाहते भी लोग थोड़े से लालच में आकर फंस जाते है। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार साइबर अपराध एक ऐसा अपराध है जिसमें अवैध गतिविधियाँ इंटरनेट या कंप्यूटर के माध्यम से की जाती हैं। वर्तमान समय में साइबर अपराध सबसे तेजी से बढ़ने वाले अपराधों में से एक है। इसका प्रभाव किसी व्यक्ति, और यहाँ तक कि पूरे देश पर भी पड़ सकता है। साइबर अपराध के कारण आर्थिक नुकसान, मानसिक तनाव और निजी जानकारी के दुरुपयोग जैसी समस्याएँ उत्पन्न होती हैं। इसलिए कहा जाता है सावधानी हटी तो दुर्घटना घटी। इसी दुर्घटना से बचने के लिए समझदारी और सजगता की जरुरत है।

नवरात्रि से लेकर दीपावली तक देशभर में कुल व्यापार 7 लाख करोड़ रुपये से अधिक पहुंचने का अनुमान है। व्यापारियों के संगठन कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के मुताबिक, पिछले साल की तुलना में इस बार कारोबार में 15 से 18 प्रतिशत तक बढ़ोतरी हो सकती है। त्योहारी खरीदारी में तेजी, ग्राहकों की बढ़ती मांग और ग्रामीण व अर्ध-शहरी क्षेत्रों में व्यावसायिक गतिविधियों का विस्तार इस वृद्धि के प्रमुख आधार है। एक रिपोर्ट के मुताबिक त्योहार के सीजन में लगभग 70 करोड़ ग्राहक बाज़ारों में ख़रीदारी करते हैं और जहां 500 रुपये या उससे कम ख़रीदारी करने वाले लोग हैं वहीं हज़ारों और लाखों रुपये खर्च करने वालों की भी कमी नहीं है और इसीलिए देश में त्यौहार के इस सीजन की महत्त्ता व्यापार की दृष्टि से बेहद ही महत्वपूर्ण है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार त्योहारी कारोबार का अनुमान विभिन्न राज्यों के व्यापारिक संगठनों, स्थानीय बाजारों से मिली जानकारी और खरीदारी के रुझानों के विश्लेषण पर आधारित है। पिछले साल त्योहारों के दौरान देश में करीब 6.05 लाख करोड़ रुपये का कारोबार हुआ था। इसमें 5.40 लाख करोड़ रुपये के सामान की बिक्री और 65,000 करोड़ रुपये की सेवाओं से होने वाली आय शामिल थी। इस साल कारोबार में संभावित बढ़ोतरी से खुदरा बाजारों, छोटे व्यापारियों और स्थानीय कारोबारियों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। त्योहारों के दौरान ग्राहकों की बढ़ती आवाजाही से बाजारों में बिक्री को गति मिल सकती है।

ऑनलाइन सेल में सामान सस्ता जरूर मिल रहा है मगर उपभोक्ता को सावधानी रखनी पड़ेगी क्योकि ठगी करने वाले गिरोह भी सक्रीय हो गए है। जो भोले भले लोगों को सस्ते माल के चक्कर में फंसा कर अपना उल्लू सीधा कर रहे है। ऐसे में लोगों ने सतर्कता नहीं रखी तो सस्ते में माल खरीदना महंगा भी पड़ सकता है।

त्योहारों पर जिस तरह से विभिन्न प्रकार की चीजों की बिक्री से बाजार गुलज़ार हो रहा है उससे साफ अंदाजा लगा सकते हैं कि आने वाले सभी त्योहारों पर खरीदारी के लिए ग्राहक मन बना चुके हैं। लोग खरीदारी के लिए बाजारों में पहुंच रहे हैं। दुकानें ग्राहकों से गुलजार होने लगी है। बाजारों में चहल पहल व भीड़-भाड़ देखने को मिल रही है। ऑनलाइन शॉपिंग की तरफ लोगों का रुझान बढ़ा हुआ है। दुकानदारों का कहना है कि बाजार में खरीदारी करने वालों की भीड बढ़ रही है और आने वाले दिनों में कारोबार बढ़ने की उम्मीद है। त्योहारी सीजन से इलेक्ट्रॉनिक, कपड़ा, ऑटो मोबाइल, सराफा बाजार में ग्राहकों का रुझान बढ़ा है। पर्यटन स्थलों पर पर्यटकों की बढ़ती संख्या से न केवल इन स्थलों की रौनक बड़ रही है बल्कि अच्छा कारोबार होने से कारोबारियों के चेहरों पर चमक देखने को मिल रही है। पर्यटन कारोबारियों का कहना है कि आने वाले दिनों में पर्यटकों की संख्या में बढ़ोतरी होने की उम्मीद है। अच्छा कारोबार होने से सभी कारोबारियों को आर्थिक लाभ मिलेगा। इस त्योहारी सीजन में एक दर्जन बड़े त्योहार और व्रत आते है जिसमें देशवासी उमंग और उत्साह के साथ शामिल होकर अपनी खुशियों का इजहार करते है। त्योहारी सीजन में हमारे देश में सुख-दु:ख की बयार एक साथ बहती है जिसमें डूब कर लोग परम पिता परमेश्वर से खुशहाली की कामना करते है। लोकमंगल के इस सीजन में बच्चे से बुजुर्ग तक खुशियां बांटते है। भारत त्योहारों का देश है। त्योहार देश की सामाजिक, सांस्कृतिक और धार्मिक बुनियाद को मजबूत बनाने और समाज को जोड़ने का काम करते हैं। गरीब से अमीर तक त्योहारों की खुशियों में खो जाते है। अब त्योहारी सीजन शुरू हो गया है तो देशवासी महंगाई की बेरहम मार के बावजूद त्योहारों को हंसी खुशी से मनाने में जुट गए है। लोगों को उम्मीद है कारोबार को पंख लगने से देश की अर्थव्यवस्था भी सुधरेगी।

यह त्योहारी सीजन हालाँकि महंगाई की मार से उपभोक्ताओं को राहतभरा नहीं है। त्योहारी सीजन शुरू होने के साथ ही बाजार और ऑनलाइन शॉपिंग वेबसाइट्स पर ऑफर्स की भरमार देखने को मिल रही है। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भारत ने डिजिटल भुगतान में बड़ी उपलब्धि हासिल की है। दुकानदार और ऑनलाइन कम्पनियाँ जहां इन त्योहारों में आकर्षक ऑफर तथा डिस्काउंट की पेशकश कर ग्राहकों को रिझाने का प्रयास करते हैं, वहीं ग्राहक भी इन आकर्षक ऑफरों का लाभ उठाकर जमकर खरीदारी करते हैं। महंगाई के दबाव के बावजूद इस बार नवरात्रि-दशहरे के त्योहारी सीजन में बाजार में खरीदारी का उत्साह देखने को मिला। कपड़ों, जूतों, रेफ्रिजरेटर, एयरकंडीशनर और वॉशिंग मशीन जैसे उत्पादों की बिक्री में पिछले साल के मुकाबले 20 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज की गई। सरकारी बैंकों सहित कई कम्पनियाँ और निर्माता उपभोक्ताओं को लुभावनी छूट से भी लाभान्वित कर रहे है। दुकानदारों ने भी आकर्षित ढंग से दुकानों को सजाना शुरू कर दिया है, ताकि अच्छा व्यापार हो सके। रेडसीरस्ट्रेटजी कंसल्टेंट्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक भारत का ऑनलाइन खुदरा बाजार 2026 में 90 अरब अमेरिकी डॉलर के पार पहुंचने का अनुमान है। इसमें सालाना 22-24 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज होने की उम्मीद है, जो पांच साल में सबसे तेज होगी। इस वृद्धि का प्रमुख कारण मोबाइल फोन के बजाय किराना जैसे रोजमर्रा की जरूरतों वाले उत्पादों की बढ़ती मांग है। विश्लेषण के अनुसार ई-कॉमर्स सकल वस्तु मूल्य (जीएमवी) 2026 की पहली छमाही में सालाना आधार पर लगभग 25 प्रतिशत बढ़कर लगभग 38 अरब डॉलर हो गया, जो चार वर्षों में इसका सबसे मजबूत छमाही प्रदर्शन है। उपभोक्ता ऑनलाइन व्यापार से खुश नजर आ रहे है। उन्हें बाजार की धकमपेल से छुटकारा मिल रहा है। ऑनलाइन सेल में सामान सस्ता जरूर मिल रहा है मगर उपभोक्ता को सावधानी रखनी पड़ेगी क्योकि ठगी करने वाले गिरोह भी सक्रीय हो गए है। जो भोले भले लोगों को सस्ते माल के चक्कर में फंसा कर अपना उल्लू सीधा कर रहे है। ऐसे में लोगों ने सतर्कता नहीं रखी तो सस्ते में माल खरीदना महंगा भी पड़ सकता है।

–अतिथि संपादक,
बाल मुकुन्द ओझा,
वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार

राशिफल शनिवार 31 अक्टूबर, 2026

पंडित अनिल शर्मा

कार्तिक मास, कृष्ण पक्ष, षष्ठि तिथि, शनिवार, विक्रम संवत–2083, आर्द्रा नक्षत्र प्रात: 7:12 तक, सिद्ध योग सायं 5:32 तक, वणिज करण सायं 4:58 तक, चन्द्रमा रात्रि 12:01 से कर्क राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति– सूर्य-तुला, चन्द्रमा-मिथुन, मंगल-कर्क, बुध-तुला, गुरू-कर्क, शुक्र-तुला, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

आज रवियोग प्रात: 7:12 से रात्रि 5:40 तक रहेगा। भद्रा सायं 4:58 से रात्रि 3:55 तक है। गुरू मघा सिंह राशि में दिन 12:04 पर प्रवेश करेगा। आज इन्दिरा गांधी पुण्य दिवस है।

श्रेष्ठ चौघड़िया– शुभ 8:02 से 9:25 तक, चर 12:10 से 1:33 तक, लाभ-अमृत 1:33 से 4:19 तक।

राहुकाल– 9:00 से 10:30 तक, सूर्योदय 6:39, सूर्यास्त 5:41

मेष
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित यात्रा संभव है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे।

वृष
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी।

मिथुन
मन: स्थिति में सुधार होगा। मानसिक तनाव दूर होगा। आज आवश्यक कार्य सुगमता से बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे।

कर्क
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी और मानसिक तनाव बना रहेगा।

सिंह
आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी।

कन्या
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्यों उचित सफलता मिल सकती है। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

तुला
परिवार में शुभ-मांगलिक संदेश प्राप्त हो सकते हैं। शुभ कार्यों में भाग ले सकते हैं। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। व्यावसायिक परेशानियां दूर होने लगेगी। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे।

वृश्चिक
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। यात्रा में परेशानी हो सकती है।

धनु
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में आपसी सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। आज परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

मकर
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। चलते कार्यों में प्रगति होगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

कुंभ
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। शुभ कार्यों से संबंधित यात्रा संभव है। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। व्यावसायिक आर्थिक परेशानियां दूर होने लगेगी।

मीन
घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। अतिथियों का आगमन बना रहेगा। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

स्वच्छ मतदाता सूची, सशक्त लोकतंत्र का आधार

भागीरथ चौधरी

लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत जनता का विश्वास है और इस विश्वास की बुनियाद निष्पक्ष चुनाव व्यवस्था पर टिकी होती है। चुनाव केवल मतदान का एक दिन नहीं, बल्कि एक लंबी संवैधानिक प्रक्रिया है, जिसकी शुरुआत मतदाता सूची की शुद्धता से होती है। यदि मतदाता सूची में मृत व्यक्तियों के नाम दर्ज हों, एक ही व्यक्ति का नाम कई स्थानों पर हो अथवा स्थायी रूप से स्थानांतरित हो चुके लोगों के नाम भी सूची में बने रहें, तो चुनाव की विश्वसनीयता पर सवाल उठना स्वाभाविक है। इसी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए निर्वाचन आयोग द्वारा विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया संचालित की जा रही है। यह किसी राजनीतिक दल के हित या विरोध का विषय नहीं, बल्कि भारतीय लोकतंत्र को अधिक पारदर्शी, विश्वसनीय और मजबूत बनाने की संवैधानिक पहल है।

यह समझना जरूरी है कि मतदाता सूची का शुद्धिकरण किसी का मताधिकार छीनने की प्रक्रिया नहीं, बल्कि प्रत्येक पात्र नागरिक के मताधिकार की रक्षा करने का प्रयास है। संविधान के अनुच्छेद 324 के तहत निर्वाचन आयोग को चुनावों के संचालन और मतदाता सूची के प्रबंधन की जिम्मेदारी दी गई है। वहीं अनुच्छेद 326 वयस्क भारतीय नागरिकों के मताधिकार का आधार प्रदान करता है। इस प्रकार एसआईआर संवैधानिक व्यवस्था के अनुरूप एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। एसआईआर की प्रक्रिया को केवल सरकारी अधिकारियों की कवायद मानना उचित नहीं होगा। इसमें बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) घर-घर जाकर मतदाताओं का सत्यापन करते हैं। इसके साथ ही राजनीतिक दलों द्वारा नियुक्त बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) भी प्रक्रिया पर नजर रखते हैं। उपलब्ध सामग्री के अनुसार, देशभर में इस प्रक्रिया में लगभग 9 लाख से अधिक मतदान केंद्रों और 11 लाख से अधिक सरकारी कार्मिकों की भागीदारी रही है। भाजपा और कांग्रेस सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के लाखों अधिकृत प्रतिनिधियों ने भी इसमें सहभागिता की है।

इसका स्पष्ट अर्थ है कि मतदाता सूची की जांच और सुधार की प्रक्रिया में राजनीतिक दलों को भी निगरानी का अवसर उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त प्रारूप मतदाता सूची के प्रकाशन के बाद दावे और आपत्तियां दर्ज कराने की व्यवस्था है। किसी नाम को हटाने के लिए निर्धारित कानूनी प्रक्रिया का पालन करना आवश्यक है। संबंधित व्यक्ति को नोटिस, सुनवाई और अपील का अवसर भी मिलता है। इसलिए यह कहना उचित नहीं कि एसआईआर में किसी पात्र मतदाता का नाम मनमाने ढंग से हटाया जा सकता है। एसआईआर को लेकर एक बड़ा भ्रम यह फैलाया गया कि इस प्रक्रिया के माध्यम से लगभग 13 करोड़ मतदाताओं के नाम सीधे काट दिए गए। ये नाम प्रारूप सूची तैयार करते समय अनुपस्थित, स्थायी रूप से स्थानांतरित, मृत अथवा दोहरे पंजीकरण की श्रेणी में चिन्हित किए गए थे। इनमें लगभग 2.89 करोड़ मृत और 1.01 करोड़ दोहरे पंजीकरण वाले मतदाता बताए गए हैं। शेष नामों की भी निर्धारित प्रक्रिया के तहत जांच की जानी है।

दस्तावेज में दिए गए आंकड़ों के अनुसार, दो करोड़ से अधिक लोगों ने फॉर्म-6 के माध्यम से मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराया। इससे स्पष्ट होता है कि एसआईआर का उद्देश्य केवल त्रुटियां दूर करना नहीं, बल्कि पात्र मतदाताओं को लोकतांत्रिक प्रक्रिया से जोड़ना भी है। बांग्लादेश सहित किसी भी देश से अवैध रूप से भारत में प्रवेश करने वाले विदेशी नागरिकों को भारतीय नागरिकों के लिए निर्धारित मताधिकार का लाभ नहीं मिलना चाहिए। हालांकि, किसी व्यक्ति के विरुद्ध केवल संदेह के आधार पर कार्रवाई उचित नहीं है। उसकी नागरिकता और पात्रता का निर्धारण कानून के अनुरूप सत्यापन तथा उचित सुनवाई के बाद ही होना चाहिए। एसआईआर जैसी प्रक्रिया इस दिशा में एक व्यवस्थित और संस्थागत व्यवस्था उपलब्ध करा सकती है। इससे एक ओर पात्र भारतीय नागरिकों के मताधिकार की रक्षा होगी, वहीं दूसरी ओर फर्जी और अपात्र पंजीकरण पर प्रभावी अंकुश लगाने में मदद मिलेगी।

यह भी जानना जरूरी है कि विशेष गहन पुनरीक्षण भारतीय चुनाव व्यवस्था में पहली बार नहीं हो रहा है। स्वतंत्रता के बाद 1952-56, 1957, 1961, 1965-66, 1983-84, 1987-89, 1992-95 और 2002-04 के दौरान भी इस प्रकार के पुनरीक्षण किए जा चुके हैं।

इससे स्पष्ट है कि एसआईआर किसी एक सरकार अथवा राजनीतिक दल की सुविधा के लिए शुरू की गई व्यवस्था नहीं है। यह चुनावी व्यवस्था की विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए आवश्यक प्रशासनिक और संवैधानिक प्रक्रिया है। लोकतंत्र में किसी भी संवैधानिक संस्था के निर्णयों पर सवाल उठाना और आवश्यक सुधारों की मांग करना राजनीतिक दलों का अधिकार है। लेकिन बिना पर्याप्त प्रमाण के निर्वाचन आयोग की निष्पक्षता पर लगातार सवाल खड़े करना उचित नहीं है। चुनाव आयोग न भाजपा का है और न कांग्रेस का। वह एक स्वतंत्र संवैधानिक संस्था है, जिसकी जिम्मेदारी निष्पक्ष चुनाव कराना है। विपक्षी दलों को भी यह समझना चाहिए कि यदि मतदाता सूची में त्रुटियां हैं तो उन्हें दूर करने की प्रक्रिया का विरोध करने के बजाय उसमें सक्रिय सहयोग करना चाहिए। राजनीतिक दलों के बूथ लेवल एजेंटों की भूमिका इसी उद्देश्य से महत्वपूर्ण है। उन्हें प्रत्येक पात्र मतदाता का नाम सूची में सुनिश्चित कराने और किसी भी वास्तविक त्रुटि पर समय रहते आपत्ति दर्ज कराने के लिए आगे आना चाहिए।

सर्वोच्च न्यायालय ने भी 27 मई 2026 के अपने निर्णय में एसआईआर प्रक्रिया की वैधानिकता को बरकरार रखा है। यह इस बात को रेखांकित करता है कि मतदाता सूची की शुद्धता चुनावी लोकतंत्र का अनिवार्य आधार है। एसआईआर का एक सकारात्मक पक्ष नए मतदाताओं को लोकतांत्रिक प्रक्रिया से जोड़ना भी है। आज जब भारत दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में अपनी पहचान मजबूत कर रहा है, तब चुनावी व्यवस्था की विश्वसनीयता बनाए रखना और भी महत्वपूर्ण हो जाता है। तकनीक, पारदर्शिता और जनभागीदारी के माध्यम से मतदाता सूची को त्रुटिरहित बनाने की दिशा में निरंतर प्रयास होने चाहिए। निर्वाचन आयोग, प्रशासन, राजनीतिक दलों और आम नागरिकों की सामूहिक जिम्मेदारी है कि कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची से वंचित न रहे और किसी अपात्र व्यक्ति को अनुचित तरीके से मताधिकार का लाभ न मिले। एसआईआर को राजनीतिक चश्मे से देखने के बजाय लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत बनाने के अवसर के रूप में देखा जाना चाहिए। इसका समर्थन किसी दल विशेष के समर्थन का विषय नहीं, बल्कि निष्पक्ष चुनाव, संवैधानिक मर्यादा और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता का विषय है।

आखिरकार लोकतंत्र की मजबूती केवल अधिक मतदान प्रतिशत से नहीं, बल्कि सही और पात्र मतदाताओं की भागीदारी से सुनिश्चित होती है। मतदाता सूची जितनी शुद्ध होगी, चुनावी प्रक्रिया उतनी ही विश्वसनीय बनेगी और जनता का लोकतांत्रिक संस्थाओं पर विश्वास भी उतना ही मजबूत होगा। इसलिए एसआईआर का उद्देश्य स्पष्ट है- हर पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में हो, कोई अपात्र व्यक्ति इसमें शामिल न रहे और प्रत्येक मत की लोकतांत्रिक महत्ता सुरक्षित रहे। यही स्वच्छ मतदाता सूची और सशक्त लोकतत्रं की वास्तविक पहचान है।

–भागीरथ चौधरी,
कृषि राज्य मंत्री,
भारत सरकार

अखंड भारत की एकता के शिल्पी सरदार वल्लभभाई पटेल के संकल्प, एक भारत - श्रेष्ठ भारत - आत्मनिर्भर भारत, को साकार करने का अवसर

राष्ट्रीय एकता दिवस, (31 अक्टूबर) पर विशेष....

डॉ. गोरधन लाल शर्मा

राष्ट्रीय एकता दिवस केवल एक तिथि नहीं, बल्कि अखंड भारत की आत्मा को नमन करने का दिवस है। यह वह अवसर है, जब हम स्वतंत्र भारत की एकता, अखंडता और राष्ट्रिनर्माण के शिल्पी लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल के अदम्य संकल्प, दूरदर्शिता और संगठन कौशल को स्मरण करते हैं, जिन्होंने स्वतंत्रता के बाद बिखरी हुई रियासतों को एक सूत्र में पिरोकर भारत को उसकी भौगोलिक और राष्ट्रीय एकता प्रदान की।

गुजरात में नर्मदा नदी के तट पर स्थित, 182 मीटर ऊँची, दुनिया की सबसे ऊँची प्रतिमा स्टैच्यू ऑफ यूनिटी केवल स्टील और कंक्रीट से बनी एक स्मारक नहीं अपितु यह उस व्यक्ति के प्रति कृतज्ञता का प्रतीक है जिसने भारत को उसकी क्षेत्रीय आत्मा दी। यह उन मूल्यों की याद दिलाता है जो हमें एक राष्ट्र के रूप में जोड़ते हैं।

हर साल 31 अक्टूबर को राष्ट्र अपने लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल को श्रद्धांजलि देने के लिए रुकता है। उनकी दूरदर्शिता, साहस और कूटनीतिक कौशल ने एक खंडित उपमहाद्वीप को एक अखंड देश में बदल दिया। इस दिन को एकता दिवस या राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाया जाता है, जो न केवल पटेल के नेतृत्व को बल्कि विविधतापूर्ण होते हुए भी अविभाज्य भारत के चिरस्थायी विचार को भी ट्रिब्यूट है।

सरदार पटेल का मूलमंत्र 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' का विचार आज भी हमारा मार्गदर्शक बना हुआ है। यह हमें याद दिलाता है कि भारत की महानता समानता में नहीं बल्कि साझा मूल्यों और पारस्परिक सम्मान के माध्यम से अनगिनत मतभेदों को एक साथ रखने की उसकी क्षमता में निहित है।

जब देश में अंग्रेजों की फूट डालो-राज करो की नीति का जहर घोल रहे थे, उस महत्वपूर्ण क्षण में सरदार पटेल राष्ट्रीय एकीकरण के सूत्रधार के रूप में आगे आए। दृढ़ता और कूटनीति के अद्भुत मिश्रण से, उन्होंने अधिकांश शासकों को भारत में विलय के लिए राजी कर लिया और विरोध करने वालों से निर्णायक रूप से सर्मपण करवा दिया। हैदराबाद, जूनागढ़ और अन्य दुर्गम क्षेत्रों से निपटने में उनके संयम, चातुर्य और दृढ़ इच्छाशक्ति का संगम देखने को मिला। सरदार पटेल की सफलता केवल प्रशासनिक ही नहीं थी, यह दूरदर्शी भी थी।

सरदार पटेल की सांझी सांस्कृतिक विरासत को इतिहास के पन्नों तक सीमित नहीं रखा जा सकता। यह देश की संरचना, देश की सिविल सेवाओं में, इसके संघीय ढाँचे में और इसके राष्ट्रीय चरित्र में समाहित है। अपने सार्वजनिक जीवन में उनका अनुशासन, कर्तव्य और राष्ट्रिहत पर हमेशा फोकस रहता था जो आज भी हमारे सार्वजनिक जीवन का मार्गदर्शन करता है। एकता दिवस मनाने का अर्थ है राष्ट्रवाद के उस विचार का उत्सव मनाना जो जाति, पंथ, भाषा या क्षेत्र की सभी बाधाओं से परे है। यह प्रत्येक नागरिक से संकीर्ण निष्ठाओं से ऊपर उठकर भारत के व्यापक आदर्श के प्रति प्रतिबद्ध होने का आ ान करता है।

हर साल इस दिन को मनाते हुए हमें याद रखना चाहिए कि एकता विरासत में नहीं मिलती, इसे पोषित करना होता है। यह एक रोज़मर्रा की ज़िम्मेदारी है कि हम एक-दूसरे के साथ कैसा व्यवहार करें, विविधता का सम्मान कैसे करें और राष्ट्र को स्वार्थ से ऊपर कैसे रखें। सरदार वल्लभभाई पटेल ने हमें एक अखंड भारत दिया। इसे सशक्त, समावेशी और जीवंत बनाए रखने का दायित्व हम पर है। एकता दिवस की भावना हमें याद दिलाती है कि केवल एक अखंड भारत ही वास्तव में एक महान भारत, एक भारत, महान भारत बन सकता है।

सरदार पटेल का एकता का दृष्टिकोण मज़बूत संस्थाओं पर उनके ज़ोर से जुड़ा हुआ था। अखिल भारतीय सेवाओं का गठन प्रशासनिक निरंतरता और राष्ट्रीय एकता सुनिश्चित करने का एक सोचा-समझा प्रयास था। अधिकारियों के पहले बैच को दिए गए उनके शब्द, जनता की सेवा और राष्ट्र की अखंडता की भावना बनाए रखें आज भी शासन में एक मार्गदर्शक सिद्धांत बने हुए हैं।

21 अप्रैल, 1947 को नई दिल्ली के मेटकाफ हाउस में भारतीय प्रशासनिक सेवा के प्रथम बैच को संबोधित करते हुए सरदार पटेल ने कहा था आप भारत के स्टील फ्रेम हैं, आप पर इस राष्ट्र की एकता और सुशासन का दायित्व है। उनके इसी संदेश की स्मृति में प्रत्येक वर्ष 21 अप्रैल को राष्ट्रीय सिविल सेवा दिवस मनाया जाता है, जहाँ शासन में उत्कृष्टता के लिए प्रधानमंत्री पुरस्कार प्रदान किए जाते हैं। यह परंपरा उनके सुशासन और जवाबदेही के सिद्धांतों की जीवंत विरासत है। जैसे-जैसे भारत 2047 में अपनी स्वतंत्रता की शताब्दी की ओर बढ़ रहा है, एकता का असली पैमाना भौतिक भूभाग नहीं, बल्कि साझा उद्देश्य है। जिस विचार ने कभी 562 रियासतों को एक सूत्र में पिरोया था, अब उसे 145 करोड़ सपनों को एक सूत्र में पिरोना होगा। सरदार पटेल की दूरदर्शिता 1947 में स्थिर नहीं हुई थी – यह भविष्यसूचक थी। एकता का उनका आ ान आज भी भारत का राष्ट्रीय दिशासूचक है।

राष्ट्रीय एकता दिवस–2026

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 30 अक्टूबर को राष्ट्रीय एकता दिवस समारोह के हिस्से के रूप में एकता नगर में भारत पर्व 2026 का उद्घाटन किया। यह 15 नवंबर 2026 तक जारी रहेगा। प्रधानमंत्री 31 अक्टूबर को एकता नगर में 400 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न विकास परियोजनाओं का शिलान्यास, उद्घाटन और लोकार्पण करेंगे।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सरदार वल्लभभाई पटेल की 151वीं जयंती के उपलक्ष्य में 31 अक्टूबर, शनिवार को राष्ट्रीय एकता दिवस समारोह में भाग लेंगे। प्रधानमंत्री 31 अक्टूबर को सुबह करीब 9 बजे स्टैच्यू ऑफ यूनिटी पर पुष्पांजलि अर्पित करेंगे। इसके बाद वे एकता नगर में 400 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न विकास परियोजनाओं का शिलान्यास, उद्घाटन और लोकार्पण करेंगे। वे राष्ट्रीय एकता दिवस समारोह में भी भाग लेंगे। इस राष्ट्रीय एकता दिवस पर आइए, हम सब मिलकर संकल्प लें कि हम सरदार वल्लभभाई पटेल के आदर्शों पर चलते हुए भारत की विविधता में एकता, सांस्कृतिक गौरव, स्वदेशी मूल्यों, अखंडता और गौरवमयी इतिहास की ज्योति को प्रज्वलित कर सरदार पटेल के 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' के सपने को सदा जीवंत रखेंगे।

- डॉ. गोरधन लाल शर्मा,
समाजशास्त्री, लेखक एवं
राजस्थान प्रशासनिक सेवा के
वरिष्ठ अधिकारी

सरदार पटेल - मौलिक अधिकारों के शिल्पकार और भारत की एकता और अखण्डता के सूत्रधार

सूर्य प्रताप सिंह राजावत

स्वतंत्र भारत में सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक समरसता में संतुलन बनाना संविधान सभा की मौलिक अधिकार समिति का विषय था। इस समिति के अध्यक्ष सरदार वल्लभभाई पटेल थे। समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व के समग्र पक्ष और मौलिक अधिकार आंतरिक रिपोर्ट में प्रस्ताव के रूप में दिनांक 29.04.1947 को संविधान सभा के पटल पर रखे। महिलाओं को समानता का अधिकार सहर्ष स्वीकार किया। अस्पृश्यता का अंत और उसके आचार निषिद्ध के साथ मानव तस्करी, बालश्रम, बेगार प्रथा को पूर्णतया अस्वीकार किया गया। सभी को सम्पत्ति का अधिकार का प्रस्ताव रखा गया। किसी व्यक्ति को एक ही अपराध के लिए एक बार से अधिक अभियोजन और दण्डित नहीं करना। स्वयं के अपराध में फँसाने के विरुद्ध संरक्षण, भूतलक्षी दाण्डिक विधि पर निषेध को मौलिक अधिकारों में स्थान दिया गया। सम्प्रदाय की स्वतंत्रता को भारतीय दृष्टि-एकम् सत् विप्रा बहुधा वदन्ति अर्थात् सत्य एक है, बुद्धिमान विभिन्न नामों से बुलाते हैं-से प्रेरित हो सभी पंथों को स्वतंत्रता प्रदान की, लेकिन किसी भी प्रलोभन या भय द्वारा धर्म परिवर्तन को अस्वीकार किया गया। राज्य द्वारा अर्जित कर को किसी भी पंथ पर खर्च नहीं करने का प्रावधान रखा गया। भाषा, लिपि और संस्कृति के आधार पर अल्पसंख्यक को संरक्षण का प्रस्ताव भी रखा गया। मौलिक अधिकारों को प्रवर्तित कराने के लिए उच्चतम न्यायालय जाने का अधिकार प्रस्तावित किया गया। इसमें शामिल याचिकाएँ हैं-

(1) बंदी प्रत्यक्षीकरण-हेबियस कॉर्पस, (2) परमादेश-मैंडमस, (3) प्रतिषेध-प्रोहिबिशन, (4) उत्प्रेषण-सर्टिओरारी, (5) अधिकार पृच्छा-क्वो वारंटो। डॉ. अम्बेडकर ने मौलिक अधिकारों को प्रवर्तित करने के प्रावधान (भारत के संविधान के अनुच्छेद 32) को संविधान की आत्मा कहा। अत: यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि सरदार पटेल मौलिक अधिकारों की आत्मा के शिल्पकार हैं। डॉ. भीमराव अम्बेडकर द्वारा भारत विभाजन के संदर्भ में यह विचार व्यक्त किया जाना कि साम्प्रदायिकता की समस्या के समाधान के लिए जनसंख्या का पूर्ण विनिमय किया जाना चाहिए, साम्प्रदायिक प्रश्न के उनके विश्लेषण की पुष्टि करता है। अत: भारत की एकता और अखण्डता के दृष्टिगत अल्पसंख्यकों को प्राप्त विशेष अधिकारों की समीक्षा और उन पर पुनर्विचार किए जाने की आवश्यकता है।

एक गणराज्य के रूप में 75 वर्ष से अधिक की यात्रा पूर्ण करने के पश्चात, जब भारत एक विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में अठासर है, तब स्वतंत्रता और विभाजन के समय विद्यमान परिस्थितियों के संदर्भ में अल्पसंख्यक अधिकारों से संबंधित संवैधानिक बहसों पर पुनर्विचार करना प्रासंगिक हो सकता है।8 अगस्त 1947 को संविधान सभा के समक्ष प्रस्तुतअल्पसंख्यक अधिकारों पर परामर्शदात्री समिति की रिपोर्टतथा इसके पश्चात 11 मई 1949 को प्रस्तुतअल्पसंख्यकों के लिए राजनीतिक संरक्षण संबंधी परामर्शदात्री समिति की रिपोर्टउस असाधारण राजनीतिक उथल-पुथल के दौर में अल्पसंख्यकों के संरक्षण के प्रति विकसित होते संवैधानिक दृष्टिकोण को प्रतिबिंबित करती हैं। भारत विभाजन की परिस्थितियों ने राजनीतिक प्रतिनिधित्व, सांप्रदायिक संरक्षण और राष्ट्रीय एकीकरण से संबंधित संवैधानिक विचार-विमर्श को अनिवार्य रूप से प्रभावित किया था। पिछले 75 वर्षों में भारत ने जनसांख्यिकीय, सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक क्षेत्रों में व्यापक परिवर्तन देखे हैं। इन परिवर्तित परिस्थितियों में एक महत्त्वपूर्ण संवैधानिक प्रश्न उभरता है-क्या अल्पसंख्यक दर्जे का निरंतर राजनीतिक उपयोग तथा समुदायों को स्थायी रूप से पृथक राजनीतिक समूहों के रूप में प्रस्तुत करने की प्रवृत्ति राष्ट्रीय एकीकरण, समान नागरिकता और संवैधानिक बंधुत्व के आदर्शों को कमजोर करने का जोखिम उत्पन्न करती है?यहाँ चिंता विविधता के संरक्षण से नहीं, बल्कि अल्पसंख्यक पहचान के राजनीतिक दुरुपयोग की उस संभावना से है, जिसके कारण ऐसे विभाजन निरंतर बने रह सकते हैं, जिन्हें दूर करने का उद्देश्य स्वयं संविधान में निहित है।

कैबिनेट मिशन के 16 मई 1946 के प्रस्ताव में 3 प्रकार के संविधानों की परिकल्पना थी। (क) परिसंघ का संविधान, (ख) समूहों के संविधान (तीन समूह थे) और (ग) प्रांतों के संविधान। 12 प्रांत थे। 564 देशी रियासतों से ब्रिटिश सर्वोपरिता समाप्त हो जानी थी। प्रत्येक राज्य अपने स्वतंत्र होने की घोषणा कर सकता था। एक प्रकार से भारत के सैकड़ों टुकड़े करने के लिए यह विधि अंठोजों द्वारा जानबूझकर अपनाई गई थी।सरदार पटेल के प्रयत्नों के परिणामस्वरूप 216 रियासतें अपने निकट के राज्य में विलीन हो गईं। 61 को केंद्रशासित राज्य क्षेत्र बनाया गया। 275 रियासतों को आपस में मिलाकर संघ बनाए गए। सभी रियासतों ने अंगीकार पत्र पर हस्ताक्षर किए।सरदार पटेल सभा के भीतर और बाहर दोनों स्थानों पर भारत की अखण्डता और एकता के लिए कार्यरत थे। अत: आज के भारत गणतंत्र का नक्शा, भारत के भौतिक शरीर के वर्तमान स्वरूप का श्रेय सरदार पटेल को देना अतिशयोक्ति नहीं होगी। इतिहास के साथ न्याय ही माना जाएगा।

–सूर्य प्रताप सिंह राजावत,
अधिवक्ता, राजस्थान उच्च
न्यायालय, जयपुर।

फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 77 संख्याः 91 प्रभात जयपुर, शनिवार 31 अक्टूबर, 2026 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

A Release And A Farewell

Hermann Ritter was unlikely to kill the only man who knew how to navigate the dog team back to safety. He had done his duty, but was privately glad for a way out of a war he disapproved of

This Hindi Word Rewrote the Rules of Innovation

देशों के संबंध राष्ट्राध्यक्षों की "पर्सनल कैमिस्ट्री" पर आधारित होना भारी पड़ सकता है

भारत और इज़रायल के संबंध पूरी तरह से प्र.मंत्री मोदी की इज़रायल के राष्ट्र प्रमुख नेतन्याहू के साथ "पर्सनल कैमिस्ट्री पर आधारित हैं

- लेकिन इज़रायल में अब नेतन्याहू की सत्ता जाने का खतरा है और उनके प्रतिद्वंदी की प्र.मंत्री मोदी के साथ खास नज़दीकी नहीं है। ऐसे में भारत-इज़रायल रिश्ते में मिठास कुछ कम होने का खतरा है।
- नेतन्याहू के लंबे कार्यकाल में भारत व इज़रायल के बीच व्यापारिक एवं रक्षा संबंधों में काफी मजबूती आई और भारत ने भारी मात्रा में इज़रायल से हथियार व अन्य रक्षा उपकरण खरीदे थे।

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 30 अक्टूबर। गठबंधन को लेकर बातचीत के बीच बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यवाहक प्रधानमंत्री के रूप में बने रहने की संभावना है। वे दोबारा सत्ता संभालने की दौड़ से पूरी तरह बाहर नहीं हुए हैं, लेकिन इस महीने हुए चुनाव के बाद उनकी स्थिति काफी कमजोर हो गई है। अहम सवाल यह है कि भारत और इज़रायल के संबंधों में क्या कोई बदलाव होने की संभावना है?

इज़रायल की 120 सदस्यों वाली संसद (नेसेट) में नेतन्याहू के दक्षिणपंथी गठबंधन को लगभग 53 सीटें मिलीं, जो बहुमत से कम हैं। वहीं, गादी आइज़ेनकोट के नेतृत्व वाले विपक्षी गठबंधन को करीब 48 सीटें मिलीं, जबकि अरब पार्टियों ने 19 सीटें जीतकर इतिहास रच दिया।

नेतन्याहू और भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बीच काफी करीबी संबंध रहे हैं। मोदी की 2017 की इज़रायल यात्रा किसी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली इज़रायल यात्रा थी। इसके जवाब में नेतन्याहू ने भी भारत का दौरा किया था। मोदी ने फरवरी 2026 में फिर इज़रायल का दौरा किया, वहां की संसद (नेसेट) को संबोधित किया और दोनों देशों के संबंधों को "विशेष रणनीतिक साझेदारी" (स्पैशल स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप) का दर्जा दिया। नेतन्याहू सार्वजनिक रूप से मोदी को अपना "भाई" और "बहुत अच्छा मित्र" बता चुके हैं। दोनों नेताओं के बीच नियमित संपर्क बना हुआ है। 22 अक्टूबर 2026 को भी दोनों के बीच फोन पर बातचीत हुई, जिसमें उन्होंने अपनी द्विपक्षीय साझेदारी को फिर से दोहराया। दोनों देशों ने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई और राष्ट्रवादी शासन पर समान जोर दिया।

नेतन्याहू के लंबे कार्यकाल के दौरान दोनों देशों के बीच व्यापार और रक्षा सहयोग में काफी विस्तार हुआ। भारत इज़रायल से हथियार खरीदने वाला सबसे बड़ा देश बन गया। सन् 2021 से 2025 के दौरान इज़रायल के कुल रक्षा निर्यात में भारत की हिस्सेदारी लगभग 29 प्रतिशत रही। इसमें ड्रोन, मिसाइल प्रणालियां, निगरानी उपकरण और उनसे जुड़ी तकनीक शामिल हैं। दोनों देशों के बीच 1990 के दशक के बाद से व्यापार में काफी वृद्धि हुई है। रक्षा के अलावा कृषि, जल प्रौद्योगिकी और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) तथा साइबर सुरक्षा जैसे नए क्षेत्रों में भी सहयोग बढ़ा है।

सार्वजनिक रूप से उपलब्ध जानकारी के अनुसार, मोदी और गादी आइज़ेनकोट के बीच पहले से कोई खास व्यक्तिगत तालमेल या घनिष्ठ संबंध नहीं रहा है। आइज़ेनकोट 2015 से 2019 तक इज़रायल की सेना के प्रमुख रह चुके हैं। वे "यशार" पार्टी का नेतृत्व करते हैं। वे सुरक्षा के लिए जवाबदेही तथा 7 अक्टूबर की घटनाओं के बाद सुधारों की मांग को

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राज्य कर्मचारियों के महंगाई भत्ते में 3 प्रतिशत की वृद्धि

- राजस्थान सरकार ने कर्मचारियों को तदर्थ बोनस की भी घोषणा की।

जयपुर, 30 अक्टूबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने दीपावली के अवसर पर प्रदेश के सरकारी कर्मचारियों और पेंशनर्स को बड़ी सौगात दी है। राज्य सरकार ने सातवें वेतनमान के तहत महंगाई भत्ते (डीए) और महंगाई राहत (डीआर) में 3 प्रतिशत वृद्धि को मंजूरी दी है। इसके बाद डीए-डीआर की दर 60 प्रतिशत से बढ़कर 63 प्रतिशत हो जाएगी। सरकार के इस फैसले से 7 लाख से अधिक कर्मचारी और 5 लाख से अधिक पेंशनर्स लाभान्वित होंगे। इसके साथ ही, करीब 6 लाख पात्र कर्मचारियों को तदर्थ बोनस भी दिया जाएगा।

महंगाई भत्ते में बढ़ोतरी से चालू वित्त वर्ष में सरकार पर करीब 820 करोड़ रुपए का अतिरिक्त वित्तीय भार आएगा।

राज्य सरकार ने कर्मचारियों को महंगाई भत्ते के साथ तदर्थ बोनस का भी उपहार दिया है। इसके तहत, पे-मैट्रिक्स लेवल एल-12 या उससे कम अथवा 4800 रुपए या उससे कम ग्रेड पे वाले करीब 6 लाख कर्मचारियों को बोनस मिलेगा। इस पर सरकार 406 करोड़ रुपए खर्च करेगी। बोनस की 75 प्रतिशत राशि नकद दी जाएगी, जबकि शेष 25 प्रतिशत कर्मचारियों के जीपीएफ खातों में जमा होगी।

बारिश के कारण "पोस्टपोन" हुआ ज्ञानेश कुमार का महाभियोग कार्यक्रम

विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कार्यक्रम "पोस्टपोन" होने की पुष्टि की और कहा कि अब यह कार्यक्रम शनिवार 4 बजे होगा

- यह महाभियोग, विपक्ष का, वोट चोरी के खिलाफ प्रतीकात्मक विरोध प्रदर्शन है।
- सूत्रों ने कहा कि पूर्व लोकसभा स्पीकर मीरा कुमार कार्यवाही की अध्यक्षता करेंगी। खड़गे प्रस्ताव रखेंगे और राहुल गांधी इस पर टिप्पणी करेंगे।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 30 अक्टूबर। राजधानी में बारिश के कारण विपक्षी गठबंधन को शुक्रवार दोपहर को होने वाला कार्यक्रम शनिवार के लिए टालना पड़ा। शुक्रवार सुबह से ही राजधानी में लगातार हो रही बारिश की वजह से "सार्वजनिक महाभियोग" कार्यक्रम को स्थगित करना पड़ा। यह कार्यक्रम मध्य दिल्ली के राजाजी मार्ग स्थित कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के सरकारी आवास के लॉन में दोपहर 3:30 बजे आयोजित होना था।

अब यह कार्यक्रम शनिवार को आयोजित किया जाएगा।

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि कार्यक्रम शनिवार तक टाल दिया गया है। गांधी ने कहा, "हम सभी ने मिलकर फैसला किया है कि जनता द्वारा महाभियोग का कार्यक्रम शनिवार शाम 4 बजे आयोजित किया जाएगा।" सूत्रों के अनुसार, लोकसभा की पूर्व अध्यक्ष मीरा कुमार इस पूरी कार्यवाही की अध्यक्षता करेंगी। खड़गे इस दौरान "प्रस्ताव" पेश करेंगे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी समापन भाषण देंगे।

वोट चोरी के मुद्दे पर प्रतीकात्मक विरोध जताने के लिए इंडिया गठबंधन के नेताओं ने गुरुवार को बैठक की थी। इस बैठक में "जनता द्वारा महाभियोग" की पूरी कार्यवाही को अंतिम रूप दिया गया। गुरुवार को हुई तैयारी बैठक में कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा, जयराम रमेश और के. सी. वेणुगोपाल, कांग्रेस की वरिष्ठ नेता मीरा कुमार, तृणमूल कांग्रेस के डेरेक ओ' ब्रायन, समाजवादी पार्टी के हरेन्द्र मलिक, झारखंड मुक्ति मोर्चा की महुआ माजी और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के जॉन ब्रिटास सहित, कई नेताओं ने हिस्सा लिया।बैठक में फैसला किया गया कि इस कार्यक्रम को मॉक पार्लियामेंट (नकली संसद) नहीं कहा जाएगा, जैसा कि शुरुआत में सुझाव दिया गया था।

राफेल मरीन की आईएनएस विक्रांत पर सफल लैंडिंग

नई दिल्ली, 30 अक्टूबर। 29 अक्टूबर को फ्रांसीसी लड़ाकू विमान राफेल मरीन ने भारत के पहले स्वदेशी विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत पर पहली बार सफल लैंडिंग की। खास बात यह रही कि यह लैंडिंग अपने पहले

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'भविष्य के लिए पैसा बचाना बेमानी हो सकता है'

एलन मस्क ने कहा, आर्टिफिशल इंटेलिजेंस से ऐसा समय आ सकता है, जब पैसे का महत्व ही खत्म हो जाएगा

- मस्क ने एआई के कारण रोजगार खत्म होने की संभावना पर युनिवर्सल हाई इन्कम का प्रस्ताव रखा, जिसके तहत सरकारें सीधे नागरिकों को पैसा देंगी।
- मस्क ने कहा कि एआई और रोबोटिक्स में प्रगति से अर्थव्यवस्था के काम करने के तरीके में बुनियादी रूप से बदलाव आ सकता है।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 30 अक्टूबर। एलन मस्क का कहना है कि भविष्य में पैसा बचाकर रखना "बेमानी" हो सकता है, क्योंकि आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) की वजह से एक समय ऐसा आ सकता है, जब पैसे का महत्व ही खत्म हो जाए।

टेस्ला और स्पेसएक्स के सीईओ और अरबपति मस्क का मानना है कि आर्टिफिशल इंटेलिजेंस और रोबोट भविष्य में वस्तुओं और सेवाओं के उत्पादन की लागत इतनी कम कर सकते हैं कि भविष्य के लिए बचत करने की जरूरत नहीं रह जाएगी। उन्होंने एआई के कारण रोजगार खत्म होने की आशंका से निपटने के लिए सरकार की ओर से "यूनिवर्सल हाई इनकम", यानी सभी नागरिकों को पर्याप्त आय देने का प्रस्ताव भी रखा है।

क्या हो, अगर आपकी खरीदारी की कुछ गलत आदतें वास्तव में गलत न हों, क्योंकि आने वाले कुछ वर्षों में पैसे का महत्व ही खत्म हो जाए? एलन मस्क ने इस सोच के समर्थन में एक दिलचस्प तर्क दिया है। उनका मानना है कि आर्टिफिशल इंटेलिजेंस लगभग हर चीज को सस्ता बना सकती है।

मस्क की यह टिप्पणी एक्स के एक यूज़र की पोस्ट के बाद आई। इस यूज़र ने भविष्य में समृद्धि आने की उम्मीद का

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

25 जनवरी से शुरु होगी जनगणना

- यह भारत की पहली डिजिटल जनगणना है। इसमें 10 से 24 जनवरी तक व्यक्ति खुद भी पोर्टल पर डेटा भर सकेंगे।

नई दिल्ली, 30 अक्टूबर। देश में लंबे समय से इंतजार की जा रही जनगणना को लेकर सरकार ने तारीखों का एलान कर दिया है। भारत में जनगणना 2027 की प्रक्रिया 25 जनवरी से 28 फरवरी 2027 तक कराई जाएगी। इस दौरान देशभर में आबादी की गिनती की जाएगी। लेकिन चुनाव वाले और बर्फ से प्रभावित राज्यों को इस प्रक्रिया से छूट दी गई है।

5 राज्यों-मणिपुर, गोवा, उत्तर प्रदेश, पंजाब और उत्तराखंड को छोड़कर पूरे देश में जनगणना होगी। इन राज्यों में 2027 की शुरुआत में विधानसभा चुनाव हो सकते हैं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'आर यू में पीएचडी भर्ती परीक्षा में मनमाने तरीके से जारी मेरिट लिस्ट खारिज करें'

राजस्थान हाईकोर्ट ने कहा कि उच्च शिक्षा विभाग ने मैरिट लिस्ट जारी करते समय यूजीसी द्वारा पीएचडी प्रोग्राम में भर्ती के मापदंड व परीक्षा प्रक्रिया को नहीं अपनाया

- इस मामले में यश चंद्रा की ओर से याचिका दायर की गई थी, जो अर्थशास्त्र विभाग में जूनियर रिसर्च फैलोशिप के पद पर नियुक्त होने के लिए 2026 अगस्त माह में आयोजित इंटरव्यू में भाग ले चुके थे, परंतु उन्हें मैरिट लिस्ट में जगह नहीं मिली।

-यादवेन्द्र शर्मा-

जयपुर, 30 अक्टूबर। राजस्थान यूनिवर्सिटी में "पी.एच.डी.एडमिशन" परीक्षा की मैरिट लिस्ट तय नियमों के अनुसार जारी नहीं करने और मैरिट लिस्ट में उपयुक्त अभ्यार्थी को जगह नहीं मिलने से संबंधित मामले में राजस्थान हाईकोर्ट में सुनवाई हुई, जिस पर अदालत ने आदेश दिये कि प्रशासन व राजस्थान यूनिवर्सिटी के अधिकारी उपयुक्त अभ्यार्थियों को पी.एच.डी. एडमिशन परीक्षा की मैरिट लिस्ट में जोड़ने के लिए पुनः विचार करें और मैरिट लिस्ट "यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमीशन" (यूजीसी) के नियमों के अनुसार ही जारी की जाए। न्यायाधीश समीर जैन के एकलपीठ ने यह आदेश यश चंद्रा व अन्य दो याचिकाकर्ताओं की ओर से दायर याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए दिये। इस मामले में याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता दर्श पारीक पैरवी के लिए पेश हुए थे, इसके अलावा अदालत ने अधिवक्ता रूद्रांशू सिंह को न्याय मित्र घोषित किया था।

इस मामले के तथ्य के अनुसार, याचिकाकर्ता यश चंद्रा व अन्य ने वर्ष 2025-26 के शैक्षणिक सत्र में आयोजित आर यू की "पी.एच.डी.एडमिशन" परीक्षा (रूपा) में भाग लिया था। याचिकाकर्ता यश चंद्रा "रूपा" ने परीक्षा के तहत "जूनियर रिसर्च फैलोशिप" (जे.आर.एफ.) के पद के लिए चयनित

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एक सप्ताह में ही सीसी सड़क पर आई दरारें

अलवर। लक्ष्मणगढ़ नगर पालिका क्षेत्र के वार्ड नंबर एक स्थित सूरजगढ़ में राजकीय विद्यालय से कफनवाड़ा गांव तक बन रही सीसी सड़क के निर्माण में घटिया सामग्री का उपयोग किए जाने का आरोप लगा है। सड़क निर्माण में कथित अनियमितताओं को लेकर ग्रामीणों ने विरोध जताते हुए विभागीय अधिकारियों से जांच कराने की मांग की है। एडवोकेट प्रहलाद चंद चौधरी ने बताया कि सार्वजनिक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) की कार्यकारी एजेंसी की ओर से सड़क का निर्माण कराया जा रहा है। निर्माण कार्य पूरा हुए अभी एक सप्ताह भी नहीं हुआ है और सड़क पर जगह-जगह दरारें दिखाई देने लगी हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि निर्माण में हल्की गुणवत्ता की बजरी और सीमेंट का इस्तेमाल किया गया है, जिससे सड़क की गुणवत्ता पर सवाल खड़े हो रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि निर्माण कार्य में गुणवत्ता के मानकों की अनदेखी से न केवल आमजन को परेशानी होगी, बल्कि सरकारी धन का भी नुकसान होगा। इस संबंध में एडवोकेट प्रहलाद चौधरी ने विभाग के कनिष्ठ अभियंता को फोन पर शिकायत की थी, लेकिन आरोप है कि अब तक कोई विभागीय अधिकारी मौके पर निरीक्षण करने नहीं पहुंचा है। ग्रामीणों ने उच्च अधिकारियों से नवनिर्मित सड़क की गुणवत्ता की तकनीकी जांच कराने की मांग की ।

राजगढ़ में बारिश के बीच भी मतदान करने पहुंचे ग्रामीण

गोला का बास में वर्षा से मतदान केंद्र पर पानी टपकने की जानकारी मिली

राजगढ़। उपखंड क्षेत्र के पंचायत समिति राजगढ़ के तहत 41 ग्राम पंचायतों में सरपंचों पंचों के चुनाव शांतिपूर्ण संपन्न हुए। शुक्रवार प्रात काल से उपखंड क्षेत्र में चला रिमझिम एवं तेज बारिश का दौर दिन भर जारी रहा। इसके चलते सरपंच प्रत्याशियों एवं समर्थकों सहित

> ■ शुक्रवार सुबह से उपखंड क्षेत्र में रिमझिम व तेज बारिश का दौर दिन भर जारी रहा। इससे मतदाताओं को परेशानी भी हुई।

राजगढ़ क्षेत्र की 41 ग्राम पंचायतों में सरपंचों पंचों के चुनाव शांतिपूर्ण संपन्न हुए।

मतदाताओं को परेशानी का सामना करना पड़ा। दूसरी ओर बुजुर्ग एवं बीमार मरीजों ने भी गांव की सरकार चुनने के लिए लोकतंत्र के महा यज्ञ में वोट की आहुति देने को उत्सुक नजर आए। राजगढ़ क्षेत्र में लगातार वर्षा से गोला का बास में मतदान केंद्र पर पानी टपकने, मोतीवाड़ा मतदान केंद्र पर कीचड़ जमा होने एवं चिकनी मिट्टी से पुलिस की गाड़ी फस गई। दूसरी ओर अनेक मतदान केन्द्रों पर पानी भरा हो एवं गीली मिट्टी के कारण मतदाताओं एवं अधिकारियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। मतदान केंद्रो के बाहर समर्थक छाता लगाकर मतदाताओं से मनुहार करते रहे। इधर जनरल मजिस्ट्रेट एवं पुलिस सुपरवाइजरी अधिकारियों सहित अन्य अधिकारी मतदान केंद्रो का दौरा कर जायजा लेते रहे। बारिश के कारण मतदान में खलल पड़ा।

युवा राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति : रामस्वरूप मीणा

निवाई। कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में फिट युवा, नशा मुक्त युवा अभियान के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ रहने, नियमित व्यायाम एवं खेलकूद को अपनाने एवं नशे जैसी सामाजिक बुराई से दूर रहने के लिए प्रेरित करना है। अभियान के माध्यम से युवाओं में स्वस्थ जीवनशैली, सकारात्मक सोच एवं नशा मुक्त समाज के निर्माण के प्रति जागरूकता विकसित करने का संदेश दिया जाएगा। महाविद्यालय के डीन डॉ. रामस्वरूप मीणा ने कहा कि युवा राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति हैं। युवाओं का शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ रहना एवं नशे जैसी सामाजिक बुराई से दूर रहना अत्यंत आवश्यक है। स्वस्थ शरीर, सकारात्मक सोच एवं अनुशासित जीवनशैली ही एक सशक्त समाज एवं विकसित राष्ट्र के निर्माण का आधार हैं। उन्होंने युवाओं से इस अभियान को जन-जागरूकता का व्यापक आंदोलन बनाने की अपील की। इस दौरान उन्होंने युवाओं को नशा मुक्त की शपथ दिलवाई। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के सभी स्वयंसेवकों को कार्यक्रम में सक्रिय एवं अनिवार्य सहभागिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

सार-समाचार

मिट्टी के दीपक बनाने वाले हाथों का सम्मान कीजिए : लक्ष्मी जैन

टोंक। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'वोकल फॉर लोकल' संदेश को साकार करने की पहल, के संदेश को लेकर पूर्व सभापति नगर परिषद लक्ष्मी जैन के नेतृत्व में कई महिलाओं ने मिट्टी के दीपक बनाने वाले मेहनतकश कुम्हारों एवं उनके परिवारजनों का पारंपरिक राजस्थानी साफा बंधवाकर आत्मीय स्वागत एवं सम्मान किया। इस अवसर पर लक्ष्मी जैन ने कहा कि कुम्हार के हाथ केवल दीपक नहीं बनाते, बल्कि हमारी सदियों पुरानी भारतीय संस्कृति और परंपराओं को जीवित रखते हैं। इसलिए उनकी मेहनत का सम्मान करना हम सभी की जिम्मेदारी है। लक्ष्मी जैन ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का 'वोकल फॉर लोकल' संदेश हमें स्थानीय कारीगरों और स्वदेशी उत्पादों को अपनाने की प्रेरणा देता है। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि प्रदेश की पारंपरिक कला और छोटे कारीगरों को प्रोत्साहित करना हमारी संस्कृति और स्थानीय रोजगार को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। दीपक की कीमत उसकी मिट्टी से नहीं, उसे आकार देने वाले हाथों की मेहनत से तय होनी चाहिए। इस दीपावली दीपक ही नहीं, किसी मेहनतकश परिवार के चेहरे की मुस्कान भी घर लाएं।

टोंक में चुनाव की सूचना आज

टोंक। पंचायतीराज आम चुनाव-2026 के तहत राज्य निर्वाचन आयोग के द्वारा चरणवार चुनाव कार्यक्रम के अनुसार चौथे चरण में आज जिले की 4 पंचायत समितियों निवाई, टोंक, मालपुरा (आंशिक) व टोडारायसिंह में पंचायत समिति सदस्य के पदों के लिए लोक सूचना जारी होगी। पंचायतीराज चुनाव के चौथे चरण के तहत जिले की पंचायत समितियों (निवाई, टोंक, मालपुरा (आंशिक) व टोडारायसिंह) के सदस्यों के लिए शनिवार, 31 अक्टूबर को निर्वाचन की लोकसूचना जारी होगी। नाम निर्देशन पत्र प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 4 नवम्बर, नाम निर्देशन पत्रों की संवीक्षा 5 नवम्बर को तथा नाम वापसी की अंतिम तिथि व समय 6 नवम्बर अपरान्ह 3 बजे तक रहेगा। इसके बाद चुनाव चिन्हों का आवंटन, चुनाव लड़ने वाले अभ्यार्थियों की सूची का प्रकाशन किया जाएगा।

स्वच्छता का संदेश देने खुद घर-घर पहुंचे पालिका उपाध्यक्ष

फुलेरा। नगर पालिका उपाध्यक्ष गजेंद्र सिंह शेखावत ने स्वच्छता के प्रति आमजन को जागरूक करने के उद्देश्य से अनूठी पहल की। उन्होंने स्वयं कचरा संग्रहण वाहन को लेकर घर-घर पहुंचकर कचरा एकत्रित किया और नागरिकों को स्वच्छता बनाए रखने का संदेश दिया। उपाध्यक्ष शेखावत ने बताया कि स्वच्छ फुलेरा रखने के लिए जरूरी है कि प्रत्येक नागरिक स्वच्छता को अपनी जिम्मेदारी समझे और अपने घरों के साथ-साथ आसपास के क्षेत्र को भी साफ-सुथरा रखे। उन्होंने आमजन से अपील की कि कचरा इधर-उधर नहीं फेंकें, बल्कि कचरा संग्रहण वाहन में ही डालें। उन्होंने कहा कि स्वच्छता केवल नगर पालिका की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि इसमें प्रत्येक नागरिक की भागीदारी जरूरी है। जनसहयोग से ही फुलेरा को स्वच्छ, सुंदर और व्यवस्थित बनाया जा सकता है।

छात्रवृत्तियों की जानकारी दी

चौमूं / कालाडेरा। सेठ आरएल सहरिया राजकीय पीजी महाविद्यालय, कालाडेरा में राजस्थान राज्य महिला नीति प्रकोष्ठ एवं रानी लक्ष्मीबाई आत्मरक्षार्थ प्रशिक्षण केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में महिलाओं एवं बालिकाओं से संबंधित कल्याणकारी राजकीय योजनाओं तथा छात्रवृत्ति आवेदन प्रक्रिया के प्रति विद्यार्थियों को जागरूक करने के उद्देश्य से प्रसार वार्ता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय प्राचार्य प्रो. जयभारत सिंह के मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम में संदर्भ वार्ताकार प्रो. अमिता कुमारी ने महिलाओं एवं बालिकाओं के कल्याण, सुरक्षा, शिक्षा, स्वावलंबन तथा सामाजिक सशक्तिकरण से जुड़ी विभिन्न राजकीय योजनाओं की विस्तारपूर्वक जानकारी देते हुए इनके उद्देश्यों, पात्रता एवं लाभ प्राप्त करने की प्रक्रिया पर प्रकाश डाला। उन्होंने छात्राओं से सरकारी योजनाओं की जानकारी प्राप्त कर उनका अधिकाधिक लाभ उठाने तथा आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ने का आह्वान किया। इसी क्रम में वार्ताकार डॉ. नीतू यादव ने केंद्र एवं राज्य सरकार की प्रचलित छात्रवृत्ति योजनाओं के बारे में छात्राओं को विस्तार से अवगत कराया। उन्होंने विभिन्न छात्रवृत्तियों की पात्रता, आवश्यक दस्तावेज, ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया एवं आवेदन करते समय बरती जाने वाली सावधानियों की जानकारी देते हुए कहा कि छात्रवृत्तियां आर्थिक रूप से सहयोग प्रदान करने के साथ ही उच्च शिक्षा के अवसरों को सुलभ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

गांवों में दिखा लोकतंत्र का उत्सव

पावटा। पंचायत आम चुनाव-2026 के तहत पंचायत समिति पावटा क्षेत्र की 30 ग्राम पंचायतों में सरपंच एवं वार्ड पंच पदों के लिए मतदान प्रक्रिया संपन्न हुई। चुनाव को लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में सुबह से ही उत्साह का माहौल देखने को मिला। मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की आवाजाही बनी रही। ग्रामीणों ने अपने मताधिकार का प्रयोग कर गांव की सरकार चुनने में भागीदारी निभाई। गांवों में लोकतंत्र का उत्सव नजर आया तो प्रत्याशियों और उनके समर्थकों में भी चुनाव को लेकर खासा उत्साह दिखाई दिया। चुनाव शाखा प्रभारी सत्यदेव ने बताया कि सरपंच पद के लिए कुल 341 नामांकन प्राप्त हुए थे। नाम वापसी के बाद 250 प्रत्याशी चुनाव मैदान में रहे। वहीं, वार्ड पंच पदों के लिए 515 नामांकन प्राप्त हुए, जिनमें नाम वापसी के बाद 473 प्रत्याशी मैदान में रहे। इनमें से 157 वार्ड पंच निर्विरोध निर्वाचित हुए। मतदान के आंकड़ों के अनुसार सुबह 7 से 10 बजे तक 17.21 प्रतिशत, सुबह 10 से दोपहर 1 बजे तक 46.69 प्रतिशत तथा दोपहर 1 से 3 बजे तक 62.47 प्रतिशत, दोपहर 3 बजे से शाम 6 बजे तक 81.88 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। मतदान के दौरान प्रत्याशियों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। मतदान केंद्रों पर चुनाव प्रक्रिया शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न करवाने के लिए प्रशासन एवं पुलिस की ओर से आवश्यक व्यवस्थाएं की गईं। चुनाव के दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी अरुणा गुप्ता एवं जिला पुलिस अधीक्षक सतवीर सिंह ने राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, बेरी बांध (पावटा) स्थित मतदान केंद्र का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने मतदान व्यवस्था, सुरक्षा इंतजामों एवं चुनाव प्रक्रिया का जायजा लेकर आवश्यक व्यवस्थाओं का अवलोकन किया।

बरसात के कारण देरी से दिखा चांद

मनोहरपुर । करवाचौथ अब सिर्फ पत्नियों का ही नहीं, पतियों का भी पर्व बन गया है। मनोहरपुर, शाहपुरा क्षेत्र में आज कई ऐसे पति देखे गए जो अपनी पत्नियों की खातिर खुद निर्जला व्रत रखे हुए थे। सुबह से ही पति अपनी पत्नियों का ख्याल रखते नजर आए। बाजार में पति अपनी पत्नियों के लिए साड़ी, ज्वेलरी, चूड़ा और मनपसंद गिफ्ट खरीदते देखे गए। भामाशाह विमल केशुका ने बताया, रिश्ता दो तरफा है, जब वो मेरी लंबी उम्र के लिए व्रत रख सकती हैं, तो मैं क्यों नहीं। शाम होते-होते मौसम ने करवट ली। हल्की बरसात और बादलों के कारण चाँद अपने तय समय 8:17 बजे से काफी देर बाद नजर आया। करीब 9:30-10:00 बजे तक बादलों के पीछे से चाँद दिखा। चाँद के इंतज़ार में महिला-पुरुष छतों पर टकटकी लगाए खड़े रहे।

अलवर में भाजपा का 'लोकतंत्र बचाओ-अराजकता हटाओ' पैदल मार्च आज

अलवर। भारतीय जनता पार्टी की ओर से शनिवार, 31 अक्टूबर को अलवर में 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' पैदल मार्च निकाला जाएगा। राष्ट्रीय नेतृत्व के आह्वान पर आयोजित इस कार्यक्रम में केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया शामिल होंगे और पैदल मार्च का नेतृत्व करेंगे। कार्यक्रम को लेकर भाजपा की ओर से तैयारियां की जा रही हैं।

भाजपा जिला मीडिया प्रभारी लक्ष्मी नारायण गुप्ता ने बताया कि कार्यक्रम में जिलेभर से पार्टी पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि और कार्यकर्ता शामिल होंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार दोपहर 2:30 बजे सभी कार्यकर्ता रिवाज रिसोर्ट में

> ■ निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार शनिवार दोपहर 2:30 बजे सभी कार्यकर्ता रिवाज रिसोर्ट में एकत्रित होंगे

एकत्रित होंगे। यहां से केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, अलवर सांसद एवं केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव, राजस्थान के वन एवं पर्यावरण मंत्री संजय शर्मा तथा भाजपा जिला अध्यक्ष अशोक गुप्ता के नेतृत्व में पैदल मार्च रवाना होगा। यात्रा शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए शहीद स्मारक पहुंचेगी।

शहीद स्मारक पहुंचने पर भाजपा नेता और कार्यकर्ता शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। इसके बाद आयोजित सभा को केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया सहित पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेता संबोधित करेंगे।

कार्यक्रम में जिले के सभी विधायकों, पूर्व विधायकों, विधानसभा चुनाव के प्रत्याशियों, महापौर, उपमहापौर, नगर पालिका अध्यक्षों, उपाध्यक्षों, पार्टी पदाधिकारियों और जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित किया गया है। भाजपा की ओर से इस पैदल मार्च में अधिक से अधिक संख्या में कार्यकर्ताओं की भागीदारी सुनिश्चित करने की तैयारी की जा रही है।

अलवर के रेल विकास को लेकर डॉ. सतीश पूनिया को भेजा पत्र, चार प्रमुख मांगें उठाई

अलवर। अलवर क्षेत्र में रेल सुविधाओं के विस्तार और नई रेल सेवाएं शुरू करवाने की मांग को लेकर रेल विकास संघर्ष समिति ने राज्यसभा सांसद एवं भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री डॉ. सतीश पूनिया को पत्र भेजा है। समिति ने पत्र के माध्यम से चार प्रमुख मांगें उठाते हुए इन्हें रेल मंत्रालय एवं रेलवे बोर्ड के समक्ष प्रभावी ढंग से रखने का आग्रह किया है।

समिति के अध्यक्ष कमल कान्त खड़िया ने बताया कि अलवर और आसपास के क्षेत्रों में यात्रियों की संख्या तथा बेहतर रेल कनेक्टिविटी की आवश्यकता लगातार बढ़ रही है। इसके बावजूद कई महत्वपूर्ण रेल सुविधाएं लंबे समय से लंबित हैं। इसी को देखते हुए समिति ने क्षेत्र के रेल विकास से जुड़ी मांगों को सांसद के समक्ष रखा है।

समिति ने अलवर बाईपास रेललाइन पर आधुनिक सैटेलाइट स्टेशन विकसित करने की मांग की है। इससे चुनिंदा ट्रेनों को अलवर जंक्शन में प्रवेश किए बिना बाईपास मार्ग से संचालित किया जा सकेगा। इससे जंक्शन पर ट्रेनों का दबाव कम होने के

> ■ बाईपास रेललाइन पर सैटेलाइट स्टेशन, नई लंबी दूरी की ट्रेनें और राजधानी एक्सप्रेस के ठहराव की मांग, रेल मंत्रालय से पहल का आग्रह

साथ इंजन की दिशा बदलने में लगने वाले समय की बचत होगी और नई रेल सेवाओं के संचालन की संभावनाएं बढ़ेंगी। समिति ने अलवर-गोवर्धन-मथुरा रेलमार्ग से हावड़ा/कोलकाता, अयोध्या, वाराणसी, रीवा, झांसी, ग्वालियर और भोपाल के लिए नई लंबी दूरी की ट्रेनें शुरू करने की मांग की है। इससे रामगढ़, गोविंदगढ़, बृजनगर, डीग और गोवर्धन सहित आसपास के क्षेत्रों के यात्रियों को सीधी रेल कनेक्टिविटी मिल सकेगी। साथ ही धार्मिक पर्यटन और व्यापार को भी बढ़ावा मिलेगा। समिति ने अलवर से दौसा, गंगापुर सिटी और कोटा होते हुए इंदौर एवं उज्जैन के लिए सीधी रेल सेवा शुरू करने का प्रस्ताव भी दिया है। इससे राजस्थान और मध्यप्रदेश के बीच रेल संपर्क मजबूत होगा तथा व्यापारिक और धार्मिक यात्राओं पर जाने वाले यात्रियों को सुविधा मिलेगी। समिति ने गाड़ी संख्या 12957/12958 स्वर्ण जयंती राजधानी एक्सप्रेस का अलवर जंक्शन पर दो मिनट का ठहराव देने की मांग भी उठाई है।

समिति का मानना है कि इस ट्रेन के ठहराव से अलवर के यात्रियों को जयपुर, अजमेर, आबू रोड और अहमदाबाद के लिए तेज रेल यात्रा का विकल्प मिल सकेगा। समिति अध्यक्ष कमल कान्त खड़िया ने कहा कि अलवर क्षेत्र के लाखों नागरिक बेहतर रेल सुविधाओं की अपेक्षा रखते हैं। इन मांगों पर अमल होने से यात्रियों को सुविधा मिलने के साथ क्षेत्र में पर्यटन, व्यापार और आर्थिक गतिविधियों को भी गति मिलेगी। समिति ने डॉ. सतीश पूनिया से इन मांगों को प्राथमिकता के आधार पर रेल मंत्रालय के समक्ष उठाकर इनके क्रियान्वयन के लिए आवश्यक पहल करने का आग्रह किया है।

ट्रेन को पुनः प्लेटफॉर्म नंबर 1 पर लेने की मांग

फुलेरा। जयपुर रेलवे स्टेशन पर ट्रेन संख्या 12466 जोधपुर-इंदौर इंटरसिटी रणथंभौर एक्सप्रेस का प्लेटफॉर्म बदलने से यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस समस्या के समाधान की मांग को लेकर मंगलवार को दैनिक रेल यात्री संघ एकीकृत, फुलेरा की ओर से स्टेशन डायरेक्टर जी.पी. गुप्ता को ज्ञापन सौंपा गया। संघ अध्यक्ष अशोक वासदेव ने बताया कि उक्त ट्रेन पिछले कई वर्षों से जयपुर स्टेशन पर प्लेटफॉर्म नंबर 1 पर आती थी, लेकिन पिछले कुछ महीनों से इसे प्लेटफॉर्म नंबर 4 पर लिया जा रहा है।

इससे दैनिक रेल यात्रियों के साथ महिलाओं, बुजुर्गों और अन्य यात्रियों को पुलिया चढ़कर तथा घूमकर ट्रेन तक पहुंचने में काफी परेशानी होती है। ज्ञापन में बताया गया कि प्लेटफॉर्म नंबर 1 पर निर्माण कार्य चलने तथा प्लेटफॉर्म नंबर 4 पर मालगाड़ियों के पार्सल से संबंधित सामान पड़े रहने के कारण यात्रियों को मुश्किलें बढ़ रही हैं। दीपावली के त्योहार के चलते यात्रियों की भीड़ बढ़ने से समस्या और गंभीर हो गई है।

मतदाताओं से सौ फीसदी वोट डालने की अपील

भरतपुर (निसं)। जिला निर्वाचन अधिकारी कमर चौधरी ने पंचायत राज आम चुनाव-2026 के तहत जिले के सभी मतदाताओं से निर्धारित मतदान तिथियों पर अपने मताधिकार का अनिवार्य रूप से उपयोग करने तथा शत-प्रतिशत मतदान सुनिश्चित करने की अपील की है।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने अपनी अपील में कहा कि भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है तथा लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति आम नागरिकों के मत में निहित है। निष्पक्ष एवं शत-प्रतिशत मतदान संवैधानिक अधिकार के साथ-साथ प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी भी है। मतदान के माध्यम से ही मतदाता अपनी पसंद के योग्य जनप्रतिनिधि का चयन कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि पंचायत राज आम चुनाव-2026 के तहत तृतीय चरण में पंचायत समिति वैर, बयाना, भुसावर एवं नदबई में जिला परिषद सदस्य एवं पंचायत समिति सदस्य के लिए मतदान 3 नवम्बर, मंगलवार को तथा पंच एवं सरपंच पदों के लिए मतदान 5 नवम्बर, गुरुवार को होगा। इसी प्रकार चतुर्थ चरण के तहत पंचायत समिति उच्चैन, सेवर एवं रूपवास में जिला परिषद सदस्य एवं पंचायत समिति सदस्य के लिए मतदान 14 नवम्बर, शनिवार को तथा पंच एवं सरपंच पदों के लिए मतदान 16 नवम्बर, सोमवार को निर्धारित किया गया है।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि सभी मतदान दिवसों पर मतदान का समय प्रातः 7 बजे से सायं 6 बजे तक रहेगा। मतदाता मतदान के लिए फोटोयुक्त मतदाता पहचान पत्र के अतिरिक्त भारत निर्वाचन आयोग द्वारा अनुमोदित 11 वैकल्पिक फोटोयुक्त पहचान दस्तावेजों में से कोई एक दस्तावेज प्रस्तुत कर सकेंगे। इनमें आधार कार्ड, मनरेगा जॉब कार्ड, पैन कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, पासपोर्ट, पेंशन दस्तावेज, बैंक एवं पोस्ट ऑफिस की फोटोयुक्त पासबुक, सांसदों एवं विधायकों को जारी प्रमाण-पत्र, केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा जारी सर्विस पहचान-पत्र, श्रम मंत्रालय द्वारा जारी स्वास्थ्य बीमा कार्ड तथा सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा जारी दिव्यांग पहचान पत्र शामिल हैं।

फर्जी सिम का सप्लाई चेन ध्वस्त, डीग पुलिस ने दबोचे दो सप्लायर

डीग भरतपुर (निसं)। साइबर ठगी की जड़ पर वार करते हुए डीग पुलिस ने ठगों तक सिम कार्ड पहुंचाने वाले नेटवर्क के दो अहम किरदारों को गिरफ्तार किया है। जिला पुलिस अधीक्षक शरण गोपीनाथ कांबले के निर्देशन में जिले में चल रहे विशेष अभियान ऑपरेशन काउण्टडाउन के तहत यह कार्रवाई हुई। ललित मोहन 26 वर्ष पुत्र राजवीर सिंह, जाटव, निवासी एस.पी.जी. रोड, एका, जिला फिरोजाबाद (उत्तर प्रदेश)। एयरटेल व वीआई की सिमों का पीओएस संचालक है। इसे फिरोजाबाद क्षेत्र के एटा चौराहे से दस्तयाब किया गया। वसीम अकरम 24 वर्ष पुत्र फकरूद्दीन मेव, निवासी सालपुर, थाना अरावली विहार, अलवर। इसे आमोली टोल के पास से पकड़ा गयादोनों आरोपी साइबर ठगी के प्रकरण में लंबे समय से फरार चल रहे थे। पूछताछ में सामने आया कि ललित मोहन नई सिम जारी करने और सिम पोर्ट करने की प्रक्रिया का दुरुपयोग करता था। वह एक ही व्यक्ति के नाम पर दो सिम जारी करवाता था। एक सिम संबंधित व्यक्ति को दे दी जाती, जबकि दूसरी अपने पास रखकर आगे बेच दी जाती थी। इसके बदले उसे पैसे मिलते थे। नशे के आदी, पैसों के जरूरतमंद और अन्य लोगों की आईडी व अंगूठे के निशान से भी सिम निकलवाकर वह ठगों तक पहुंचाता था। ललित और पहले गिरफ्तार किए जा चुके सूरज बघेला से सिम लेने के बाद वसीम अकरम इन्हें अलवर, नगर, पहाड़ी, कामां और हरियाणा क्षेत्र के साइबर ठगों को बेचता था। वह प्रति सिम 700 से 900 रुपये में सिम खरीदकर ठगों को 1500 से 2500 रुपये में सप्लाई करता था। यानी सिम जारी होने से

> ■ एक आईडी पर दो सिम का खेल, 250 फर्जी सिम बेच चुका था फिरोजाबाद का ललित, 700 की सिम 2500 में बेचता था अलवर का वसीम

ठगों के हाथ पहुंचने तक कई स्तरों पर लेन-देन होता था। इस प्रकरण में पहले ही 34 फर्जी सिम कार्ड जब्त किए जा चुके हैं।ललित मोहन अब तक सूरज बघेला के माध्यम से और सीधे वसीम अकरम को करीब 250 फर्जी सिमबेच चुका है। ललित से सिम जारी करने में इस्तेमाल होने वाली डेमो सिम बरामद हुई है, जिसका उपयोग कई साइबर ठगी की वारदातों में होना सामने आया है। थाना डीग कोतवाली के सउनि अजय यादव मय जाब्ता एक फिरोजाबाद पहुंचे, जबकि हैड कांस्टेबल राकेश कुमार की टीम भरतपुर क्षेत्र में तलाश के लिए रवाना हुई। साइबर सैल से मिले तकनीकी इनपुट के आधार पर संभावित ठिकानों पर दबिश देकर दोनों को पकड़ा गया। पूछताछ में आरोपियों की संलिप्तता प्रमाणित पाए जाने पर दोनों को नियमानुसार गिरफ्तार किया गया। प्रकरण में सिम की डिलीवरी करने वाले और ठगों को अंजाम देने वाले आरोपी पहले ही पकड़े जा चुके हैं। अब सिम उपलब्ध कराने वाली कड़ी भी टूटी है। पुलिस आरोपियों से सिम जारी करवाने के तरीके, आर्थिक लेन-देन, अन्य संलिप्त लोगों और ठगी की विभिन्न वारदातों में सिमों के उपयोग को लेकर विस्तृत पूछताछ कर रही है।

सवाई माधोपुर की 4 पंचायत समितियों के सदस्यों के चुनाव की सूचना आज

सवाई माधोपुर । राज्य निर्वाचन आयोग, राजस्थान द्वारा पंचायतीराज संस्थाओं में आम चुनाव-2026 के लिए घोषित कार्यक्रम के तहत जिले में चौथे चरण की चार पंचायत समितियों (सवाई माधोपुर, चौथ का बरवाड़ा, गंगापुर सिटी, वजीरपुर) के सदस्य पदों के निर्वाचन हेतु लोक सूचना शनिवार, 31 अक्टूबर को जारी होगी।

जिला निर्वाचन अधिकारी काना राम ने बताया कि निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार सवाई माधोपुर जिले में चौथे चरण के पंचायतीराज संस्थाओं के चुनाव के दौरान सवाई माधोपुर, चौथ का बरवाड़ा, गंगापुर सिटी, वजीरपुर पंचायत समितियों के निर्वाचन क्षेत्रों में निर्वाचन होगा। राजस्थान पंचायतीराज (संशोधन) अधिनियम के तहत इस बार चुनाव लड़ने हेतु संतान संबंधी बाध्यता/प्रतिबंध को समाप्त कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि अभ्यर्थियों हेतु अधिकतम व्यय सीमा संशोधित की गई है। पंचायत समिति सदस्य के लिए 1.50 लाख रुपये तथा सरपंच के लिए 1 लाख रुपये अधिकतम व्यय सीमा निर्धारित की गई है । उप जिला निर्वाचन अधिकारी संजय शर्मा ने बताया कि चौथे चरण के लिए पंचायत समिति सदस्य पदों के निर्वाचन हेतु जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा नियम 56 के अंतर्गत निर्वाचन की लोक सूचना शनिवार, 31 अक्टूबर को जारी की जाएगी। बुधवार, 4 नवंबर को अपरान्ह 3 बजे तक (सार्वजनिक अवकाशों को छोड़कर) नाम निर्देशन-पत्र प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि है। इसी कड़ी में गुरुवार, 5 नवंबर को नाम निर्देशन-पत्रों की संवीक्षा की जाएगी। शुक्रवार, 6 नवंबर को अपरान्ह 3 बजे तक अभ्यर्थिता वापस ली जा सकेगी। नाम वापसी के समय समाप्ति के तुरंत बाद 6 नवंबर को चुनाव प्रतीकों का आवंटन और चुनाव लड़ने वाले अभ्यर्थियों की सूची का प्रकाशन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इसी क्रम में पंच व सरपंच पद के निर्वाचन हेतु जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा नियम 23 सपठित 56 के अंतर्गत निर्वाचन की लोक सूचना चौथे चरण के लिए शनिवार, 31 अक्टूबर को जारी की जाएगी। चौथे चरण के लिए रविवार, 15 नवंबर को नाम निर्देशन पत्र प्रस्तुत किए जाएंगे।

किसानों को करीब 345 करोड़ रुपये के फसल बीमा दावों का भुगतान

कोटपूतली। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार ने दीपावली के पावन अवसर पर प्रदेश के किसानों को बड़ी सौगात देते हुए प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत लगभग 345 करोड़ रुपये के लंबित फसल बीमा दावों का भुगतान किया है। इस पहल से प्राकृतिक आपदाओं, सूखे एवं प्रतिकूल मौसमी परिस्थितियों के कारण फसल नुकसान झेलने वाले किसानों को बड़ी आर्थिक राहत मिली है। लंबे समय से लंबित बीमा दावों का निस्तारण होने से किसानों को आर्थिक संबल प्राप्त हुआ है। कृषि आयुक्त नरेश कुमार गोयल ने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशन एवं कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा के मार्गदर्शन में कृषि विभाग द्वारा लंबित फसल बीमा दावों के निस्तारण के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में जयपुर, कोटपूतली-बहरोड़, बाड़मेर, बीकानेर, जोधपुर, पाली, सिरोही, चूरू, जालौर एवं डूंगरपुर जिलों के पात्र बीमित किसानों के दावों के भुगतान की दिशा में महत्वपूर्ण सफलता मिली है।

बावड़ी मंदिर के पास निर्माण कार्य बना परेशानी का सबब

पावटा में बावड़ी मंदिर के पास निर्माण कार्य के कारण राजमार्ग 48पर लगा जाम लगा रहता है।

पावटा। कस्बे में बावड़ी मंदिर के पास चल रहे निर्माण कार्य के चलते बारिश के दौरान राष्ट्रीय राजमार्ग 48 व सर्विस रोड की सड़कों पर पानी भर गया। जलभराव के कारण रास्ते पर आवागमन प्रभावित हुआ और वाहनों की लंबी कतार लगने से जाम की स्थिति बन गई।

इस दौरान राहगीरों और वाहन चालकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। स्थानीय लोगों के अनुसार निर्माण कार्य के चलते बारिश के पानी की निकासी बाधित होने से सड़क पर

> ■ जलभराव से राहगीरों और वाहन चालकों को हुई परेशानी, निर्माण कार्य के दौरान जल निकासी की व्यवस्था पर उठे सवाल

पानी जमा हो गया। पानी भरने के कारण दोपहिया वाहन चालकों और पैदल राहगीरों को निकलने में भी दिक्कत हुई। वहीं, जाम के चलते वाहन चालकों को काफी देर तक इंतजार करना पड़ा। लोगों ने निर्माण कार्य करवाने वाले जिम्मेदारों से मांग की है कि निर्माण के दौरान जल निकासी की उचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि बारिश होने पर सड़क पर जलभराव और जाम की समस्या उत्पन्न नहीं हो। स्थानीय लोगों का कहना है कि निर्माण कार्य के साथ आमजन की सुविधा और यातायात व्यवस्था का भी ध्यान रखा जाना चाहिए।

‘उद्यम-एकेडमिक समन्वय करते हुए विश्वविद्यालयों को उत्कृष्टता के केंद्र बनाएं’

उच्चतर शिक्षा अभियान के अंतर्गत भवन निर्माण और मरम्मत कार्यों की समीक्षा

जयपुर । राज्यपाल एवं कुलाधिपति हरिभाऊ बागडे ने प्रदेश के विश्वविद्यालयों में शोध और नवाचारों को बढ़ावा देते हुए उद्योगों की आवश्यकता के अनुसार कोर्स विकसित करते हुए राज्य के विश्वविद्यालयों को उत्कृष्टता के केंद्र बनाए जाने का आव्हान किया है। उन्होंने विश्वविद्यालयों के कुलगुरुओं को पाठ्यपुस्तकों के अलावा विषय विशेषज्ञों के ऑनलाइन व्याख्यान करवाने और कौशल विकास से जुड़ी गतिविधियों के क्रियान्वयन की भी आवश्यकता जताई।

बागडे शुक्रवार को लोकभवन में प्रदेश के वित्तपोषित विश्वविद्यालयों की विशेष समीक्षा बैठक में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान के अंतर्गत भवन निर्माण और मरम्मत कार्यों को समय पर और गुणवत्ता के साथ पूर्ण करवाना सुनिश्चित किए जाने के भी विशेष रूप से बैठक में निर्देश दिए। उन्होंने निर्माण एजेंसियों की समीक्षा करने और सम्बद्ध अधिकारियों को कार्यों का मौके पर नियमित भौतिक निरीक्षण किए जाने की भी हिदायत दी। उन्होंने राज्य वित्त पोषित विश्वविद्यालयों को इस संबंध में प्रदत अनुदान राशि का समुचित उपयोग किए जाने के साथ ही इससे जुड़ी कार्य एजेंसियों के कार्य का प्रमाणन गुणवता के आधार पर किए जाने पर भी जोर दिया।

राज्यपाल एवं कुलाधिपति हरिभाऊ बागडे ने विश्वविद्यालयों की विशेष समीक्षा बैठक ली ।

- उन्होंने राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान के अंतर्गत भवन निर्माण और मरम्मत कार्यों को समय पर और गुणवत्ता के साथ पूर्ण करवाना सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए

राज्यपाल ने कहा कि सूचना और संचार प्रौद्योगिकी के इस दौर में यह जरूरी है कि हमारे विश्वविद्यालय सेंटर ऑफ एक्सीलेंस बने। इसके लिए वहां ज्ञान के सभी अनुशासनों में विषय विशेषज्ञों का ऑनलाइन व्याख्यान करवाया जाए। उन्होंने कहा कि इस संबंध में विषय विशेष से जुड़े देश विदेश के विशिष्टजनों को चिन्हित कर उनकी ऑनलाइन सेवाएं पढ़ाने के लिए भी ली जाए। इसके बहुत अच्छे दूरगामी सकारात्मक प्रभाव उच्च शिक्षा में मिलेंगे।

बागडे ने कहा कि विश्वविद्यालय उद्योगों की आवश्यकता के बारे में समय समय पर जानकारियां ले और उनके अनुरूप अपने यहां कोर्स ही विकसित नहीं करें बल्कि कौशल विकास से भी विद्यार्थियों को जोड़े ताकि उनकी आवश्यकतानुसार मानव संसाधन उपलब्ध हो सके। उन्होंने नीमराना स्थित रैफल्स यूनिवर्सिटी की चर्चा करते हुए कहा कि वहां उद्योगों की मांग के अनुसार विद्यार्थियों को शिक्षित प्रशिक्षित किया जाता है। इस मॉडल पर हमारे विश्वविद्यालय कार्य करें। उप मुख्यमंत्री और उच्च शिक्षा मंत्री प्रेमचंद बैरवा ने राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान के मानदंडों के अनुरूप कार्य करने और इस संबंध में प्रदत राशि का निर्माण कार्यों में पारदर्शिता से उपयोग किए जाने पर जोर दिया।

अतिरिक्त मुख्य सचिव कुलदीप रांका ने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर पूरे भारत का ग्रॉस एनरोलमेंट बढ़ाए जाने पर ध्यान दिया जा रहा है। इसी सम्बन्ध में प्रदेश में 25 प्रतिशत नामांकन वृद्धि का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने बताया कि राज्य में पिछले दो वर्षों में 76 नए कॉलेज खोले गए हैं। जयपुर, जोधपुर, अलवर को ऐसा हब बनाया गया है जहां विभिन्न अनुशासनों के विश्वविद्यालयों का समन्वय है।

पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार में पनपा संस्थागत भ्रष्टाचार : बेढ़म

जयपुर। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि कांग्रेस पार्टी सौ चूहे खाकर हज करने को जा रही है। यह पार्टी अलीबाबा और 40 चोर वाली है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी आकंठ रूप से भ्रष्टाचार में डूबी हुई है। इसलिए इनको भ्रष्टाचार पर बातें करना शोभा नहीं देता।

शिक्षा मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा जीरो टोलरेंस की नीति पर भ्रष्टाचार के खिलाफ काम करते हैं। जो भी भ्रष्टाचार करने वाले हैं उनके खिलाफ सख्ती से निपटते हैं। उन्होंने कहा कि कई सारे कांग्रेस के नेताओं, अधिकारियों और कर्मचारियों को जेल की सलाखों में पहुंचाया है। इनमें से कई लोग अब जमानत पर छूटे हैं। इसलिए भ्रष्टाचार पर कांग्रेस की बात कोई सुनने वाला नहीं है।

गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर करारा प्रहार करते हुए कहा कि भ्रष्टाचार पर अशोक गहलोत आज ज्ञान बांट रहे हैं, जबकि उन्हें अपने शासनकाल में हुए भ्रष्टाचार का जवाब देना चाहिए। उनके कार्यकाल में जिस तरह संस्थागत भ्रष्टाचार का तंत्र विकसित हुआ, वह प्रदेश की जनता से छिपा नहीं है। जल जीवन मिशन में घोटाला हुआ, उनकी सरकार के मंत्री गिरफ्तार हुए और बड़े अधिकारी आज भी जेल में बंद हैं।

पुरानी चूंगी पर प्रस्तावित अंडरपास के खिलाफ याचिका खारिज

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने अजमेर रोड पर पुरानी चूंगी पर प्रस्तावित अंडरपास के खिलाफ दायर जनहित याचिका को खारिज कर दिया है। सीजे संजय के. अग्रवाल और जस्टिस समीर जैन की खडपीठ ने यह आदेश ज्ञानेश कुमार शर्मा की ओर से दायर जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि मौके पर व्यापक यातायात सर्वेक्षण तथा पैसेंजर कार यूनिट पीक आवर वॉल्यूम के विश्लेषण में सारथी मार्ग से सुशीलपुरा की तरफ वन-वे अंडरपास बनाने की जरूरत बताई गई है। इसके साथ ही यह जेडीए का कार्यकारी नीतिगत निर्णय है। अदालत ने कहा कि रिकॉर्ड पर ऐसी कोई सामग्री पेश नहीं की गई है, जिससे यह साबित हो कि यह निर्माण आमजन के हित के खिलाफ हो।

- अदालत ने कहा कि रिकॉर्ड पर ऐसी कोई सामग्री पेश नहीं की गई है, जिससे यह साबित हो कि यह निर्माण आमजन के हित के खिलाफ हो

जनहित याचिका में कहा गया कि जेडीए की ओर से पुरानी चूंगी पर 19.18 करोड रुपए की लागत से वन-वे अंडरपास का निर्माण प्रस्तावित किया गया है। जेडीए की स्वयं की रिपोर्ट में सामने आई तकनीकी, जल निकासी, सुरक्षा और वित्तीय चिंताओं के बावजूद इस परियोजना को आगे बढाया जा रहा है। वहीं प्रस्तावित अंडरपास बाढ प्रभावित होने और मौजूदा बुनियादी ढांचे से गंभीर टकराव के कारण तकनीकी रूप से अनुपयुक्त है। ऐसे में अंडरपास निर्माण की प्रक्रिया को रद्द किया जाए। जिसका विरोध करते हुए जेडीए की ओर से अधिवक्ता अमित कुडी ने कहा कि मौके पर भूमिगत बिजली लाइनों के लिए रडार यूटिलिटी मैपिंग और द्रव्यवती ड्रेनेज सिस्टम से जुडी ऑटोमेटिक पंपिंग व्यवस्था की जाएगी। इसके अलावा यहां तीन दिन लगातार यातायात सर्वेक्षण व व्यस्ततम घंटों में कारों की संख्या का विश्लेषण किया गया है।

सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

जयपुर। सड़क सुरक्षा के प्रति विद्यार्थियों को जागरूक करने तथा यातायात नियमों के पालन की महत्ता समझाने के उद्देश्य से आज पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय नंबर-2, आर्मी मुख्यालय, झोटवाड़ा, जयपुर में सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में दिनेश सिंह, परिवहन निरीक्षक, प्रादेशिक परिवहन कार्यालय जयपुर द्वितीय, विद्याधर नगर, ने विद्यार्थियों को यातायात नियमों एवं सड़क सुरक्षा के विभिन्न पहलुओं की विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर रोड सेफ्टी एनजीओ कम्युनिटी फॉर सेफर रोड्स की प्रतिनिधि निशा बग्गा तथा विद्यालय के प्राचार्य प्रदीप कुमार टेलर भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को यातायात नियमों, सड़क संकेतका सड़क चिह्नांकन हेलमेट एवं सीट बेल्ट के अनिवार्य उपयोग, पैदल यात्रियों की सुरक्षा तथा सुरक्षित सड़क व्यवहार के बारे में जानकारी दी गई। दिनेश सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि सड़क सुरक्षा केवल यातायात नियमों का पालन करने तक सीमित नहीं है।

करवा चौथ से एक दिन पहले पत्नी की हत्या

दो दिन तक तीन मासूमों के साथ शव के पास बैठा रहा पति

जयपुर। प्रताप नगर थाना इलाके के द्वारकापुरी अपार्टमेंट में रिश्तों को झकझोर देने वाली वारदात सामने आई है। यहां एक पति ने कथित तौर पर मामूली विवाद के बाद पत्नी के सिर पर लोहे की रॉड से वार कर उसकी हत्या कर दी। हैरानी की बात यह है कि हत्या के बाद आरोपी करीब दो दिन तक तीन छोटे बच्चों के साथ कमरे में पत्नी के शव के पास बैठा रहा।

शुक्रवार सुबह उसने खुद पुलिस कंट्रोल रूम में फोन कर पत्नी की हत्या की सूचना दी और बच्चों को कमरे में छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने मोबाइल लोकेशन के आधार पर तलाश कर उसे अपार्टमेंट के पास एक गली से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

- प्रताप नगर के द्वारकापुरी अपार्टमेंट की छठी मंजिल पर मिला महिला का शव
- खुद पुलिस कंट्रोल रूम में फोन कर दी सूचना,बच्चों को छोड़कर भागा, आरोपी गिरफ्तार

थानाधिकारी विक्रांत शर्मा ने बताया कि द्वारकापुरी अपार्टमेंट की छठी मंजिल पर बने किराए के कमरे में लक्ष्मी रेगर (38) का शव मिला। पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना देने वाले उसके पति प्रदीप (42) ने बताया था कि पत्नी से झगड़ा हुआ था और उसकी मौत हो गई है। पुलिस मौके पर पहुंची तो कमरे का दरवाजा बाहर से बंद मिला। अंदर लक्ष्मी का शव पड़ा था और पास ही उसके तीन छोटे बच्चे बैठे थे। इनमें तीन साल की बेटी, डेढ़ साल का बेटा और ढाई महीने का मासूम शामिल है।

प्रारंभिक जांच में महिला की मौत करीब दो दिन पहले होने की बात सामने आई है। पुलिस ने मौके पर एफएसएल टीम को बुलाकर साक्ष्य जुटाए। इसके बाद शव को महात्मा गांधी अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा जाएगा। सहायक प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया कि बुधवार को किसी बात को लेकर पति-पत्नी के बीच विवाद हुआ था।

रोजगार देने वाला बन रहा है देश का युवा : राज्यवर्धन सिंह

जयपुर । जयपुर. देश का युवा रोजगार लेने वाला नहीं, देने वाला बन रहा है। बीते एक दशक में युवाओं के परिदृश्य में बड़ा बदलाव आया है। फिर चाहे बात खेलों की हो या तकनीक और रक्षा की। देश का युवा सनातन की ओर भी बढ़ता नजर आया है। यह कहना है युवा मामले एवं खेल मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ का। वे शुक्रवार को यहां जेएलएन मार्ग स्थित होटल क्लार्क आमेर में तीन दिवसीय ‘‘द जयपुर डायलॉग’’ के 11वें सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे।

- राठौड़ ने परिचर्चा में भाग लेते हुए जयपुर डायलॉग के संस्थापक अध्यक्ष एवं पूर्व वरिष्ठ नौकरशाह संजय दीक्षित के साथ विभिन्न विषयों पर संवाद किया

राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने आमेर में तीन दिवसीय ‘‘द जयपुर डायलॉग’’ के 11वें सम्मेलन का उद्घाटन किया।

उद्घाटन सत्र के दौरान भारत को क्यों आगे बढ़ना चाहिए विषय पर औपचारिक संबोधन से अलग रहते हुए राठौड़ ने परिचर्चा में भाग लेते हुए जयपुर डायलॉग के संस्थापक अध्यक्ष एवं पूर्व वरिष्ठ नौकरशाह संजय दीक्षित के साथ विभिन्न विषयों पर संवाद किया। कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने ऑपरेशन सिंदूर, देश में विपक्ष की भूमिका, कॉकरोच युवा पीढ़ी के माध्यम से विपक्षी आंदोलन को हवा देने सहित खेल के क्षेत्र में युवाओं को योगदान जैसे विषयों का प्रभावी ढंग से जवाब दिया।

भारतीय राजदूत अमराराम का विशिष्ट व्याख्यान

जयपुर। राष्ट्र सर्वोपरि भावना के वैचारिक विमर्श के लिए प्रतिबद्ध शब्द रसायन संस्थान की ओर से 31 अक्टूबर को जयपुर के लाल बहादुर शास्त्री पीजी कॉलेज में शब्द प्रेरणा कार्यक्रम का आयोजन होगा।

निदेशक डॉ रेवंत दान और मानद सचिव मुरारी गुप्ता ने बताया कि इस बार एल.बी.एस. कॉलेज में विद्यार्थियों, शिक्षकों, एन.सी.सी. और एन.एस.एस. कैडेट्स के साथ शब्द प्रेरणा शृंखला के तहत अफ्रीकन देश मालावी गणराज्य में भारत के राजदूत अमरा राम गुजर का विशिष्ट व्याख्यान होगा। उन्होंने बताया कि अमराराम गुजर का संबंध राजस्थान के पाली जिले से हैं। उनका जीवनसफलता की कहानी नई पीढ़ी के लिए प्रेरणादाई है। शब्द रसायन संस्थान भारतीय ज्ञान परम्परा के मूल प्रेरणा के साथ नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक,आध्यात्मिक और बौद्धिक विरासत से जोड़ने के लिए प्रयासरत है।

दीपोत्सव मेला का शुभारम्भ

डॉ. समित शर्मा ने ‘दीपोत्सव मेला-2026’ का गणेश प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर विधिवत शुभारम्भ किया।

जयपुर । शासन सचिव एवं रजिस्ट्रार, सहकारिता डॉ. समित शर्मा ने शुक्रवार को जयपुर के भवानी सिंह रोड स्थित नवजीवन सहकारी बाजार में राजस्थान राज्य सहकारी उपभोक्ता संघ लिमिटेड (कॉनफेड) द्वारा आयोजित ‘दीपोत्सव मेला-2026’ का गणेश प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर विधिवत शुभारम्भ किया। मेले में आमजन के लिए गुणवत्तापूर्ण ग्रीन पटाखे एवं विभिन्न त्योहारी उत्पाद उचित दरों पर उपलब्ध करवाए जा रहे हैं। यह मेला 07 नवम्बर तक प्रतिदिन प्रात: 9 बजे से रात्रि 10 बजे तक आयोजित होगा। डॉ. शर्मा ने कहा कि सहकारिता गुणवत्ता, विश्वास और उपभोक्ता हितों का प्रतीक है।

आमजन को शुद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण उत्पाद उचित मूल्य पर उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से कॉनफेड द्वारा प्रतिवर्ष सहकार दीपोत्सव मेले का आयोजन किया जाता है।

डॉक्टर दंपती को डिजिटल अरेस्ट कर 76 लाख की ठगी करने वाला गिरफ्तार

जयपुर । पुलिस, एटीएस और एनआईए के अधिकारी बनकर बुजुर्ग डॉक्टर दंपती को आतंकवादी गतिविधियों और मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में फंसाने की धमकी देकर 76 लाख रुपए की साइबर ठगी करने के मामले में केंद्रीय साइबर थाना पुलिस ने एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी किरण लक्ष्मण ताम्हाणे निवासी पुणे (महाराष्ट्र) को ठाणे से गिरफ्तार कर ट्रांजिट वारंट पर जयपुर लाया गया है। उसके आईसीआईसीआई बैंक खाते में ठगी की रकम में से 50 लाख रुपए आए थे। मामले में अब तक चार आरोपी गिरफ्तार हो चुके हैं।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक साइबर क्राइम विजय कुमार सिंह ने बताया कि मामले में पुलिस तकनीकी साक्ष्यों और बैंक खातों के लेन-देन के आधार पर आरोपियों तक पहुंची।

आरोपी किरण लक्ष्मण

- पुलिस, एटीएस और एनआईए अधिकारी बनकर आतंकवाद व मनी लॉन्ड्रिंग में फंसाने की दी थी धमकी
- कंपनी के खाते में आए थे 50 लाख रुपए, अब तक चार आरोपी गिरफ्तार

पुलिस के अनुसार जयपुर निवासी डॉक्टर और उनकी पत्नी को व्हाट्सएप कॉल आई। कॉल करने वालों ने खुद को पुलिस अधिकारी बताते हुए कहा कि उनके आधार कार्ड का इस्तेमाल आतंकवादी गतिविधियों और करोड़ों रुपए के वित्तीय अपराध में हुआ है। आरोपियों ने गिरफ्तारी के साथ परिवार के अन्य सदस्यों पर भी कार्रवाई की धमकी दी।इसके बाद आरोपियों ने व्हाट्सएप पर कथित एनआईए नोटिस भेजा और कुछ दिनों में अनापत्ति प्रमाण-पत्र तथा सुरक्षा प्रमाण-पत्र जारी कराने का झांसा दिया। लगातार वॉइस और वीडियो कॉल के जरिए दंपती पर निगरानी रखी गई और मानसिक दबाव बनाया गया। आरोपियों ने उनसे फिक्स्ड डिपॉजिट की जानकारी और प्रमाण-पत्रों की तस्वीरें भी मंगवाई।

उनके कहे अनुसार दंपती ने अपनी बचत भुनाकर अलग-अलग बैंक खातों में कुल 76 लाख रुपए ट्रांसफर कर दिए।जांच में पुलिस ने आरोपियों की ओर से इस्तेमाल किए गए व्हाट्सएप और मोबाइल नंबरों की कॉल डिटेल, ग्राहक आवेदन संबंधी जानकारी, इंटरनेट प्रोटोकॉल डिटेल और बैंक खातों के रिकॉर्ड का विश्लेषण किया। बैंक स्टेटमेंट से पता चला कि खाते में आई ठगी की रकम उसी दिन आरटीजीएस के जरिए दूसरे खाते में और अगले दिन फिर किसी अन्य खाते में भेज दी गई।

बैंकिंग रिकॉर्ड और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पुलिस पहले दिल्ली और उत्तर प्रदेश से तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी थी। आगे की जांच में ठगी की रकम पाने वाले शुरुआती लाभार्थियों में शामिल किरण लक्ष्मण ताम्हाणे तक पुलिस पहुंची।

पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसकी कंपनी के.टी. मल्टी सर्विस प्राइवेट लिमिटेड के आईसीआईसीआई बैंक खाते का साइबर ठगी में इस्तेमाल हुआ था।

इस खाते में करीब 50 लाख रुपए आए थे, जिन्हें बाद में अलग-अलग बैंक खातों में स्थानांतरित कर दिया गया। पुलिस के अनुसार आरोपी ने जिगना प्रथमेश सावंत (राठौड़) और अनुराग माहेश्वरी के साथ मिलकर कंपनी के बैंक खाते की जानकारी, नेट बैंकिंग आईडी-पासवर्ड, चेकबुक और मोबाइल सिम का इस्तेमाल करने दिया।

जयपुर में सजेगा ‘‘मिस एंड मिसेज राजस्थान ग्लैमर-2027’’ का मंच

जयपुर। गुलाबी नगरी में फैशन और प्रतिभा का संगम देखने को मिलेगा। राजस्थान के शहरों के साथ गांवों की उभरती प्रतिभाओं को मंच देने के उद्देश्य से मिस एंड मिसेज राजस्थान ग्लैमर-2027 सीजन-2 का आयोजन किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता का ग्रैंड फिनाले 8 जनवरी को जयपुर के वैशाली नगर स्थित मान पैलेस में होगा। गुरुवार को होटल ग्रैंड सफारी में पेजेंट के आधिकारिक पोस्टर का विमोचन हॉस्पिटैलिटी और व्यापार जगत से जुड़ी हस्तियों की मौजूदगी में किया गया।

आयोजक चिराग चौधरी ने बताया कि प्रतियोगिता का उद्देश्य महिला सशक्तीकरण को बढ़ावा देना और उभरती मॉडल्स के साथ विवाहित महिलाओं को अपनी प्रतिभा, आत्मविश्वास और व्यक्तित्व प्रदर्शित करने का अवसर देना है। आयोजन में राकेश कुमार सह-संस्थापक की भूमिका निभा रहे हैं।

सार-समाचार

बिना अनुमति गैरहाजिर रहने पर चार पुलिसकर्मियों पर गिरी गाज

जयपुर। चुनाव जैसी महत्वपूर्ण ड्यूटी के आदेश के बावजूद गैरहाजिर रहने और बिना अनुमति लंबे समय से अनुपस्थित रहने पर जयपुर पुलिस कमिश्नरेट ने चार प्रशिक्षु कांस्टेबलों को सेवा से पृथक कर दिया है। पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल ने अनुशासनहीनता और कर्तव्य के प्रति लापरवाही को गंभीरता से लेते हुए यह कार्रवाई की है। सेवा से पृथक किए गए रिक्रूट कांस्टेबलों में लोकेश कश्यप, विजय सिंह, मोहरी लाल और बजरंग लाल शामिल हैं। इस संबंध में पुलिस उपायुक्त (मुख्यालय) अनुष्ठा कालिया ने आदेश जारी किए हैं। पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल ने कहा कि पुलिस बल में अनुशासन सर्वोच्च प्राथमिकता है। निर्वाचन जैसी महत्वपूर्ण ड्यूटी के आदेश के बावजूद उपस्थित नहीं होना अनुशासनहीनता की पराकाष्ठा है। किसी भी पुलिसकर्मी की अनधिकृत गैरहाजिरी से न केवल ड्यूटी व्यवस्था प्रभावित होती है, बल्कि पूरे पुलिस बल के अनुशासन पर भी प्रतिकूल असर पड़ता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि कर्तव्य में लापरवाही और अनुशासनहीनता के मामलों में सख्त कार्रवाई की जाएगी।

हिन्दू कालेज में कवि ऋतुराज को स्मरणांजलि

दिल्ली। किसी कवि या साहित्यकार को याद किये जाने का सबसे अच्छा तरीका है उनके साहित्य को पढ़ना। ऋतुराज जैसे कवि कभी भी दृश्य से ओझल नहीं हो सकते क्योंकि उनकी कविता में बहुत बड़ा संसार है। सुपरिचित आलोचक और किरोड़ीमल कालेज में हिंदी आचार्य डॉ नामदेव ने ऋतुराज की स्मृति में आयोजित सभा में कहा कि पक्षधरता ऋतुराज की कविता को महत्वपूर्ण बनाती है जहां वे बिना किसी शोर के वे वंचितों और पीड़ितों के स्वर को स्थान देते हैं। उन्होंने कहा कि प्रगतिशील कविता के लोकप्रिय ढर्रे से मुक्त रहकर ऋतुराज ने उल्लेखनीय कविताएं लिखीं। हिंदू कालेज में हिंदी साहित्य सभा द्वारा आयोजित स्मरणांजलि सभा अलविदा ऋतुराज में प्रो नामदेव ने कहा कि अपनी सुदीर्घ काव्य यात्रा में ऋतुराज जीवन के सभी पक्षों तक जाते हैं। प्रो नामदेव ने ऋतुराज की दो कविताओं लिख सकते हो क्या तथा मरे हुए लोग का पाठ भी किया। उन्होंने ऋतुराज के कविता संग्रहों ‘मैं आंगिरस’, ‘एक मरणधर्मा और अन्य’, ‘कितना थोडा वक़्त’, ‘पुल पर पानी’, ‘अबेकस’, ‘नहीं प्रबोधचंद्रोदय’, ‘सुरत निरत’, ‘लीला मुखारविंद’, ‘आशा नाम नदी’, ‘स्त्रीवग्ग’ का उल्लेख भी किया।

डीएचएल एक्सप्रेस की दिवाली पर शिपमेंट में 60 प्रतिशत तक छूट

इंदौर/जयपुर । डीएचएल एक्सप्रेस इंडिया ने दिवाली के अवसर पर ग्राहकों के लिए अंतरराष्ट्रीय और घरेलू शिपमेंट पर 60 प्रतिशत तक की छूट की घोषणा की है। यह ऑफर 14 नवंबर 2026 तक मान्य रहेगा। ग्राहक इस छूट का लाभ डीएचएल सर्विस पॉइंट पर प्रोमो कोड60का उपयोग करके या कंपनी की वेबसाइट.के माध्यम से उठा सकते हैं। डीएचएल एक्सप्रेस इंडिया के वाइस प्रेसिडेंट-सेल्स एंड मार्केटिंग संदीप जुनेजा ने कहा कि इस ऑफर का उद्देश्य ग्राहकों को देश और विदेश में अपने प्रियजनों तक उपहार और त्योहार की खुशियां पहुंचाने में मदद करना है। कंपनी के अनुसार, ग्राहक डीएचएल गोग्रीन प्लस सेवा के जरिए सतत विमानन ईंधन (एसएएफ) के उपयोग से शिपमेंट से जुड़े ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करने में भी योगदान दे सकते हैं। डीएचएल का वैश्विक नेटवर्क 220 से अधिक देशों और क्षेत्रों में फैला हुआ है। अधिक जानकारी के लिए ग्राहक टोल-फ्री नंबर 1800 30 345 पर संपर्क कर सकते हैं। नियम एवं शर्तें लागू।

नए टायर से ट्रांसपोर्ट कारोबार में होगी ईंधन की बचत

जयपुर । मिशलिन ने ट्रक और बसों के लिए नया ‘एक्स मल्टी एनर्जी झेड2’ टायर लॉन्च किया है। भारत में निर्मित यह टायर 1 नवंबर से देशभर में उपलब्ध होगा। मिशलिन इंडिया के प्रबंध निदेशक शांतनु देशपांडे ने बताया कि भारतीय सड़कों और यातायात की परिस्थितियों को ध्यान में रखकर तैयार इस टायर से आकार के अनुसार 6 से 13 प्रतिशत तक ईंधन की बचत हो सकती है। इससे ट्रांसपोर्ट कारोबारियों का मुनाफा 3 प्रतिशत तक बढ़ने की संभावना है।कंपनी के अनुसार, यह टायर अन्य प्रमुख ब्रांड्स के मुकाबले 25 प्रतिशत तक अधिक चलता है। इसमें ड्युराकोर तकनीक और करीब 30 प्रतिशत पुनर्चक्रण योग्य सामग्री का इस्तेमाल किया गया है। टायर का सड़क से संपर्क क्षेत्र 5 प्रतिशत तक बड़ा होने से गीली और सूखी सड़कों पर बेहतर पकड़ मिलती है।

राजफेड का समर्थन मूल्य पर खरीद हेतु किसानों का पंजीकरण 2 से प्रारंभ

जयपुर। राजस्थान राज्य सहकारी क्रय-विक्रय संघ लिमिटेड (राजफेड) द्वारा खरीफ विपणन सीजन 2026 के अंतर्गत मूंग, उड़द, मूंगफली एवं सोयाबीन की न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद के लिए किसानों का पंजीकरण 02 नवंबर 2026 से प्रारंभ किया जाएगा। किसान राजफेड की वेबसाइट, ई-मित्र केंद्रों के माध्यम से पंजीकरण करवा सकेंगे। राजफेड के प्रबंध निदेशक सौरभ स्वामी ने बताया कि भारत सरकार द्वारा खरीफ विपणन सीजन 2026 के लिए मूंग का न्यूनतम समर्थन मूल्य 8,780 रुपये, उड़द का 8,200 रुपये, सोयाबीन का 5,708 रुपये तथा मूंगफली का 7,517 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है। निर्धारित मानकों के अनुसार मूंग, उड़द एवं सोयाबीन में अधिकतम 12 प्रतिशत तथा मूंगफली में अधिकतम 8 प्रतिशत नमी की सीमा निर्धारित है। उन्होंने बताया कि राज्य में खरीफ विपणन सीजन 2026 के लिए मूंग के 315, मूंगफली के 284, उड़द के 136 एवं सोयाबीन के 77 सहित कुल 812 क्रय केंद्र स्थापित किए गए हैं। स्वामी ने बताया कि प्रत्येक क्रय केंद्र पर अधिकतम 2,000 किसानों के पंजीकरण की सीमा निर्धारित की गई है। प्रत्येक किसान से मूंग, मूंगफली एवं सोयाबीन की अधिकतम 40 क्विंटल उपज की खरीद निर्धारित सीमा के अनुसार की जा सकेगी।

अहोई अष्टमी रविवार को

जयपुर। अहोई अष्टमी रविवार को मनाई जाएगी। रविपुष्य और सर्वार्थ सिद्धि योग के संयोग में महिलाएं व्रत रखेंगी। संतान की दीर्घायु, अच्छे स्वास्थ्य और सुख-समृद्धि की कामना के साथ गोविंद देवजी मंदिर में सुबह आठ से दस बजे तक निशुल्क पंच कुंडीय गायत्री महायज्ञ होगा। मंदिर महंत अंजन कुमार गोस्वामी महाराज के सान्निध्य में श्रद्धालु अपनी संतान की खुशहाली के लिए ठाकुरजी का पूजन कर यज्ञ में आहुतियां प्रदान कर सकेंगे। यज्ञ में कोई भी शामिल हो सकता है। इसके लिए कोई सामग्री लाने की आवश्यक्ता नहीं है। गायत्री परिवार के आचार्य यज्ञ संपन्न कराएंगे। इस मौके पर जन्मदिन और विवाह दिवस संस्कार भी यज्ञ के साथ कराए जाएंगे।

गायत्री परिवार का महाजन्मशताब्दी महोत्सव आज से

जयपुर। अखिल विश्व गायत्री परिवार, शांतिकुंज हरिद्वार के मार्गदर्शन में नई दिल्ली के इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में 31 अक्टूबर से 2 नवंबर तक आयोजित होने वाले महाजन्मशताब्दी महोत्सव में राजस्थान और राजधानी जयपुर से भी गायत्री परिवार के कार्यकर्ता शमिल होंगे। स्टेडियम की सीमित क्षमता को देखते हुए केवल पंजीकृत गायत्री परिजनों को ही आमंत्रित किया गया। कई कार्यकर्ता शुक्रवार रात्रि तक दिल्ली पहुंच गए। गायत्री परिवार की सह संस्थापक भगवती देवी शर्मा की जन्मशताब्दी, अखंड दीप की शताब्दी और गायत्री परिवार के संस्थापक पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य की तप-साधना शताब्दी के अवसर पर आयोजित इस महोत्सव में देश की प्रतिष्ठित हस्तियों का सान्निध्य प्राप्त होगा।

शादी का झांसा देकर युवती का देह शोषण करने वाला आरोपी गिरफ्तार

जयपुर। पत्रकार कॉलोनी थाना पुलिस ने शादी का झांसा देकर युवती का देह शोषण करने के मामले में फरार आरोपी को गुजरात के गांधीनगर से गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान विशाल वैष्णव (23) पुत्र श्याम सुंदर के रूप में हुई है। मूल रूप से गरनिया, जैतारण (पाली) का निवासी है और फिलहाल गांधीनगर में रह रहा था।

Reformation Day

Reformation Day is observed on October 31 to commemorate the Protestant Reformation, a major religious movement that began in the 16th century. The day is traditionally associated with Martin Luther, who is said to have posted his Ninety-Five Theses in 1517, challenging certain practices of the Roman Catholic Church. His actions helped spark widespread debates about Christian faith, church authority, and religious reform across Europe. Today, Reformation Day is particularly observed by many Protestant and Lutheran communities through church services, lectures, historical events, and educational programs celebrating the movement's lasting influence on Christianity and European history.

#JUGAAD

This Hindi Word Rewrote the Rules of Innovation

The spirit of "make do and make it work" captured something deeper than improvisation: it reflected resilience, creativity

There is a Hindi word born in the farmlands of Punjab that has travelled from dusty village roads to the boardrooms of the world: *Jugaad*. Once used to describe the improvised vehicles farmers built by strapping diesel engines onto wooden carts, the term has now entered the vocabulary of Cambridge, Harvard Business Review, and some of the biggest global corporations. What began as rural ingenuity has evolved into a powerful philosophy of innovation embraced by companies such as GE, PepsiCo, Apple and Meta.

At its heart, *jugaad* means finding a low-cost, clever solution using limited resources. In Punjab, farmers who could not afford tractors or trucks built their own machines, rugged, functional hybrids that did the job at a fraction of the cost. This spirit of "make do and make it work" captured something deeper than improvisation: it reflected resilience, creativity, and the refusal to let scarcity limit progress.

Today, scholars and business leaders often call it frugal innovation. But the world increasingly prefers the original word, because jugaad carries a cultural and emotional weight that "frugal innovation" cannot fully capture. A Cambridge professor even wrote an entire book dedicated to the concept, filled with case studies showing how global giants are adopting the mindset. One of the most celebrated examples comes from General Electric. When GE needed a portable heart monitor suitable for rural India, the traditional route would have involved years of research and millions of dollars. Instead, engineers embraced jugaad. They repurposed a bus ticket printer as the display and stripped the device down to its essential functions. The result was a dramatically cheaper machine that later earned FDA approval and is now used in hospitals across the United States, proof that innovation born for resource-constrained markets can transform global healthcare.

India's space programme offers another striking illustration. ISRO's Mars Orbiter Mission stunned the world not just for reaching the Red Planet, but for doing so at a cost lower than many Hollywood movies. It demonstrated how resourcefulness, efficiency and creative engineering can rival, and sometimes outperform, big budgets.

Harvard Business Review has described jugaad as a "new growth formula for corporate America." In an era of rising costs, climate pressures and economic uncertainty, companies are increasingly looking for ways to do more with less. Tech giants, consumer brands and startups alike are embracing lean experimentation, rapid prototyping and cost-efficient problem solving, all principles rooted in the jugaad mindset.

The Greenland Sledge Patrol was disbanded at the end of the war, but re-established in 1950, under the dark clouds of the 'Cold War' with the Soviet Union. It continues to this day as an elite unit of the Danish Navy, though under a different name. They still use dog sledges (rather than snowmobiles) to patrol because dogs have greater 'mechanical' reliability and their early warning capabilities against polar bears are unmatched.

A Release And A Farewell

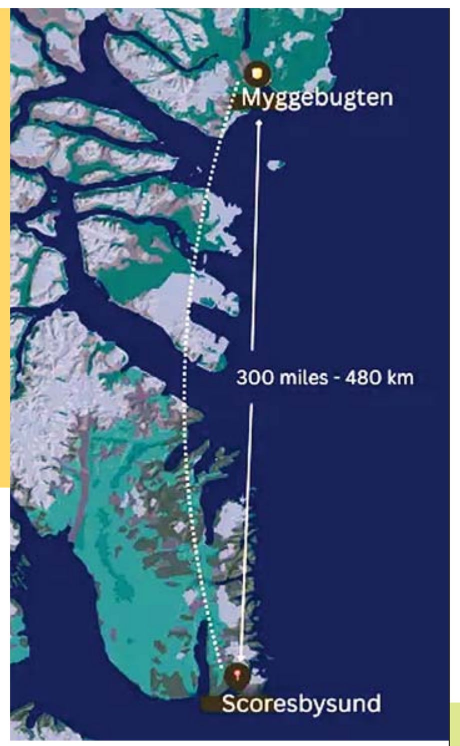

Map of the journey, showing the distance and the amount of sea-ice that had to be crossed over the frozen fjords.

#DUEL ON ICE

● Verna Mohon

Greenland was sparsely populated by humans but it had a sizeable population of polar bears and musk oxen. To have ventured far from the hut would have been suicide.

April is calving season for musk oxen, a month when the bulls are even more protective and aggressive than usual. If a bull senses danger, it will charge. That is 600 lbs (270 kgs) of bone and muscle, armed with a dense plate of horn across the forehead, together with powerful hooking horns hurtling at you with no sense of mercy. These meat juggernauts can reach speeds of 25-30 mph (40-50 km/h) with terrifying acceleration from a standing start.

Matadorial agility is limited when swaddled in thick polar gear and avoidance nigh impossible. Without his rifle, Ritter would not have stood a chance against a musk ox. Similarly, it would have been fatal to venture unarmed into polar bear country. Polar bears were by far the most dangerous animals out there and they can sprint at 40 mph (64.4 km/h).

Marius Jensen arrived at Ella Island before the Germans but found that the crew there had already evacuated to Scoresby Sound. This was the southernmost terminus for the Sledge Patrol and a key radio station. It was also an administrative base, where the local official, Poul Hansen, still flew the Danish flag over government buildings and a safe harbour, where the US Coast established their Greenlandic foothold.

Scoresby Sound was south of Ella Island. Myggebugten was north. In his report, Governor Brun noted:

"The obvious thing under these circumstances would be to continue directly to Scoresby Sound. But as Corporal Jensen thought it would be inappropriate to arrive empty-handed, he first sledged 150 km back to Myggebugten…" That is a journey of between 5 and 7 days, depending on the weather.

A POLAR BEAR WITH A GUN

April 30, 1943

A week of waiting alone in the arctic silence, broken only by screeching winds, even to a seasoned hunter like Ritter, must have been agonizing. Would his patrol return? Would Jensen return? Would anyone find him before supplies were exhausted?

Finally, late one morning, he heard dogs outside. For a moment, a deep breath of relief stilled his mind. He went to the door. Head bowed to shield from the blinding light outside, he heard the familiar click-clack of a bolt-action rifle chambering a round. Upon opening the door, he was confronted, not by one of his men, but by the surreal and menacing sight of a polar bear with a gun.

This fleeting mirage was in fact Marius Jensen. As well as holding Ritter's rifle, he was wearing the standard kit of the Sledge Patrol, polar bear trousers.

Polar bear hair is hollow, buoyant and warm. More importantly, it is naturally water-repellent. So, if a patrolman were to fall through the ice, it wouldn't soak up water as fast as wool; potentially saving him from immediate hypothermia.

It was a sight that must have been at once terrifying and comforting. In many ways, the men had become friends, valuing the 'code of the arctic' above the laws of nations. Ritter must have realized that Jensen had 'come back for him,' as much to save him from certain death as he had to deliver him as a prisoner of war.

Present day Sirius Patrol crossing a frozen fjord.

A Mauser Karabiner 98k - note bolt action.

> Finally, late one morning, he heard dogs outside. For a moment, a deep breath of relief stilled his mind. He went to the door. Head bowed to shield from the blinding light outside, he heard the familiar click-clack of a bolt-action rifle chambering a round. Upon opening the door, he was confronted, not by one of his men, but by the surreal and menacing sight of a polar bear with a gun. This fleeting mirage was in fact Marius Jensen. As well as holding Ritter's rifle, he was wearing the standard kit of the Sledge Patrol, polar bear trousers.

The island of Greenland, showing its central ice sheet and a map of the North East, showing key locations in this story.

> Three weeks after setting out, with his dogs almost dropping in their harnesses, an utterly wearied Marius Jensen pulled in to the Allied-controlled station at Scoresby Sund. Even more drained and spent was Lt. Hermann Ritter. Jensen handed over his captive to the U.S. authorities. It was a bittersweet moment; both a release and a strange way to bid farewell to a comrade with whom he'd shared so much adversity. Ritter reportedly asked only for a bath and a long, undisturbed sleep; both requests were granted.

THE LONG MUSH TO ALLIED HQ

May 1, 1943

After only a single night's rest, Jensen loaded the sledge with all supplies then; with his captive at gunpoint, set out on the 300-mile (480 km) trek south to Allied HQ at Scoresby Sund, a journey that required astonishing physical and mental endurance.

Marius Jensen rode the runners of the sledge. Hermann Ritter, the walking prisoner, was obliged to keep up on skis. To prevent the sledge from being bogged down in soft snow, Ritter often had to break trail in front of the dogs, or push the heavy cargo from behind.

Sledges only work on compacted snow or ice, the trappers' trails, but if it veered into a drift at the side of a trail, it had to be bumped and levered to set it back on the trail. Manhandling a heavy sledge on harsh sliding terrain was strenuous, grinding labour.

The great enemy of effort in the arctic is sweat. When you sweat, moisture fills the warm air pockets created by the insulation of furs. As soon as you stop to rest, your body temperature drops, and that moisture freezes into a layer of ice against your skin, risking fatal hypothermia.

Polar travelers move with a deliberate, slow trudge, constantly monitoring their exertion to ensure that they don't break a sweat. If they feel themselves getting too warm, they vent their clothing (opening collars or cuffs) to let the heat escape before it turns into moisture.

Both men had oilskin anoraks that worked well for this. Their hoods were lined with wolverine fur, the only fur that doesn't hold frost from your breath; you can just brush the ice crystals away.

We don't know the exact route they took, but clearly, there were a lot of fjords to cross. For much of the year, these are frozen safely solid, but in May, when they were travelling, it was beginning to become treacherous. A layer of ice might look two feet thick and perfectly white, but could be honeycombed with internal melt-channels. This is known as rotten ice.

Marius needed all his skill to navigate the best route; to keep the journey as short as possible, but also to avoid rotten ice, and in addition, to take advantage of the trapper's huts on solid ground for overnight stops. Overnighting on the ice could only be done with a tent. A trapper's hut was typically no more than ten feet square and there was no separate room for a prisoner. Sleep was obviously essential, but could Jensen trust Ritter not to turn the tables once more?

These two rugged outdoorsmen had found a common bond, but the fact remained that their countries were at war, and Ritter was a prisoner of war on his way to be handed over to the enemy authorities. It was conceivable that Ritter could take the rifle, while Jensen slept and force him to turn back for the German base on Sabine Island.

At night, Jensen put the rifle's bolt in a bag tied to his body.

Despite this precaution, their mutual dependence on survival triumphed over any suspicions. Hermann Ritter was unlikely to kill the only man who knew how to navigate the dog team back to safety. He had done his duty, as he saw it, but was privately glad for a way out of a war he disapproved of.

For Jensen and Ritter, their world was an endless horizon of frozen white, primed only by the coruscating frost on their goggles, but there was another world outside their solitary existence, a world at war. There were still German troops at Hansa Bugt on Sabine Island, and they were still operating the radio station there.

SABINE ISLAND IN FLAMES

May 14, 15, 1943

Alerted to their presence there by Marius Jensen's initial discovery, the United States Army Air Forces (USAAF) launched a long-range bombing mission from their base in Iceland. A flight of bombers strafed the buildings and dropped bombs, leaving the station in flames.

ARRIVAL

May 22, 1943

Three weeks after setting out, with his dogs almost dropping in their harnesses, an utterly wearied Marius Jensen pulled in to the Allied-controlled station at Scoresby Sund. Even more drained and spent was Lt. Hermann Ritter.

Jensen handed over his captive to the U.S. authorities. It was a bittersweet moment; both a release and a strange way to bid farewell to a comrade with whom he'd shared so much adversity.

Ritter reportedly asked only for a bath and a long, undisturbed sleep; both requests were granted. At last, for him, the war was over.

He was taken to the United States, where he spent the rest of the war at Camp Clinton in Mississippi. He was well treated. For a man who had spent so much of his life in the frozen, desolation of the Arctic, the humid heat of Mississippi must have felt like another, and very strange, planet.

AFTER THE WAR

In 1945, Hermann Ritter returned to Austria, where he lived the remainder of his life with his wife. Although he avoided the limelight, he always spoke of Marius Jensen with profound admiration. He viewed him not as an enemy who defeated him, but as a fellow man of the ice who had saved his life by taking him prisoner. Hermann Ritter died in 1968 at the age of 76.

After the war, Marius Jensen remained in Greenland, working as a trapper for a few more seasons, but eventually returned to Denmark. He died there in 1991, at the age of 80. For his wartime services, he was awarded the US Legion of Merit Medal and the King Christian X Liberty Medal from his native Denmark.

LEGACY

The Greenland Sledge Patrol was disbanded at the end of the war, but re-established in 1950, under the dark clouds of the 'Cold War' with the Soviet Union. It continues to this day as an elite unit of the Danish Navy, though under a different name. They still use dog sledges (rather than snowmobiles) to patrol because dogs have greater 'mechanical' reliability and their early warning capabilities against polar bears are unmatched. Today, they are called the Sirius Sledge Patrol (Slædepatruljen Sirius), a nod to the common nickname of Sirius, 'The Dog Star.'

Frederik X, the current King of Denmark, served in the Sirius Patrol, when he was Crown Prince during the early 2000s. During that time, he once completed 2,200-mile trek through Northern Greenland.

However, perhaps, the greatest legacy of this story is that even when fate throws good people onto opposing sides, they need not hate.

In the end, the DUEL ON THE ICE was not between enemies, but between the harshness of the Arctic and the resilience of the human spirit. Both Ritter and Jensen, bound by duty and survival, proved that even in war, honour and respect are indispensable kindling for the warm fire of friendship.

Concluded.

rajeshsharma1049@gmail.com

Armband designating the Sledge Patrol as military personnel.

#ELIZAVETA GANNIBAL

A Black Woman in the Russian Imperial Lineage!

Elizaveta's brother, Osip Abramovich Gannibal, plays a crucial role in literary history. Osip became the grandfather of Alexander Pushkin

In the early modern period, the Russian Empire witnessed an unusual and fascinating intersection of cultures through the life of Abram Petrovich Gannibal. Believed to have been born in Africa, possibly in present-day Eritrea or Cameroon, he was taken as a child and eventually brought to Russia, where his life would take an extraordinary turn under the patronage of Peter the Great.

Abram Gannibal: From Enslavement to Nobility

Gannibal's early life was marked by displacement. As a young boy, he was taken from Africa and transported through the Ottoman Empire before being presented to Peter the Great. Rather than remaining a servant, he became the tsar's godson and received an elite education in Europe, particularly in France, where he studied engineering and military science.

Rising through the ranks, Gannibal became a respected military engineer and nobleman in Russia. His life symbolized both the possibilities and contradictions of empire, an African-born man who attained status within one of Europe's most powerful courts.

Elizaveta Abramovna Gannibal: A Daughter of Two Worlds

Among Gannibal's children was Elizaveta Abramovna Gannibal, a woman of African and Russian heritage who became part of the extended Russian noble society. Through her father's status, she was connected, socially and culturally, to the Russian imperial world.

Her life reflects the blending of identities: African ancestry, Russian aristocratic upbringing, and participation in a society that was both inclusive in elite circles and yet structured by rigid hierarchies. While not as widely documented as her male relatives, Elizaveta represents the presence of Black women within European aristocratic spaces, an often overlooked aspect of history.

Her Brother Osip and the Line to Pushkin

Elizaveta's brother, Osip Abramovich Gannibal, plays a crucial role in literary history. Osip became the grandfather of Alexander Pushkin, widely regarded as the founder of modern Russian literature. Pushkin was deeply aware of his African ancestry and took pride in it. This heritage influenced his identity and creative work, setting him apart in Russian society.

Pushkin and The Moor of Peter the Great

Pushkin's unfinished historical novel, *The Moor of Peter the Great*, is inspired by the life of his great-grandfather Abram Gannibal. The work explores themes of identity, race, assimilation, and loyalty within the context of Peter the Great's reforms. In the novel, Pushkin reimagines Gannibal's journey, from Africa to the Russian court, highlighting both the opportunities he received and the cultural tensions he navigated. It stands as one of the earliest literary explorations of a Black figure in European aristocratic society.

A Legacy of Cultural Intersection

The Gannibal family story is not just about one man's rise but about generations shaped by that transformation:

- Abram Gannibal, the African-born nobleman who entered the Russian elite.
- His daughter Elizaveta, representing Black female presence in aristocratic Russia.
- His son Osip, linking the family to literary history.
- And his great-grandson Pushkin, whose work immortalized this heritage.

Together, they form a narrative that challenges conventional ideas about race and identity in early modern Europe.

THE WALL

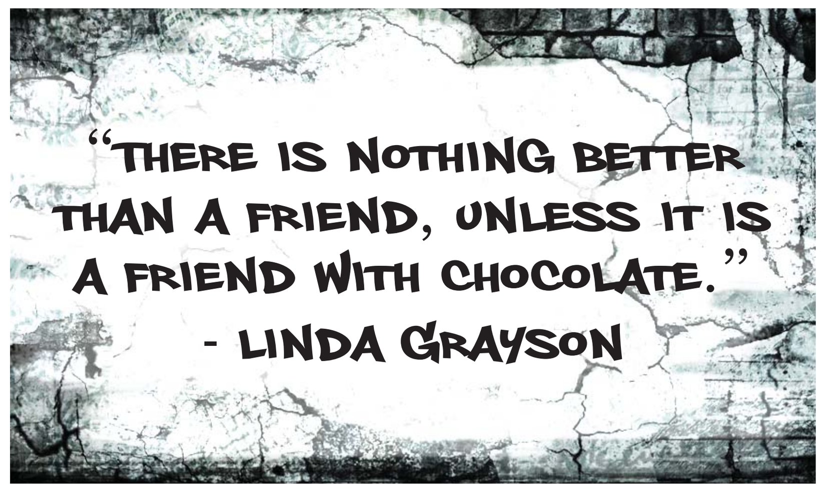

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

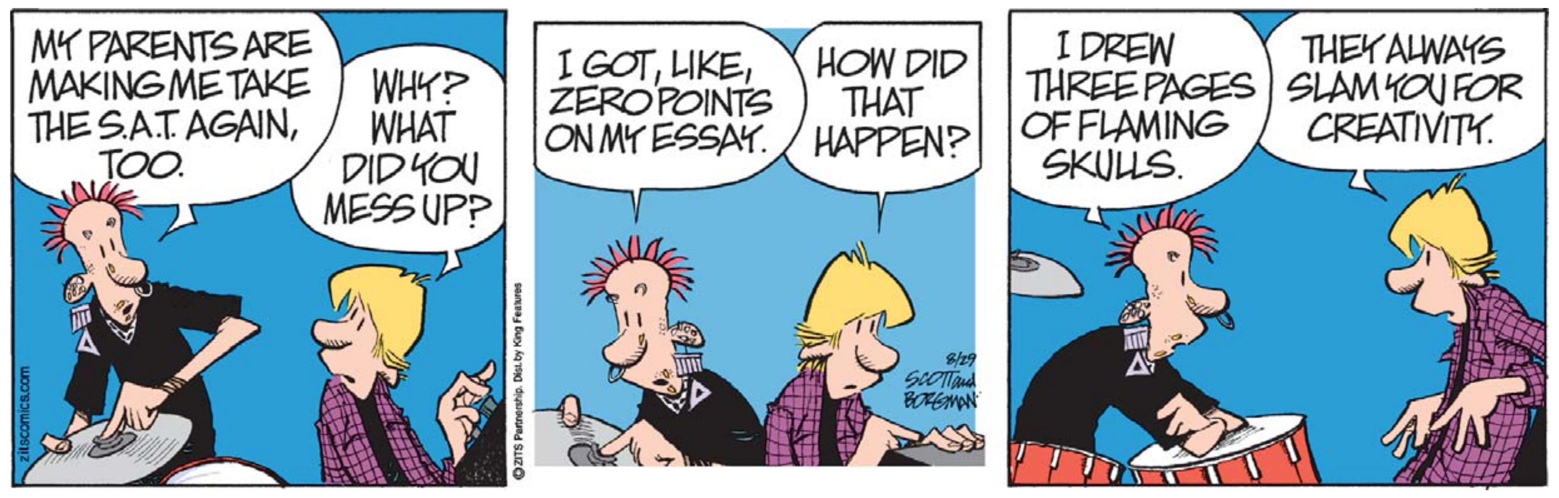

मसूदा के ग्राम देवमंगरी के डाबली गोडा में शिकारी के फंदे में फंसी मादा पैंथर

सुबह पशुओं को चराने पहुंचे ग्रामीणों ने पैंथर को फंदे में फंसा देखा

मसूदा, (कासं)। मसूदा पंचायत समिति के ग्राम देवमंगरी क्षेत्र के डाबली गोडा में बेरी के समीप उस समय हड़कंप मच गया, जब पानी पीने के दौरान एक मादा पैंथर शिकारियों द्वारा लगाए गए फंदे में फंस गई। सुबह पशुओं को चराने पहुंचे ग्रामीणों ने पैंथर को फंदे में फंसा देखा तो वे घबरा गए। इसके बाद ग्रामीणों ने तत्काल वन विभाग को सूचना दी। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। पैंथर को सुरक्षित रेस्क्यू करने के लिए राजसमंद से वन विभाग की विशेष टीम बुलाई गई। मौके पर पहुंची टीम ने सावधानीपूर्वक पैंथर को ट्रैक्यूलाइज किया और उसे काबू में लिया। इसके बाद पैंथर को सुरक्षित तरीके से पिंजरे में डालकर राजसमंद के टाटगढ़ क्षेत्र में छोड़ दिया गया।

राजसमंद से पहुंची वन विभाग की विशेष टीम ने सावधानीपूर्वक पैंथर को पकड़ा।

■ वन विभाग की टीम ने पैंथर को सुरक्षित तरीके से पिंजरे में डालकर राजसमंद के टाटगढ़ क्षेत्र में छोड़ दिया

घटना के बाद वन विभाग की टीम ने मौके पर लगाए गए फंदे की जांच शुरू कर दी है। विभाग यह पता लगाने में जुटा है कि फंदा किसने लगाया और इसके पीछे किसका हाथ है। वन्यजीवों के शिकार के लिए इस प्रकार फंदे लगाए जाना गंभीर मामला है, जिससे वन्यजीवों की सुरक्षा पर खतरा बना रहता है। समय रहते ग्रामीणों की सूचना मिलने और वन विभाग की टीम की त्वरित कार्रवाई से मादा पैंथर को सुरक्षित बचा लिया गया। घटना के बाद क्षेत्र में वन्यजीवों की सुरक्षा को लेकर चर्चा शुरू हो गई है।

रेस्क्यू अभियान के दौरान मसूदा रेंजर जगदेव इंचार्ज सतेंद्र सिंह तथा बीट कर्मचारी सेठाराम सहित वन विभाग के अन्य कार्मिक मौजूद रहे। टीम ने आवश्यक सावधानियां बरतते हुए रेस्क्यू अभियान पूरा किया। वन विभाग की ओर से मौके पर मिले फंदे की जांच की जा रही है, ताकि उसे लगाने वाले व्यक्ति की पहचान कर नियमानुसार कार्रवाई की जा सके।

मसूदा क्षेत्र के ग्राम शेरगढ़ में फिर दिखे दो पैंथर

बंद पड़ी माइंस के मलबे में पैंथरों के बसेरे की आशंका जताई

मसूदा, (कासं)। मसूदा पंचायत समिति क्षेत्र की ग्राम पंचायत शेरगढ़ में बीती रात एक बार फिर दो पैंथर दिखाई देने से ग्रामीणों में चिंता बढ़ गई। पैंथरों की मौजूदगी की सूचना मिलने पर प्रशासन और वन विभाग सक्रिय हो गए। मौके पर पहुंचीं मसूदा उपखंड अधिकारी दीपशिखा कालवी ने वन विभाग के अधिकारियों को पैंथरों को पकड़ने के लिए पिंजरा लगाने और क्षेत्र में लगातार निगरानी रखने के निर्देश दिए। मौके पर पैंथरों के पदचिह्न भी मिले, जिनका वन विभाग की टीम ने निरीक्षण किया। दो पैंथरों की मौजूदगी सामने आने के बाद ग्रामीणों में भय का माहौल है। ग्रामीणों का कहना है कि गांव के आसपास पैंथरों का विचरण पहले भी दिखाई देता रहा है।

■ ग्रामीणों ने वन विभाग से पैंथरों को सुरक्षित तरीके से पकड़ने के लिए प्रभावी कदम उठाने की मांग की है

ग्रामीणों के अनुसार, गांव के समीप स्थित बंद पड़ी माइंस में जमा मलबे के बीच पिछले कई वर्षों से पैंथरों के बसेरा होने की आशंका बनी हुई है।

आसपास के क्षेत्र में पैंथरों की गतिविधियां दिखाई देने से लोगों की चिंता बढ़ गई है। खासकर रात के समय ग्रामीणों को किसी अप्रिय घटना की आशंका सता रही है। ग्रामीणों ने वन विभाग से क्षेत्र में नियमित गश्त करने, पैंथरों की गतिविधियों पर नजर रखने और उन्हें सुरक्षित तरीके से पकड़ने के लिए प्रभावी कदम उठाने की मांग की है।

उनका कहना है कि समय रहते उचित कार्रवाई होने से संभावित जनहानि और अन्य अप्रिय घटनाओं को रोका जा सकता है। मौके पर मसूदा थानाधिकारी विजय सिंह मीणा, उपखंड अधिकारी दीपशिखा कालवी तथा वन विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

28 साल से कार्यरत अस्थायी कर्मचारी को हाईकोर्ट से राहत

■ जेएनवीयू द्वारा अस्थायी कर्मचारी मुकेश गहलोत के नियमितीकरण संबंधी एकलपीठ के आदेश को चुनौती देने वाली विशेष अपील रिट याचिका खारिज

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट की जोधपुर खंडपीठ ने जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय (जेएनवीयू) द्वारा अस्थायी कर्मचारी मुकेश गहलोत के नियमितीकरण संबंधी एकलपीठ के आदेश को चुनौती देने वाली विशेष अपील रिट याचिका खारिज कर दी। इस फैसले से पिछले 28 वर्षों से विश्वविद्यालय में कार्यरत मुकेश गहलोत को राहत मिली है। साथ ही, उनके नियमितीकरण और सेवा सुरक्षा के संबंध में एकलपीठ द्वारा दिए गए आदेश प्रभावी बने हुए हैं।

मामले के अनुसार, मुकेश गहलोत ने जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय में अपनी सेवाओं को लेकर राजस्थान हाईकोर्ट में रिट याचिका दायर की थी। इस पर न्यायाधीश डॉ. पुष्पेंद्र सिंह भाटी ने 16 नवंबर 2023 को फैसला सुनाते हुए कहा था कि प्रार्थी पिछले 25 वर्षों से विश्वविद्यालय में अस्थायी कर्मचारी के रूप में कार्यरत हैं। एकलपीठ ने उन्हें नियमित करने के आदेश दिए थे। साथ ही, उनकी सेवाएं समाप्त नहीं करने और उन्हें नौकरी से नहीं हटाने के संबंध में भी निर्देश दिए थे। इस मामले में मुकेश गहलोत की ओर से अधिवक्ता निखिल भंडारी ने पैरवी की थी। एकलपीठ के फैसले को चुनौती देते हुए जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय ने हाईकोर्ट की खंडपीठ में विशेष अपील रिट याचिका दायर की थी। विश्वविद्यालय ने एकलपीठ के आदेश को निरस्त करने की मांग की थी। खंडपीठ में सुनवाई के दौरान मुकेश गहलोत की ओर से अधिवक्ता निखिल भंडारी ने तर्क दिया कि विश्वविद्यालय से जुड़े ललित गहलोत प्रकरण में सर्वोच्च न्यायालय ने 20 अगस्त 2026 को विश्वविद्यालय की विशेष अनुमति याचिका खारिज कर दी थी। ऐसे में वर्तमान मामले में विश्वविद्यालय की विशेष अपील पर सुनवाई जारी रखने का औचित्य नहीं रह जाता। इन तर्कों से सहमत होते हुए राजस्थान हाईकोर्ट की खंडपीठ के न्यायाधीश विनीत कुमार माथुर और न्यायाधीश चंद्रशेखर शर्मा ने विश्वविद्यालय की विशेष अपील रिट याचिका खारिज कर दी। इस निर्णय से मुकेश गहलोत को राहत मिली है तथा उनके नियमितीकरण और सेवा सुरक्षा को लेकर एकलपीठ के आदेश बरकरार रहे हैं।

चलते कंटेनर में आग लगी

टोंक, (निसं)। सदर थाना स्थित बनास नदी पुल पर एक कंटेनर में लगी भीषण आग लग गई, जिसके बाद क्षैत्र में अफरा-तफरी मच गई। जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची तथा दमकल को बुलाकर आग पर काबू पाया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार आग लगने का करण टायर फटना बताया गया है। पुलिस ने बताया कि शुक्रवार को बनास नदी के पुल पर एक कंटेनर में अचानक भीषण आग लगने के बाद उसमें आग की ऊंची लपटों को देखकर राहगीरों ने तत्काल सदर थाना पुलिस एवं बरौनी थाना पुलिस को सूचना दी। जिसके बाद मौके पर पुलिस थाना टीम पहुंची तथा स्थिति को संभालते हुए सुरक्षा के मद्देनजर यातायात रुकवा दिया। इसके बाद दमकल विभाग को सूचना देकर मौके पर दमकल वाहन बुलाया गया। दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद जलते हुए कंटेनर की आग पर काबू पाया।

सीकर क्षेत्र से दो सगी बहनें लापता, मामला दर्ज

सीकर, (निसं)। सीकर में दो सगी बहनों के लापता होने का मामला सामने आया है। एक की उम्र 25 साल और दूसरी की 22 साल है। घर से हॉस्पिटल जाने की कहकर निकली थी। अब उनका मोबाइल भी स्विच ऑफ है। घर के मोबाइल में एक अनजान नंबरों से कई बार बातचीत करना सामने आया है। फिलहाल पुलिस दोनों की तलाश कर रही है।

दोनों युवतियों के चचेरे भाई ने पुलिस में शिकायत देकर बताया कि 28 अक्टूबर की दोपहर करीब 12 बजे दोनों चचेरी बहन घर से अस्पताल में दिखाने के लिए गई थी। 3 बजे उन्हें कॉल किया तो उन्होंने 15 मिनट में आने की बात कही। 4 बजे तक भी वह वापस नहीं लौटी। जब उन्हें दोबारा कॉल किया गया तो नंबर भी लगातार स्विच ऑफ आ रहा था। ऐसे में परिवार ने गांव और

■ घर से हॉस्पिटल जाने की कहकर निकली थी दोनों बहनें

आस-पड़ोस में काफी तलाश की, लेकिन कुछ पता नहीं चल पाया। घर के एक मोबाइल में एक अनजान नंबरों से कई बार कॉल करना सामने आया है। फिलहाल पुलिस दोनों युवतियों की तलाश कर रही है। वहीं सीकर में एक 17 साल की नाबालिग लड़की से छेड़छाड़ का मामला भी सामने आया है। इस संबंध में उसके पिता ने पुलिस में शिकायत देकर बताया कि गांव का ही रहने वाला आरोपी 28 अक्टूबर की रात करीब 7:30 बजे उनके घर पर आया, जिसने नाबालिग से छेड़छाड़ और मारपीट की। फिलहाल पुलिस इस मामले में भी जांच कर रही है।

श्रीगंगानगर में माकपा के जिला परिषद प्रत्याशी से दो करोड़ की फिरौती मांगी

श्रीगंगानगर, (निसं)। यहां माकपा के जिला परिषद प्रत्याशी से गैंगस्टर विशाल पचार के नाम से दो करोड़ की फिरौती मांगी गई है। प्रत्याशी ने पैसे नहीं होने की बात कही तो गैंगस्टर ने धमकाया कि मुझे पता है कि तेरे पास काफी पैसे हैं और तू चुनाव लड़ रहा है।

जानकारी के अनुसार गैंगस्टर ने माकपा प्रत्याशी से चुनाव छोड़ने की धमकी दी और ऐसा नहीं करने पर जान से मरवाने की बात कही। आरोपी वॉट्सएप कॉल पर प्रत्याशी को लगातार धमकियां दे रहा है। मामला सदर थाना

■ प्रत्याशी ने पैसे नहीं होने की बात कही तो गैंगस्टर ने धमकाया कि मुझे पता है कि तेरे पास काफी पैसे हैं और तू चुनाव लड़ रहा है

क्षेत्र का है। एसपी हरीशंकर ने बताया कि बेअंत सिंह उर्फ बिट्टू प्रधान निवासी 1 बी प्रथम, ग्राम पंचायत 4 जेड, मोहनपुरा रोड श्रीगंगानगर ने शिकायत दी है। उन्होंने बताया कि मैंने जिला परिषद सदस्य के लिए वार्ड 34 से नामांकन दाखिल किया है।

25 अक्टूबर की रात 8:47 बजे मेरे वॉट्सएप नंबर पर विदेशी नंबर से कॉल आया। कॉल करने वाले ने खुद को गैंगस्टर विशाल पचार बताया और 2 करोड़ रुपए की फिरौती मांगी। मैंने कहा कि मेरे पास पैसे नहीं हैं तो गैंगस्टर ने कहा कि तेरे पास काफी पैसे हैं और तू चुनाव लड़ रहा है। माकपा प्रत्याशी ने बताया कि गैंगस्टर ने मुझे चुनाव लड़ने से पीछे हटने की धमकी दी और ऐसा नहीं करने पर जान से मारने की बात कही। गैंगस्टर ने कहा कि मैं देखता हूं कि तू (बेअंत सिंह) कैसे चुनाव लड़ता है और तुझे तैयारी करके रहना चाहिए। गैंगस्टर ने आज सुबह भी फोन कर धमकाया। एसपी हरीशंकर ने बताया कि जिला परिषद प्रत्याशी की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज किया है और जांच की जा रही है। जिन नंबरों से प्रत्याशी के पास व्हॉट्सएप कॉल आया है, उसकी भी जांच की जा रही है।

सुप्रीम कोर्ट ने जासूसी मामले में जब्बाराराम की जमानत रद्द की

हाईकोर्ट के जमानत आदेश को कानून की दृष्टि से अनुचित माना, जब्बाराराम को दो सप्ताह में आत्मसमर्पण के निर्देश दिये

जैसलमेर, (निसं)। पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी के लिए जासूसी करने और भारतीय सेना से जुड़ी गोपनीय सूचनाएं पाकिस्तानी हैंडलर तक पहुंचाने के आरोप से जुड़े मामले में सुप्रीम कोर्ट ने आरोपी जब्बाराराम को दी गई नियमित जमानत रद्द कर दी है।

सुप्रीम कोर्ट में न्यायमूर्ति एम.एम. सुंदरेश और न्यायमूर्ति प्रसन्ना बी. वराले की पीठ ने राजस्थान हाईकोर्ट के 18 मई 2026 के जमानत आदेश को कानून की दृष्टि से अनुचित माना। पीठ ने आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम के प्रावधानों और जांच में सामने आए साक्ष्यों पर समुचित विचार नहीं किए जाने पर नाराजगी जताई।

■ जब्बाराराम पर पाक खुफिया एजेंसी के लिए जासूसी करने और भारतीय सेना से जुड़ी गोपनीय सूचनाएं पाकिस्तानी हैंडलर तक पहुंचाने का आरोप है

उल्लेखनीय है कि इंटेलिजेंस ने जब्बाराराम को 30 जनवरी को जयपुर में गिरफ्तार किया था। उस पर पाकिस्तानी हैंडलर को सैन्य गतिविधियों से जुड़ी गोपनीय जानकारियां उपलब्ध कराने का आरोप है। राजस्थान हाईकोर्ट से नियमित जमानत मिलने के बाद इंटेलिजेंस ने इस आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने जमानत निरस्त करते हुए आरोपी को दो सप्ताह के भीतर आत्मसमर्पण करने के निर्देश दिए हैं। निर्धारित अवधि में आत्मसमर्पण नहीं करने पर राज्य सरकार को उसे हिरासत में लेने की कार्रवाई करने के आदेश दिए गए हैं।

युवा मतदाताओं के शत-प्रतिशत पंजीकरण का लक्ष्य हासिल करने के निर्देश जारी

जयपुर। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार राजस्थान में 18-19 वर्ष आयु वर्ग के पात्र युवाओं एवं प्रथम बार मतदाताओं के मतदाता सूची में पंजीकरण के लिए विशेष अभियान पूर्व से संचालित किया जा रहा है। अभियान के तहत अब शत-प्रतिशत पंजीकरण का लक्ष्य हासिल करने के लिए आवश्यक निर्देश जारी किए गए हैं।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी, राजस्थान नवीन महाजन ने समस्त जिला निर्वाचन अधिकारियों एवं निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को अभियान को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए प्रत्येक पात्र युवा का चिन्हीकरण कर उसका मतदाता पंजीकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं, ताकि कोई भी पात्र युवा मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने से वंचित न रहे।

अभियान के अंतर्गत राज्य के समस्त सरकारी एवं निजी विद्यालयों, महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों तथा अन्य शैक्षिणक संस्थानों में अध्ययनरत पात्र युवाओं का संस्थानवार विवरण प्राप्त कर उनके मतदाता पंजीकरण की स्थिति का सत्यापन किया जाएगा। इसके लिए संबंधित शिक्षा अधिकारियों एवं शैक्षिणक संस्थानों से समन्वय स्थापित कर विद्यार्थियों की जन्मतिथि सहित सूची प्राप्त करने तथा पंजीकरण से वंचित पात्र युवाओं की पहचान करने के निर्देश दिए गए हैं। पंजीकरण से शेष पात्र विद्यार्थियों के आवेदन प्राप्त करने के लिए संबंधित विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में विशेष पंजीकरण शिविर आयोजित किए जाएंगे। उच्च शैक्षिणक संस्थानों में उपलब्ध अभिलेखों के आधार पर पात्र विद्यार्थियों का विवरण संकलित कर उनके पंजीकरण की कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। अभियान की प्रभावी निगरानी के लिए प्रत्येक शैक्षिणक संस्थान से पात्र युवाओं की कुल संख्या, मतदाता सूची में पंजीकृत युवाओं की संख्या, अठिाम पंजीकरण के लिए आवेदन करने वाले युवाओं की संख्या तथा पंजीकरण से शेष युवाओं का विवरण संकलित किया जाएगा। प्रत्येक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी संस्थानवार एवं विधानसभा क्षेत्रवार कार्ययोजना तैयार करेगा। इसमें पंजीकरण लक्ष्य, विशेष शिविरों का कार्यक्रम, उत्तरदायी अधिकारियों एवं कार्मिकों का विवरण तथा दैनिक प्रगति की समीक्षा एवं निगरानी की व्यवस्था शामिल होगी।

जिला निर्वाचन अधिकारियों को अभियान की नियमित समीक्षा करने, सभी संबंधित शैक्षिणक संस्थानों को इसमें शामिल करने तथा आगामी एक सप्ताह में निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

रिश्वत के दोषी को सजा सुनाई

कोटा, (निसं)। न्यायालय विशिष्ट न्यायाधीश सेशन न्यायालय भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम न्यायालय ने रिश्वत लेने के 16 साल पुराने मामले में पकड़े गये आरोपी विद्युत निगम के तत्कालीन कनिष्ठ अभियंता अनिल कुमार गुप्ता को दोषी मानते हुए 3 साल की सजा सुनाई, साथ ही 50 हजार के अर्थदंड से दंडित किया। सहायक निदेशक अभियोजन जया गौतम ने बताया कि परिवादी डॉक्टर ज्ञानचंद जैन ने 21 अप्रैल 2010 को एसीबी में शिकायत दी थी।

भीलवाड़ा के उपरमाल और बरड़ क्षेत्रों की खदानों में समय पर खनन शुरू

भीलवाड़ा के उपरमाल और बरड़ क्षेत्रों की खानों में बरसात का पानी नहीं भरने से खनन कार्य शुरु हुआ।

भीलवाड़ा, (निसं)। इस बार मानसून के दौरान औसत से कम बारिश होने का सीधा और सकारात्मक असर क्षेत्र की खनन गतिविधियों पर देखने को मिला है। उपरमाल और बरड़ क्षेत्र के आरोली, डाबी, सुतड़ा और आसपास के विभिन्न खनन क्षेत्रों में पर्याप्त वर्षा न होने के कारण खदानों में पानी जमा नहीं हो पाया। यही वजह है कि इस वर्ष खदानें समय से पहले ही गुलजार हो गई हैं और नवरात्रि के पावन पर्व से ही खनन कार्य सुचारू रूप से शुरू कर दिया गया है। सामान्य तौर पर बारिश के बाद खदानों में पानी भर जाने से खनन कार्य काफी समय तक प्रभावित रहता है, लेकिन इस बार हालात इसके विपरीत रहे हैं।

व्यापारियों और कारोबारियों को मिली राहत :- सुतड़ा क्षेत्र के जाने-माने पत्थर व्यवसायी एवं तिरुपति इंपैक्स के डायरेक्टर दीपक राठौर ने बताया कि इस वर्ष क्षेत्र में कम बारिश होने के कारण खदानों में जलभराव की समस्या नहीं आई। नतीजतन, खनन कार्य काफी पहले शुरू किया जा सका। उन्होंने कहा कि नवरात्रि से ही खनन गतिविधियां शुरू होने से क्षेत्र के पत्थर व्यवसाय ने एक नई गति पकड़ ली है, जिससे से जुड़े व्यापारियों को बड़ी आर्थिक राहत मिली है।

■ आरोली, डाबी, सुतड़ा और आसपास के विभिन्न खनन क्षेत्रों में पर्याप्त वर्षा न होने के कारण खदानों में पानी जमा नहीं हो पाया है

उपरमाल और बरड़ क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले सलावटिया, आरोली, डाबी, सुतड़ा, धनेश्वर और बुधपुरा सहित तमाम ग्रामीण इलाकों में खनन व्यवसाय ही स्थानीय अर्थव्यवस्था और रोजगार का मुख्य स्तंभ है। यहां संचालित खदानों और स्टोन कटिंग इंडस्ट्रीज से हजारों परिवारों की आजीविका जुड़ी हुई है। समय पर खनन कार्य शुरू होने से क्षेत्र के मजदूरों, भारी वाहनों के चालकों, मशीन ऑपरेटरों और अन्य श्रमिकों के लिए रोजगार के रास्ते तुरंत खुल गए हैं।

इन क्षेत्रों से निकलने वाले उच्च गुणवत्ता वाले पत्थरों की मांग केवल देश के कई राज्यों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी इसकी धूम है। एशिया के साथ-साथ यूरोपीय देशों तक यहां के पत्थरों का निर्यात किया जाता है। खनन गतिविधियां समय पर शुरू होने से न केवल स्थानीय स्तर पर रोजगार को बढ़ावा मिला है, बल्कि देश के निर्यात कारोबार को भी मजबूती मिली है।

खंडहर में डकैती की योजना बनाते दस जने गिरफ्तार, दो बाल अपचारी निरूद्ध

कोटा, (निसं)। नान्ता पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए थाना इलाके में स्थित खंडर के कमरे में डकैती की योजना बनाते हुए 10 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। साथ ही दो नाबालिगों को विधि से संघर्षरत निरूद्ध किया है।

शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने बताया कि अपराध नियंत्रण एंब अपराधियों की धरपकड़ के लिये पुलिस द्वारा विशेष अभियान चलाया जा रहा है। शहर एसपी ने बताया कि नान्ता थानाधिकारी को मुखबिर से सूचना मिली कि कुछ असमाजिक तत्व के लोग यूनियन ऑफिस पत्थरमण्डी के पास खाली जगह पर बने एक खंडर कमरे से डकैती की वारदात को अंजाम देने की योजना बना रहे हैं। सूचना पर पुलिस उप अधीक्षक राजेश टेलर के सुपरविजन में नान्ता थानाधिकारी महावीर प्रसाद के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। टीम ने यूनियन ऑफिस

नान्ता पुलिस टीम ने डकैती की योजना बनाते हुए दस आरोपियों को दबोचा।

पत्थरमण्डी के पास खाली जगह पर बने एक खण्डर कमरे से डकैती की वारदात को अंजाम देने की योजना बनाते 10 आरोपियों को गिरफ्तार किया, साथ ही दो नाबालिगों को विधि से संघर्षरत निरूद्ध किया।

पुलिस टीम ने पकड़े गये आरोपियों के कब्जे से 3 लग्जरी चौपहिया वाहन एवं धारदार हथियार

■ तीन लग्जरी चौपहिया वाहन, धारदार हथियार, लोहे के पाईप व मिर्ची पाउडर बरामद

चाकू, लोहे के पाईप व मिर्ची पाउडर को जप्त किया है। पुलिस टीम ने रामपुरा कोतवाली निवासी गौरव मेहरा, थाना उद्योग नगर के अंसुभा भाना निवासी रोहित चामला, रामपुरा निवासी अनुराग, रामपुरा निवासी निखिर महाबर, राजपूत कॉलोनी ऊंसुभा चौराहा निवासी रोहित प्रजापति, उद्योग नगर निवासी आशिक, उद्योग नगर निवासी बिशाल नेहरा, उद्योग नगर निवासी प्रकाश सुमन, उद्योग नगर निवासी प्रिंस पाटन और महावीर नगर निवासी बबलू उर्फ कृपाशंकर को गिरफ्तार किया। पकड़े गये आरोपियों से अनुसंधान जारी है।

सिंघाना पंचायत समिति क्षेत्र की दो पंचायतों में मतदान के दौरान प्रत्याशियों के समर्थक भिड़े

ग्राम पंचायत मोई भारू में फर्जी मतदान के आरोपों को लेकर ग्रामीणों ने नाराजगी जताई

सिंघाना, (निसं)। सिंघाना पंचायत समिति क्षेत्र की 22 ग्राम पंचायतों में शुक्रवार को सरपंच पद के लिए मतदान संपन्न हुआ। लोकतंत्र के इस उत्सव में मतदाताओं ने उत्साह के साथ भाग लिया और अपने मताधिकार का प्रयोग किया। क्षेत्र में कुल 76.48 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। हालांकि, मतदान के दौरान कुछ स्थानों पर चुनावी सरगर्मी तनाव में बदल गई। भैसावता खुर्द और खानपुर ग्राम पंचायतों में सरपंच प्रत्याशियों के समर्थकों के बीच भिड़ंत और विवाद की घटनाएं सामने आई, वहीं मोई भारू में फर्जी मतदान के आरोपों को लेकर ग्रामीणों ने नाराजगी जताई। घटनाओं की सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित किया।

खानपुर ग्राम पंचायत में सरपंच प्रत्याशियों के समर्थकों के बीच विवाद हो गया।

■ भैसावता खुर्द में पत्थर लगने से युवक घायल, खानपुर में टेंट उखाड़ा, पुलिस मौके पर पहुंची

भैसावता खुर्द में पत्थर लगने से युवक घायल :- भैसावता खुर्द ग्राम पंचायत में सरपंच प्रत्याशियों के समर्थक आमने-सामने हो गए। दोनों पक्षों के बीच हुई भिड़ंत के दौरान भैसावता कलां निवासी सत्यवीर सिंह के सिर में पत्थर लगने से चोट आई। घटना के बाद मौके पर तनाव की स्थिति बन गई। सूचना मिलने पर पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची और हालात को संभालते हुए स्थिति को नियंत्रण में लिया।

खानपुर में समर्थकों के बीच तनातनी, टेंट उखाड़ा :- खानपुर ग्राम पंचायत में भी सरपंच प्रत्याशियों के समर्थकों के बीच विवाद हो गया। देखते ही देखते दोनों पक्षों के बीच तनातनी बढ़ गई। इस दौरान टेंट उखाड़ने की घटना भी सामने आई। घटनाक्रम के बाद क्षेत्र में तनाव का माहौल बन गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और हस्तक्षेप कर स्थिति को नियंत्रित किया।

ग्राम पंचायत मोई भारू में फर्जी मतदान के आरोप, ग्रामीणों ने जताया आक्रोश :- मोई भारू ग्राम पंचायत में फर्जी वोट डालने के आरोपों को लेकर ग्रामीणों में नाराजगी जताई। मतदान केंद्र पर इस मुद्दे को लेकर आक्रोश का माहौल देखने को मिला। ग्रामीणों ने मतदान प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए अपनी आपत्ति दर्ज कराई। हालांकि, फर्जी मतदान के आरोपों की पुष्टि के संबंध में कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई। मतदान के दौरान सामने आई घटनाओं की सूचना पर खेतड़ी नगर थानाधिकारी राकेश कुमार, सीआई सुगन सिंह और रिजर्व पुलिस जाब्ता मौके पर पहुंचा। पुलिस अधिकारियों ने घटनास्थलों का जायजा लेते हुए स्थिति को नियंत्रित करने के प्रयास किए। संवेदनशील स्थानों पर पुलिस की मौजूदगी बढ़ाकर शांति व्यवस्था बनाए रखने पर जोर दिया गया।

वहीं, रिटर्निंग अधिकारी बाबूलाल बिजारणियां ने भी मतदान केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मतदान के दौरान कुछ स्थानों पर विवाद और तनाव की घटनाओं के बावजूद प्रशासन एवं पुलिस ने मौके पर पहुंचकर हालात संभालने का प्रयास किया। कुल मिलाकर सिंघाना पंचायत समिति क्षेत्र में 76.48 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया।

सवाई माधोपुर में 25 हजार का इनामी स्मैक तस्कर गिरफ्तार

आरोपी को मादक पदार्थों की तस्करी का मुख्य संचालक बताया गया है

कुण्डेरा थाना पुलिस एवं जिला विशेष टीम ने स्मैक तस्कर जसराम को दबोचा।

सवाई माधोपुर, (निसं)। जिले में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी और खरीद-फरोख्त के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत कुण्डेरा थाना पुलिस एवं जिला विशेष टीम ने कार्रवाई करते हुए 25 हजार रुपए के इनामी स्मैक तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 13.34 ग्राम अवैध स्मैक बरामद की है।

पुलिस अधीक्षक ज्योेष्ठा मैत्रेयी के निर्देशानुसार तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नेहा अग्रवाल और वृत्ताधिकारी राजेन्द्र मीना के निकटतम सुपरविजन में शुक्रवार को यह कार्रवाई की गई। संयुक्त पुलिस टीम ने जिला मुख्यालय के टॉप-10 अपराधियों में शामिल और राज्य स्तर पर चिन्हित अवैध मादक पदार्थों के तस्कर जसराम उर्फ झब्बू मीना (34) निवासी उलियाना, थाना कुण्डेरा को उलियाना मोड़ से गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार आरोपी लंबे समय से फरार चल रहा था। जिला पुलिस अधीक्षक की ओर से उसकी गिरफ्तारी पर 25 हजार रुपए का इनाम घोषित किया गया था। आरोपी को मादक पदार्थों की तस्करी का मुख्य संचालक बताया गया है। वह सवाई माधोपुर के अलावा करौली, टोंक, कोटा सहित अन्य जिलों के मामलों में भी वांछित चल रहा था। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर अनुसंधान शुरू कर दिया है। पुलिस अब आरोपी से मादक पदार्थों की तस्करी के नेटवर्क और अन्य संलिप्त लोगों के संबंध में पूछताछ कर रही है।

बीकानेर की मूसेवाला ग्राम पंचायत में चुनाव के दौरान फर्जी वोट का आरोप

दो पक्षों के लोग भिड़े, एक पक्ष के मजीद ख़ान के सिर में चोट लगी

बीकानेर, (निसं)। बीकानेर में बज्जू खालसा की मूसेवाला ग्राम पंचायत में चुनाव के दौरान फर्जी वोट का आरोप लगाते हुए दो पक्ष आमने-सामने हो गए। इस दौरान दो पक्षों के लोग आपस में भिड़ गए। इससे एक पक्ष के मजीद ख़ान पुत्र गावर अली के सिर में चोट लगी, जिससे खून बहने लगा। इसके बाद भी दोनों पक्षों के बीच झगड़ा रुका नहीं बल्कि बढ़ता गया। बाद में आसपास तैनात पुलिसकर्मियों को मौके पर बुलाया गया। आरएसी के जवानों को भी तैनात किया गया है। फिलहाल क्षेत्र में शांतिपूर्ण स्थिति है।

■ दोनों पक्षों के बीच झगड़ा रुका नहीं बल्कि बढ़ता गया, आसपास तैनात पुलिसकर्मियों को मौके पर बुलाया गया

दोपहर तीन बजे तक हुए मतदान में भी बीठनोक सबसे आगे रहा। यहां अब तक 76 प्रतिशत मतदाता वोट कर चुके हैं, जबकि बीकानेर में सबसे कम 66.10 प्रतिशत मतदान हुआ है। बज्जू में 72.21 प्रतिशत, हदां में 74.79 प्रतिशत और कोलायत में 69.50 प्रतिशत मतदान हुआ। बीठनोक में अस्सी फीसदी से ज्यादा मतदान तय माना जा रहा है। बीकानेर की सभी ग्राम पंचायतों में चुनाव को लेकर भारी पुलिस बल तैनात किया गया। रुणिया पंचायत समिति के चुनाव में हुए विवाद के बाद सभी पुलिस अधिकारियों को अपने अपने क्षेत्र में लगातार गश्त पर रहने के साथ ही अतिरिक्त रिजर्व पुलिस दी गई है ताकि तुरंत मौके पर पहुंच सकें। किलचू देवड़ान में नापासर थानाधिकारी कविता पूनिया स्वयं बूथ पर तैनात रही।

भूरासर में फर्जी मतदान को लेकर हंगामा

बज्जू, (निसं)। पंचायत चुनाव के दूसरे चरण में आज सरपंच और वार्ड पंच के लिए मतदान हुआ। बज्जू खालसा पंचायत समिति की 37 ग्राम पंचायतों में वोट डाले गये। वहीं, बज्जू में फर्जी मतदान को लेकर संघर्ष का मामला सामने आया है। हालांकि पुलिस प्रशासन मुस्तैद है और स्थिति कंट्रोल में है। चारणवाला ग्राम पंचायत में सरपंच और वार्ड पंच के सभी पदों पर उम्मीदवार निर्विरोध चुने जा चुके हैं। मतदान केंद्रों पर सुबह से मतदाताओं की कतारें लगी हैं। सरपंच पद के उम्मीदवार और उनके समर्थक मतदाताओं से वोट देने की अपील की।

चलती ट्रेन में महिला यात्री ने शिशु को जन्म दिया, जच्चा-बच्चा स्वस्थ

कोटा, (निसं)। गाड़ी संख्या 12903 गोल्डन टेंपल मेल में यात्रा के दौरान एक महिला यात्री ने शिशु को जन्म दिया। नागदा-शामगढ़ रेलखंड के बीच हुए प्रसव के दौरान रेलवे के टीटीई ने तत्परता दिखाते हुए चिकित्सा सहायता की व्यवस्था कराई, साथ ही कोटा एवं गंगापुर सिटी स्टेशनों पर रेलवे चिकित्सकों ने समय पर चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराई गई जच्चा और बच्चा दोनों स्वस्थ हैं।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ जैन ने बताया कि 28 वर्षीय निशा देवी अपने पति रतन साहनी के साथ सूरत से मथुरा की यात्रा कर रही थीं, महिला का आरक्षण कोच बी-5 की सीट संख्या 31 पर था। यात्रा के दौरान प्रसव पीड़ा होने पर यात्रियों ने ड्यूटी पर तैनात टीटीई के.के. मीना एवं बलराम मीना से संपर्क कर सहायता मांगी। दोनों टीटीई ने तत्काल स्थिति को संभालते हुए संबंधित अधिकारियों को सूचना दी और चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक समन्वय किया। इसी दौरान नागदा-शामगढ़ रेलखंड के बीच महिला ने शिशु को जन्म दिया, सूचना मिलते ही कोटा रेलवे स्टेशन पर रेलवे चिकित्सकों की टीम तैयार रखी गई। ट्रेन के कोटा पहुंचने पर चिकित्सकों ने महिला एवं नवजात का प्राथमिक परीक्षण और उपचार किया, इसके बाद यात्रियों की सहमति से उन्हें आगे की यात्रा जारी रखने दी गई। यात्रा के दौरान महिला को पुनः स्वास्थ्य संबंधी परेशानी होने पर गंगापुर सिटी स्टेशन पर रेलवे चिकित्सा दल को सूचित किया गया। उपमंडल रेलवे चिकित्सालय के डॉ. असलम अंसारी एवं वरिष्ठ मंडल चिकित्सा अधिकारी डॉ. सत्यवीर डूडी एंबुलेंस सहित स्टेशन पहुंचे। चिकित्सकों ने प्रसूता और नवजात का प्राथमिक उपचार किया तथा बेहतर चिकित्सा देखभाल के लिए उन्हें एंबुलेंस से राजकीय अस्पताल पहुंचाया।

कीटनाशक पीने से युवक की मौत

सादुलपुर, (निसं)। सादुलपुर के हमीरवास बड़ा के एक युवक की कीटनाशक पदार्थ पीने से उपचार के दौरान मौत हो गई, जिसको लेकर हमीरवास थाने में मर्ग रिपोर्ट दर्ज करवाई गई है।

थानाधिकारी हमीरवास सतपाल विश्नोई ने बताया कि दर्ज रिपोर्ट के अनुसार बलवान सिंह पुत्र मनोहरलाल जांगिड़ निवासी हमीरवास बड़ा ने बताया कि उसका 35 वर्षीय पुत्र राजेश अपने परिवार सहित पिलानी में रहकर खेती बाड़ी का कार्य करता था। 29 अक्टूबर को सांय करीब 5 बजे उसके पुत्र राजेश ने गलती से कीटनाशक पदार्थ पी लिया। जिस पर राजेश को इलाज हेतु बिड़ला अस्पताल पिलानी लेकर गए जहां दौरान इलाज के दौरान पिलानी अस्पताल में राजेश की मौत हो गई। हमीरवास पुलिस के अनुसार, प्रार्थी ने बताया कि उसके पुत्र की मौत गलती से कीटनाशक पदार्थ पीने से ही हुई है। जिसकी लाश बिड़ला अस्पताल पिलानी की मोर्चरी रूम में रखी है। जहाँ से सांखू सीएचसी में मृतक का पोस्टमार्टम करवाकर शव उनके परिजनों को सौंप दिया। हमीरवास थाना पुलिस ने मर्ग दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सादुलपुर क्षेत्र में युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत, हत्या का आरोप

सादुलपुर, (निसं)। सिद्धमुख थाना क्षेत्र के गांव ढाणी बड़ी में एक 24 वर्षीय युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। मृतक के परिजनों ने गांव के ही पड़ोसी पिता-पुत्र सहित अन्य लोगों पर लाठी-डंडों से बेरहमी से मारपीट कर हत्या करने का आरोप लगाया है। घटना की सूचना मिलते ही थाना अधिकारी धर्मेंद्र सिंह पुलिस दल के साथ मौके पर पहुंचे। घायल अवस्था में युवक को अस्पताल में भर्ती करवाया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

■ परिजनों ने पड़ोसी पिता-पुत्र सहित कई लोगों पर मारपीट कर हत्या करने का आरोप लगाया, पुलिस ने मामले की जांच शुरू की

इस संबंध में थाना अधिकारी ने बताया कि मृतक के भाई विकास कुमार ने मामला दर्ज करवाकर बताया कि 29 और 30 अक्टूबर की मध्यरात्रि करीब पौने चार बजे उसके फूफा पवन कुमार का फोन आया। उन्होंने बताया कि उसके भाई सुनील के साथ गांव के भरतसिंह पुत्र भागाराम और भागाराम ने अपने घर पर बुलाकर मारपीट की है। गंभीर चोटें आने के कारण पुलिस उसे अस्पताल लेकर गई है। सूचना मिलने पर विकास कुमार सुबह करीब 7 बजे अपने गांव ढाणी बड़ी पहुंचा। दर्ज मामले में बताया कि उसकी दादी रेशमा ने बताया कि रात करीब 11 बजे वह और सुनील घर पर लेटे हुए बातचीत कर रहे थे। इसी दौरान किसी ने घर का गेट खटखटाया। सुनील ने गेट खोला तो बाहर गांव का पड़ोसी भरतसिंह खड़ा था।

भरतसिंह ने बताया कि सरपंची के चुनाव चल रहे हैं और वोट के सिलसिले में उसके पिता ने सुनील को बुलाया है। इसके बाद वह सुनील को अपने साथ ले गया, लेकिन सुबह तक सुनील घर वापस नहीं लौटा। इसके बाद परिजनों ने गांव में जानकारी जुटाई तो पता चला कि भरतसिंह और उसके पिता भागाराम ने कथित तौर पर अपने घर में सुनील के साथ लाठी-डंडों से मारपीट की थी। बाद में पुलिस की गाड़ी उसे अस्पताल लेकर गई थी। परिजनों ने अस्पताल पहुंचकर जानकारी ली तो सुनील की मौत होने की जानकारी मिली। उसका शव अस्पताल में रखवाया हुआ था।

दर्ज मामले विकास कुमार ने यह भी आरोप लगाया कि करीब एक वर्ष पहले भी भरतसिंह व अन्य लोगों ने उसके भाई को जान से मारने की धमकी दी थी, जिस संबंध में पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई गई विकास कुमार ने दर्ज मामले में महेंद्र धानक, मनोज पत्नी भरतसिंह धाणक, घोलू धाणक, बरकत सिंह धाणक, झिड़ाराम धाणक, भंवर सिंह पूनियां सहित 3-4 अन्य लोगों पर भी भरतसिंह और उसके पिता को उकसाकर हत्या करवाने का संदेह जताया है। मृतक के भाई ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच करवाने, नामजद व्यक्तियों की भूमिका की जांच करने तथा दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। पुलिस ने मृतक युवक का पोस्टमार्टम करवाकर शव उसके परिजनों को सौंप दिया है तथा मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

भूल से कीटनाशक का सेवन करने वाले युवक की मौत

जोधपुर, (कासं)। शहर के राजीव गांधी नगर थाना क्षेत्र में आए एक फार्म हाउस में कुछ दिन पहले युवक ने भूलवश कीटनाशक का पानी पी लिया। तबीयत बिगड़ने पर एमडीएम अस्पताल में भर्ती कराया गया, मगर उसकी बाद में मौत हो गई। इस बारे में मृतक के भाई की तरफ से मर्ग में रिपोर्ट दी गई। मामले में कोई शक जाहिर नहीं किया गया।

राजीव गांधी नगर थाना पुलिस ने बताया कि मूलतः मध्यप्रदेश के विजयपुर श्योपुर का रहने वाला 33 वर्षीय राजकुमार पुत्र रामजी कुशवाह यहां राजीव गांधी नगर में आए एक कृषि फार्म पर काम करता था। उसने 18 अक्टूबर को बागवानी करते हुए सुबह के समय कीटनाशक का पानी का सेवन कर लिया था, जिस पर तबीयत बिगड़ने पर उसे एमडीएम अस्पताल में भर्ती कराया गया, मगर अब उसकी मौत हो गई। उसके भाई अजमेर कुशवाह ने मर्ग में रिपोर्ट दी है। पुलिस ने शव को कार्रवाई उपरांत परिजन के सुपुर्द कर दिया।

अलवर में घर से निकली युवती चार दिन से लापता

अलवर, (निसं)। अलवर शहर के एक थाना क्षेत्र में घर से बाहर जाने की बात कहकर निकली 22 वर्षीय युवती चार दिन बाद भी वापस नहीं लौटी है। परिजनों ने उसकी काफी तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिलने पर पिता ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। पिता ने एक युवक पर बेटी को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले जाने का शक जताया है।

पुलिस को दी रिपोर्ट में युवती के पिता ने बताया कि उनकी बेटी 26 अक्टूबर को दोपहर करीब 2 बजे घर से बाहर जाने की बात कहकर निकली थी। काफी समय बीतने के बाद भी जब वह घर नहीं लौटी तो परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। आसपास के इलाकों में पूछताछ करने के साथ रिश्तेदारों और परिचितों से भी संपर्क किया, लेकिन युवती के बारे में कोई जानकारी नहीं मिल सकी। पिता ने अपनी रिपोर्ट में एक युवक पर बेटी को बहला-फुसलाकर ले जाने का शक जताया है। उन्होंने संबंधित युवक के मोबाइल नंबर भी पुलिस को उपलब्ध कराए हैं। परिजनों ने पुलिस से युवती का पता लगाकर उसे सुरक्षित बरामद करने की मांग की है। पुलिस ने पिता की रिपोर्ट के आधार पर मामला दर्ज कर युवती की तलाश शुरू कर दी है।

महिला ने घर में फंदा लगाकर खुदकुशी की

जोधपुर, (कासं)। शहर के राजीव गांधी नगर थाना क्षेत्र बालाजी नगर में रहने वाली एक महिला ने अपने घर में फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। उसकी शादी को छह साल हुए थे। पति गुजरात में है और कंस्ट्रक्शन का कार्य करता है। मृतका के पिता की तरफ से पुलिस में मर्ग की रिपोर्ट दी गई।

राजीव गांधी नगर पुलिस ने बताया कि बालेसर के भायला निवासी मांगीलाल पुत्र पुरखाराम जाट की तरफ से मर्ग में रिपोर्ट दी गई। इसमें बताया कि उसकी पुत्री 25 वर्षीय शोभा की शादी वर्ष 2020 में बालाजी नगर में रहने वाले किरपाराम के साथ की गई थी। शादी के बाद से उसके दो साल का बेटा भी है। पति किरपाराम गुजरात में कंस्ट्रक्शन के काम में लगा है। दो दिन पहले उसकी पुत्री शोभा ने घर में फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। परिजन को पता लगने पर अस्पताल लेकर गए, मगर डॉक्टर ने उसे मृत बता दिया। पुलिस ने बताया कि शव को कार्रवाई के बाद परिजन के सुपुर्द किया गया है। जांच एसडीएम की तरफ से की जा रही है।

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEEER
P.H.E.D CITY DIV. IV (NORTH) JAIPUR
Email:eenorth4.jai.phed@rajasthan.gov.in, Telephone No-0141-2988545

No.: E.E./CD4(N)/2026-27/2334-48 Dated: 21/10/26

Notice Inviting Bid

Bids for Procurement of 1. Annual Rate Contract for the work of transportation of water through Tankers in Bisalpur water supply Benefited areas (Low pressure areas) under the jurisdiction of City Division IV (North) Jaipur 2. Annual Rate Contract for the Work of Providing, laying, Jointing, Testing and Commissioning of DI/HDPE pipelines of various Dia on Rate contract with one years defect liability period under City Division-IV(North) Jaipur and 3. Annual Rate Contract for the Work of M.S. fabrication, Providing and fixing of MS Specials at various pump houses, pipe line network under City Division-IV(North) Jaipur NIT No 22-24/2026-27 is invited from interested bidders up to 06:00 PM 02.11.2026 Other particulars of the bid may be visited on the www.sppp.rajasthan.gov.in and www.eproc.rajasthan.gov.in of the state website UBN Code:
UBN Code: PHE2627WSRC06694, PHE2627WSRC06695 PHE2627WSRC06696

Executive Engineer,
PHED City Div.IV (North)
Vidhyadhar Nagar Jaipur

DIPR/C/18009/2026

वोट डालकर आ रहे लोगों की बैलगाड़ी को थार जीप ने टक्कर मारी

भीलवाड़ा, (निसं)। वोट डालकर खेत की तरफ लौट रहे एक ही परिवार के लोगों की बैलगाड़ी को एक थार जीप ने टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि बैलगाड़ी में सवार महिला सहित तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई और आसपास मौजूद ग्रामीणों ने तुरंत घायलों को संभाला।

■ बैलगाड़ी में सवार महिला सहित तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए

हादसे में घायल हुये लोगों को अस्पताल में भर्ती कर उपचार शुरु किया।

मिली जानकारी के अनुसार, अंटाली निवासी एक ही परिवार के तीन सदस्य मतदान करने के बाद अपनी बैलगाड़ी से खेत पर काम करने जा रहे थे। इसी दौरान शंभुगढ़ थाना क्षेत्र के अंटाली के पास तेज रफ्तार में आई एक थार जीप ने बैलगाड़ी को चपेट में ले लिया। हादसे में अंटाली निवासी गनिया देवी (25) पत्नी महेंद्र भील, घीसी देवी (60) पत्नी रामा भील और सीता देवी (55) पत्नी श्याम लाल भील गंभीर रूप से घायल हो गईं।

सूचना मिलने पर शंभुगढ़ थाना पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों की मदद से घायलों को प्राथमिक उपचार के लिए अंटाली स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। तीनों की हालत गंभीर होने के कारण प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उन्हें जिला अस्पताल (हायर सेंटर) के लिए रेफर कर दिया है। पुलिस ने थार जीप को जब्त कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

Rajasthan Medical Services Corporation Ltd.
(A Govt. of Rajasthan Undertaking), Gandhi Block, Swasthya Bhawan, Tilak Marg, Jaipur-302005, India Phone No: 0141-2228066, 2228064
Website: www.rmsc.health.rajasthan.gov.in, CIN : U24232RJ2011SGC035067, E-mail: edprmsc@rajasthan.gov.in

Ref. No. :- F.02 (452)/RMSCL/PROCUREMENT/DRUG/NIB-14/2026-27/5353 Dated :- 26/10/2026

Corrigendum

In reference to the NIB provided below, Corrigendum is issued for date extension in bid. All details may be seen on https://eproc.rajasthan.gov.in https://sppp.rajasthan.gov.in & https://www. rmsc.health.rajasthan.gov.in

Sr. No.	NIB No.	UBN No.	Tender ID on E-Proc	Existing Date			Amended Date		
				Last date and time of submission of online bids	Bid security, bid form fees, RISL fees and Empanelment fees deposited and submitted physically as per bid conditions	Date and time of opening of Online technical bids	Last date and time of submission of online bids	Bid security, bid form fees, RISL fees and Empanelment fees deposited and submitted physically as per bid conditions	Date and time of opening of Online technical bids
1	NIB 14/2026	MSC2627GLOB 00054	2026_RMSCL_601385_1	04.11.2026 up to 06:00 PM	04.11.2026 up to 06:00 PM	05.11.2026 at 11:00 A.M	12.11.2026 up to 06:00 PM	12.11.2026 up to 06:00 PM	13.11.2026 at 11:00 A.M
2	NIB 16/2026	MSC2627GLOB 00055	2026_RMSCL_601406_1	04.11.2026 up to 06:00 PM	04.11.2026 up to 06:00 PM	05.11.2026 at 11:00 A.M	12.11.2026 up to 06:00 PM	12.11.2026 up to 06:00 PM	13.11.2026 at 11:00 A.M
3	NIB 17/2026	MSC2627GLOB 00056	2026_RMSCL_601413_1	04.11.2026 up to 06:00 PM	04.11.2026 up to 06:00 PM	05.11.2026 at 11:00 A.M	12.11.2026 up to 06:00 PM	12.11.2026 up to 06:00 PM	13.11.2026 at 11:00 A.M
4	NIB 18/2026	MSC2627GLOB 00062	2026_RMSCL_602015_1	29.10.2026 up to 06:00 PM	29.11.2026 up to 06:00 PM	30.11.2026 at 11:00 A.M	12.11.2026 up to 06:00 PM	12.11.2026 up to 06:00 PM	13.11.2026 at 11:00 A.M
5	NIB 19/2026	MSC2627GLOB 00060	2026_RMSCL_601878_1	27.10.2026 up to 06:00 PM	27.10.2026 up to 06:00 PM	28.10.2026 at 11:00 A.M	12.11.2026 up to 06:00 PM	12.11.2026 up to 06:00 PM	13.11.2026 at 11:00 A.M
6	NIB 20/2026	MSC2627GLOB 00057	2026_RMSCL_601480_1	04.11.2026 up to 06:00 PM	04.11.2026 up to 06:00 PM	05.11.2026 at 11:00 A.M	12.11.2026 up to 06:00 PM	12.11.2026 up to 06:00 PM	13.11.2026 at 11:00 A.M
7	NIB 21/2026	MSC2627GLOB 00061	2026_RMSCL_601887_1	04.11.2026 up to 06:00 PM	04.11.2026 up to 06:00 PM	05.11.2026 at 11:00 A.M	12.11.2026 up to 06:00 PM	12.11.2026 up to 06:00 PM	13.11.2026 at 11:00 A.M
8	NIB 22/2026	MSC2627GLOB 00064	2026_RMSCL_602481_1	05.11.2026 up to 06:00 PM	05.11.2026 up to 06:00 PM	06.11.2026 at 11:00 A.M	12.11.2026 up to 06:00 PM	12.11.2026 up to 06:00 PM	13.11.2026 at 11:00 A.M

Raj.Samwad/C/26/12656

Director (Proc.)
RMSCL, Jaipur

आईएएस शिखर अग्रवाल पर एसीबी का शिकंजा

बाजार मूल्य से कम कीमत पर संपत्तियां खरीदने का मामला

- आरोप है कि उन्होंने गोयल फैशंस प्राइवेट लिमिटेड के निदेशकों से मिलीभगत कर कंपनी को रिसॉर्ट निर्माण की शर्तों में छूट, आवश्यक प्रमाण-पत्रों की जांच के बिना स्वीकृतियां और विशेष रियायती आर्थिक पैकेज दिलवाकर लाभ पहुंचाया।
- सरकार ने पद के दुरुपयोग के आरोपों की जांच की मंजूरी दी
- अनंता रिसॉर्ट में खुद व परिजनों के नाम खरीदे विला

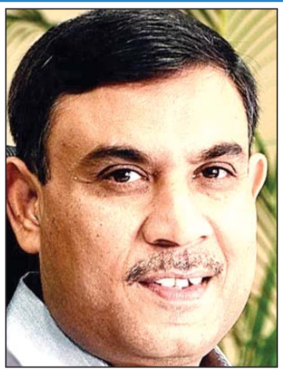

आईएएस शिखर अग्रवाल

जयपुर। राजस्थान कैडर के आईएएस अधिकारी शिखर अग्रवाल के खिलाफ पद का कथित दुरुपयोग कर निजी कंपनी गोयल फैशंस प्राइवेट लिमिटेड को अनुचित लाभ पहुंचाने और स्वयं व परिजनों के नाम पर संपत्तियां खरीदने के मामले में विस्तृत जांच होगी। राजस्थान सरकार ने भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 17-ए के तहत जांच एवं अनुसंधान के लिए पूर्वानुमोदन दे दिया है।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक गोविन्द गुप्ता ने बताया कि 27 अक्टूबर को उद्योग विभाग से मिली तथ्यात्मक रिपोर्ट और गोपनीय सूत्रों से प्राप्त जानकारियों के परीक्षण के बाद प्राथमिक जांच दर्ज की गई। इसमें प्रथम दृष्टया कई गंभीर तथ्य सामने आए हैं।

प्रारंभिक जांच के अनुसार शिखर अग्रवाल ने जिला कलेक्टर उदयपुर, राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल के अध्यक्ष और अतिरिक्त मुख्य सचिव उद्योग सहित विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर रहते हुए कथित तौर पर अपने पद और प्रभाव का दुरुपयोग किया। आरोप है कि उन्होंने गोयल फैशंस प्राइवेट लिमिटेड के निदेशकों से मिलीभगत कर कंपनी को रिसॉर्ट निर्माण की शर्तों में छूट, आवश्यक प्रमाण-पत्रों की जांच के बिना स्वीकृतियां और विशेष रियायती आर्थिक पैकेज दिलवाकर लाभ पहुंचाया।

जांच में उदयपुर के बुझड़ा स्थित अनंता रिसॉर्ट में अग्रवाल और उनकी पत्नी के नाम पर 10-10 विला खरीदने की जानकारी सामने आई है। प्रत्येक विला की कीमत करीब 15 लाख रुपए बताई गई है। वहीं अलवर जिले के अजबगढ़ स्थित अनंता रिसॉर्ट में आठ विला अग्रवाल और उनकी पत्नी के नाम पर, चार विला दोनों पुत्रों के नाम पर और चार विला सास-ससुर के नाम पर खरीदे जाने की जानकारी मिली है। इनकी कीमत 15 से 16.50 लाख रुपए प्रति विला बताई गई है। एसीबी के अनुसार संपत्तियां कथित तौर पर बाजार मूल्य से काफी कम कीमत पर खरीदी गईं।

एसीबी के अनुसार जांच में एक महत्वपूर्ण तथ्य यह भी सामने आया कि वित्त विभाग ने गोयल फैशंस प्राइवेट लिमिटेड को 27 मार्च 2026 को विशेष रियायती आर्थिक पैकेज जारी किया था। इसी दिन शिखर अग्रवाल की ओर से 20 विला की रजिस्ट्री करवाए जाने की जानकारी सामने आई है।

एसीबी को आशंका है कि निजी कंपनी को अनुचित लाभ पहुंचाने के साथ राज्य सरकार को आर्थिक नुकसान हुआ। इसके अलावा अग्रवाल और उनके परिजनों के नाम कथित आय से अधिक संपत्तियां अर्जित करने के पहलू की भी जांच की जाएगी।

अब इस मामले में शिखर अग्रवाल, गोयल फैशंस प्राइवेट लिमिटेड के निदेशकों और अन्य संबंधित व्यक्तियों की भूमिका की विस्तृत जांच होगी।

डॉ. संजीव शर्मा नेफ्रोलॉजी विभाग के विभागाध्यक्ष बने

जयपुर। सवाई मानसिंह चिकित्सा महाविद्यालय एवं संबद्ध चिकित्सालय, जयपुर में नेफ्रोलॉजी विभाग के विभागाध्यक्ष पद पर डॉ. संजीव कुमार शर्मा को नियुक्त किया गया है। इस संबंध में महाविद्यालय के प्रधानाचार्य एवं नियंत्रक डॉ. दीपक माहेश्वरी ने 29 अक्टूबर को कार्यालय आदेश जारी किए।

आदेश के अनुसार, पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ. विनय मल्होत्रा द्वारा स्वास्थ्य संबंधी कारणों से विभागाध्यक्ष पद का कार्यभार संभालने में अनिच्छा व्यक्त किए जाने के बाद यह निर्णय लिया गया। डॉ. संजीव कुमार शर्मा को आदेश जारी होने की तिथि से दो वर्ष अथवा अन्य महाविद्यालय में स्थानांतरण, त्यागपत्र या सेवानिवृत्ति (जो भी पहले हो) तक विभागाध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

ऑनर किलिंग के आरोपी पिता की फांसी की सजा रद्द

- बेटी और प्रेमी की हत्या के आरोपी पिता रामगोपाल को निचली कोर्ट से सुनाई फांसी की सजा का आदेश रद्द

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट की खंडपीठ ने 2019 में सीकर के चर्चित ऑनर किलिंग मामले में आरोप साबित नहीं होने और साक्ष्यों की कड़ी नहीं जुड़ने के चलते बेटी और प्रेमी की हत्या के आरोपी पिता रामगोपाल को निचली कोर्ट से सुनाई फांसी की सजा का 30 नवंबर 2024 का आदेश रद्द कर दिया। वहीं मामले में अन्य आरोपी परिजनों संदीप गुर्जर, नंदलाल, महेन्द्र कुमार चौधरी, मदनलाल चंडीवाल, बाबूलाल उर्फ हरनेक, बीरबल ढाका, सोहनलाल, महादेव एवं परसराम की भी उम्रकैद की सजा रद्द कर बरी कर दिया। जस्टिस महेन्द्र कुमार गोयल व जस्टिस भुवन गोयल की खंडपीठ ने यह आदेश आरोपियों की अपीलों को स्वीकार करते हुए दिया।

हाईकोर्ट ने कहा कि अभियोजन पक्ष परिस्थितिजन्य साक्ष्य की ऐसी पूरी अखंड श्रृंखला स्थापित नहीं कर सका है जिससे कि आरोपियों को मामले में दोषी ठहराया जा सके। ऐसे में हाईकोर्ट आरोपियों के संबंध में निचली कोर्ट के निष्कर्ष से सहमत नहीं है। अभियोजन आरोपियों के खिलाफ अपराध को साबित करने में फेल रहा है। ऐसे में निचली कोर्ट के आरोपियों को सुनाई गई सजा के आदेश को रद्द करना उचित होगा। आरोपियों की ओर से सीनियर एडवोकेट वीआर बाजवा, अधिवक्ता राजेश गोस्वामी व रजनीश गुप्ता सहित अन्य अधिवक्ताओं ने पैरवी की।

वैज्ञानिक ग्रंथ "वैदिक आख्यान विज्ञान" का विमोचन

हरिद्वार/जयपुर। सनातन परंपरा,संस्कृति और शास्त्रों की प्रामाणिकता के संरक्षण के लिए देशभर के संतों और विद्वानों ने एकजुट होकर बड़ा कदम उठाया है। पतंजलि विश्वविद्यालय हरिद्वार में आयोजित अखिल भारतीय प्राच्य विद्या महासम्मेलन के दूसरे दिन जगद्गुरु शंकराचार्यों,अखिल भारतीय संत समिति,अखाड़ों,विभिन्न गुरु-परंपराओं के संतों,राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, विश्व हिंदू परिषद सहित विभिन्न सनातनी संगठनों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में 'सनातन शास्त्र शुद्धि समिति' के गठन के प्रस्ताव पर सर्वसम्मति से सहमति बनी। सर्वसम्मति से सभी धर्माचार्यों द्वारा समिति के गठन का सुझाव दिया गया। इस पहल के तहत समिति के अंतर्गत एक विद्वत परिषद का गठन किया गया। परिषद में आचार्यों,शास्त्रों के जानकारों और विभिन्न विषयों के विद्वानों को शामिल किया जाएगा। सनातन शास्त्र शुद्धि समिति में सिख,जैन और बौद्ध परंपराओं का भी प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किया जाएगा। विद्वत परिषद सनातन परंपरा और शास्त्रों में समय-समय पर हुई कथित मिलावट, प्रक्षेपण एवं विकृतियों से जुड़े विषयों का अध्ययन कर अपनी रिपोर्ट संत-संन्यासी परिषद को सौंपेगी। परिषद की ओर से प्रस्तुत रिपोर्ट का परीक्षण सनातन शास्त्र शुद्धि समिति का मार्गदर्शक मंडल करेगा।

एनएचपीसी लिमिटेड

एन एच पी सी NHPC एक नवरत्न कंपनी

(भारत सरकार का एक नवरत्न उद्यम)
पंजी. कार्या.: एनएचपीसी कार्यालय परिसर, सेक्टर-33, फरीदाबाद-121003 (हरियाणा)
CIN No.-L40101HR1975GOI032564

Great Place To Work Certified

एनएचपीसी के साथ रोमांचक चुनौतियों को अपनाने के लिए आगे आएं...

एनएचपीसी लिमिटेड को अनुबंध के आधार पर "सलाहकार (सेफ्टी)" के रूप में सेवानिवृत्त अधिकारी की सेवाओं की आवश्यकता है

विज्ञापन सं.:-एनएच/टीए/04/2026

एनएचपीसी लिमिटेड भारत सरकार का एक नवरत्न उद्यम है। यह जलविद्युत विकास के लिए भारत का प्रमुख संगठन है, जिसके पास जलविद्युत परियोजनाओं की 'परिकल्पना से लेकर उसे चालू करने' तक की सभी गतिविधियों को पूरा करने की क्षमताएं हैं। एनएचपीसी ने सौर और पवन ऊर्जा के क्षेत्र में भी अपना विस्तार किया है। यह कंपनी 01.09.2009 से NSE और BSE पर सूचीबद्ध है और इसकी अधिकृत शेयर पूंजी 17,500 करोड़ रुपये है। कंपनी ने वित्त वर्ष 2025-26 में 3,618 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ अर्जित किया है। एनएचपीसी लिमिटेड की वर्तमान में 31 पावर स्टेशनों से 9582.90 मेगावाट की स्थापित क्षमता है।

एनएचपीसी को एक ऐसे सेवानिवृत्त अधिकारी की सेवाओं की सलाहकार (सेफ्टी) के रूप में आवश्यकता है, जो पावर सेक्टर/माइनिंग सेक्टर/इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स/सरकारी क्षेत्र/राज्य विभाग में सेफ्टी प्रबंधन में अनुभव के साथ वरिष्ठ प्रबंधन के स्तर पर अधिकारी के रूप में सेवानिवृत्त हुआ हो और जिसका पद महाप्रबंधक के स्तर से कम न हो (न्यूनतम E-8 या समकक्ष/वेतन मैट्रिक्स स्तर 14 से कम न हो)।

पूर्ण विवरण के लिए, कृपया एनएचपीसी की वेबसाइट www.nhpcindia.com के 'Career' अनुभाग पर जाएँ।

आवेदन की हार्डकोपी प्राप्त होने की अंतिम तिथि 23 नवंबर 2026 (05:00 सायं)

वेबसाइट: http://www.nhpcindia.com/career.htm देखें। आवेदन का केवल ऑनलाइन मोड स्वीकार्य है।

www.nhpcindia.com @nhpcltd @NHPCIndiaLimited nhpclimited @NHPCLimited1 NHPC Limited

CBC:34128/15/0005/2627

नाम परिवर्तन

मैंने अपना नाम नीतू सिंह से बदल कर नीतू सिंह गुर्जर पत्नी श्री देवेंद्र कुमार चेची, रख लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जावे। निवासी फ्लेट नं 201, गोविन्द रेजीडेन्सी, विधाधर नगर, मल्होत्रा नगर, अखैपुरा, जयपुर

I have changed my name from Abdul Ajij to Abdul Aziz S/o Abdul Jabbar.For all future purposes, Resident of: 9B, Madhav Das Colony, near the Gurudwara, Ramgarh Road, Jaipur.

I No 4210528N Nk Pawan kumar Yadav My Mother name is MANCHI DEVI has been wrongly recorded in the military records.while according to the Aadhaar card the correct name is NANCHI DEVI .Affidavit no is IN-AS73385294689454Y.

I have changed my name Jitendra Parnami to Jitender Parnami for all future and legal purpose. Address: 119/210, Agarwal Farm Mansarovar, Jaipur-302020

I have changed my anime from Vikash Chandak to Vikash Kumar Chandak for all purposes R/o G-1/302 Kamal Apartment-2 Opp. Jaipur Metals Banipark, Jaipur

सर्विसेज

"एवरकूल रेफ्रिजरेशन"- फ्रिज, वाशिंग मशीन, एयरकंडीशन, गीजर, माइक्रोवेव, टीवी, डीफ्रिज इत्यादि की सर्विसेज हेतु संपर्क करें- 9828559916, 22 गोदाम जयपुर

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेसनरी स्टोन (माइनर मिनरल) खनन परियोजना, एम.एल. नम्बर 161/2002, खसरा नंबर-241, लीज क्षेत्रफल-1.0 हेक्टेयर, कुल उत्पादन क्षमता 64,681 TPA (ROM)] निकट ग्राम-लखनपुर, तहसील-रूपवास, जिला-भरतपुर (राजस्थान) द्वारा मैसर्स श्री राम स्टोन क्रशर को पर्यावरणीय स्वीकृति SEIAA राजस्थान द्वारा EC पहचान सं. EC24CO108RJ5875622N दिनांक 05.10.2024 जारी कर दी गई है। उक्त स्वीकृति की प्रतिलिपि MOEF&CC के वेब पोर्टल https://parivesh.nic.in/ पर जन साधारण के अवलोकनार्थ उपलब्ध है।

भवदीय
श्री दिव्यांशु गर्ग

आम सूचना जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर
क्र.- जविप्रा/ उपा./ पीआरएन/2026/ डी-1950, दि.- 29-10-26

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि बलरामपुरा उर्फ खेजेडों का बास, तहसील सांगानेर, जयपुर खसरा नम्बर 98, 99, 100, 101, 102, 103, 104, 105, 106, 107, 108, 109, 110, 111, 112, 113, 114, 147, 150 एवं 15 के आंशिक /सम्पूर्ण भाग पर सृजित अम्बेश्वर गृह निर्माण सहकारी समिति लि. की आवासीय योजना गिर्राज नगर का नियमन शिविर पूर्व में किया जा चुका है। उक्त योजना के समीप ग्राम कल्याणपुरा, तहसील सांगानेर, जयपुर के खसरा नम्बर 3, 4 एवं 7 पर अम्बेश्वर गृह निर्माण सहकारी समिति लि. की आवासीय योजना गिर्राज नगर भूखण्ड संख्या 315 से 353 सृजित थे, जिसका रिकार्ड सहकारी समिति द्वारा प्रस्तुत नहीं किये जाने के कारण नियमन नहीं किया गया है। उक्त भूखण्डों का नियमन की कार्यवाही करने हेतु सहकारी समिति द्वारा रिकार्ड प्रस्तुत किया गया है। उपरोक्त खसरा नम्बरान् वर्तमान में जविप्रा जयपुर के नाम दर्ज है। अतः नगरीय विकास विभाग, राजस्थान सरकार, जयपुर के आदेश दिनांक 30.09.2014 20.10.2014 एवं 29.01.2020 के अनुसार खसरा नम्बर 3, 4 एवं 7 पर सृजित भूखण्ड संख्या 315 से 353 का नियमन किया जा रहा है। अतः नगरीय विकास विभाग, राजस्थान सरकार, जयपुर के आदेश दिनांक 30.09.2014 20.10.2014 एवं 29.01.2020 के अनुसार खसरा नम्बर 3, 4 एवं 7 पर सृजित भूखण्ड संख्या 315 से 353 का नियमन में यदि किसी खातेदार/ व्यक्ति/संस्था/ फर्म इत्यादि को कोई आपत्ति हो तो इस सूचना के अखबार में प्रकाशन होने की दिनांक से 7 दिवस में अधोहस्ताक्षर्ता को प्रस्तुत करें।
उपायुक्त,पीआरएन, जयपुर विकास प्राधिकरण,जयपुर।

नम्बर मिलाइए 8890333139

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

उत्तर पश्चिम रेलवे **आवश्यक सूचना**

सर्व संबंधित को सूचित किया जाता है, कि समपार फाटक संख्या-233 (कनकपुरा-धानक्या के मध्य) जो कि जयपुर फुलेरा सैक्शन के मध्य स्थित है को दिनांक 31.10.2026, सुबह 08.00 बजे से 01.11.26 शाम 18:00 बजे तक पूर्णरूप से बन्द रहेगा। असुविधा के लिए खेद है। सड़क यातायात समपार फाटक संख्या 232 व 234 से निकाला जायेगा।

हमें /NWRailways पर फॉलो करें 1574-AM/26

टीन मिस राजस्थान के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू

जयपुर। राजस्थान की किशोरियों को अपनी प्रतिभा, आत्मविश्वास और व्यक्तित्व निखारने के साथ राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के उद्देश्य से राज्य की पहली किशोरियों की राज्य स्तरीय प्रतियोगिता 'टीन मिस राजस्थान' के लिए पंजीकरण शुरू हो गए हैं। इसमें 13 से 19 वर्ष तक की किशोरियां भाग ले सकेंगी। प्रतियोगिता के लिए 15 नवंबर को जयपुर में ऑडिशन होंगे।

कार्यालय उप आवासन आयुक्त वृत-प्रथम राजस्थान आवासन मण्डल, प्रताप नगर, जयपुर
क्रमांक:4526 जाहिर आम-सूचना दिनांक:29.10.2026

राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर योजना में आवास/ फ्लैट संख्या 191/269 (LIG) का आवंटन श्री राजेश कुमार रावत पुत्र श्री हरि बाबू रावत को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 4538 दिनांक 30.11.2004 को जारी किया गया था। इनके पक्ष में पंजीयन प्रपत्रों का निष्पादन दिनांक 17.06.2013 को उप पंजीयक सांगानेर-प्रथम में पंजीकृत करवाया गया। श्री राजेश कुमार रावत द्वारा श्री राकेश कुमार गुप्ता पुत्र श्री गजानन्द गुप्ता को दिनांक 17.06.2013 को मुख्त्यारनामा आम धारक नियुक्त किया गया। श्री राकेश कुमार गुप्ता द्वारा मुख्त्यारआम की हैसियत से उक्त आवास का विक्रय पत्र श्रीमती प्रीतीश्वरी शर्मा पत्नी श्री प्रवेश कुमार शर्मा को विक्रय कर इनके पक्ष में विक्रय पत्र दिनांक 11.09.2014 को उप पंजीयक सांगानेर- प्रथम जयपुर में पंजीकृत करवाया गया। क्रेता/क्रेती श्रीमती प्रीतीश्वरी शर्मा पत्नी श्री प्रवेश कुमार शर्मा द्वारा आवासन मण्डल में उक्त आवास पर अपना नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कराने बाबत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण बाबत किसी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ती हो तो अधोहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय में 7 दिवस में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकॉर्ड में नाम दर्ज करने में किसी को कोई आपत्ति नही है, श्रीमती प्रीतीश्वरी शर्मा पत्नी श्री प्रवेश कुमार शर्मा का नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कर दिया जावेगा। भवदीय,
सम्पदा प्रबन्धक वृत-प्रथम, राज. आवा. मण्डल, जयपुर

आम सूचना सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्री हेमन्त सिंह राजावत पुत्र चेतन सिंह राजावत, जाति राजपूत, निवासी 20 बी, चंद्रनगर, गुर्जर घाटी, आमेर रोड, जयपुर-302002 (राज.) एक अचल सम्पत्ति आवासीय फ्लेट नम्बर 102, फर्स्ट फ्लोर, आदर्श रेजीडेन्सी, प्लाट नम्बर 31, सिन्धी कॉलोनी, आदर्श नगर जयपुर (राज.) जिसका कुल निर्मित क्षेत्रफल 875.00 वर्गफिट है जो कि बिना हकछत परन्तु सम्पूर्ण भूमि में अविभाजित समानुपातिक हिस्से एवं सुखाधिकारों तथा कॉमन सुविधाओं सहित स्थित है। जिसे सर्वप्रथम श्रीमती वर्षा खटवानी पत्नी श्री परमानन्द खटवानी एवं श्री परमानन्द खटवानी पुत्र स्व. श्री टीकम दास खटवानी ने जरिए विक्रय पत्र दिनांकित 24.06.2015 के माध्यम से श्रीमती कलावती पत्नी श्री हरीश कुमार एवं श्री हरीश कुमार पुत्र श्री कन्हैयालाल से खरीद किया था उक्त विक्रय पत्र का पंजीयन दिनांक 24.06.2015 को कार्यालय उप पंजीयक जयपुर प्रथम के यहां क्रम संख्या 201503015106668 पर पंजीबद्ध किया हुआ है तत्पश्चात् श्रीमती वर्षा खटवानी पत्नी श्री परमानन्द खटवानी का निर्वसीयत दिनांक 08.04.2019 को स्वर्गवास हो गया। उनके हिन्दू उत्तराधिकार अधिकार अधिनियम के तहत प्रथम श्रेणी के वारिसान में श्री परमानन्द खटवानी (पति), श्रीमती शिप्रा खटवानी पत्नी श्री अनंत माधवानी पुत्री श्री परमानन्द खटवानी (पुत्री) एवं श्री राहुल खटवानी पुत्र श्री परमानन्द खटवानी (पुत्र) अर्थात उक्त तीन वारिसान हुए इनके अतिरिक्त अन्य कोई विधिक उत्तराधिकारी एवं वारिसान नहीं था जिसके कारण श्रीमती वर्षा खटवानी पत्नी श्री परमानन्द खटवानी की उक्त अचल सम्पत्ति सम्पत्ति में 1/2 अविभाजित हिस्से के उक्त तीनो मालिक स्वामी काबिज एवं अधिकारी हुए तत्पश्चात श्री परमानन्द खटवानी, श्रीमती शिप्रा खटवानी पत्नी श्री अनंत माधवानी पुत्री श्री परमानन्द खटवानी ने उक्त अचल सम्पत्ति में श्रीमती वर्षा खटवानी पत्नी श्री परमानन्द खटवानी के 1/2 अविभाजित हिस्से में से प्राप्त अपना अपना 1/3-1/3 अविभाजित हिस्सा श्री राहुल खटवानी पुत्र श्री परमानन्द खटवानी के पक्ष में हकत्याग करते हुए एक हकत्याग पत्र दिनांकित 01.05.2024 निष्पादित कर दिया उक्त हकत्याग पत्र का पंजीयन कार्यालय उप पंजीयक जयपुर प्रथम के यहां दिनांक 01.05.2024 को क्रम संख्या 202403015106908 पर पंजीबद्ध किया गया है जिसमें मानवित्र में त्रुटि होने के कारण संशोधन पत्र दिनांकित 23.07.2024 निष्पादित करते हुए श्री परमानन्द खटवानी, श्रीमती शिप्रा खटवानी पत्नी श्री अनंत माधवानी पुत्री श्री परमानन्द खटवानी ने उसे कार्यालय उप पंजीयक जयपुर प्रथम के समक्ष प्रस्तुत कर पंजीबद्ध करवा दिया जिसका पंजीयन दिनांक 23.07.2024 को क्रम संख्या 202403015111046 पर किया गया। इस प्रकार उक्त अचल सम्पत्ति के 1/2 अविभाजित हिस्से के मालिक स्वामी काबिज एवं अधिकारी श्री राहुल खटवानी पुत्र श्री परमानन्द खटवानी हुए। तत्पश्चात उक्त अचल सम्पत्ति सम्पूर्ण को श्री परमानन्द खटवानी पुत्र स्व. श्री टीकम दास खटवानी एवं श्री राहुल खटवानी पुत्र श्री परमानन्द खटवानी ने विक्रय पत्र दिनांकित 12.08.2024 निष्पादित करते हुए श्री योगेश कुमार भारद्वाज पुत्र श्री जगदीश प्रसाद के हित में विक्रय कर दिया तथा उक्त विक्रय का पंजीयन कार्यालय उप पंजीयक जयपुर प्रथम के यहां दिनांक 13.08.2024 को क्रम संख्या 202403015112103 पर पंजीबद्ध किया गया है। इस प्रकार उक्त अचल सम्पत्ति सम्पूर्ण के एकमात्र मालिक स्वामी, काबिज एवं अधिकारी श्री योगेश कुमार भारद्वाज पुत्र श्री जगदीश प्रसाद जाति ब्राह्मण निवासी प्लाट नम्बर 13, विजय नगर, विजयपुरा रोड, पुरानी चुंगी आगरा रोड, आमडौली जयपुर (राज.) है जिन्हें अपनी निजी एवं आयश्यकताओं की पूर्ति हेतु रुपयों की आवश्यकता है इसलिए वह उक्त अचल सम्पत्ति सम्पूर्ण को विक्रय करना चाहते है एवं उनसे मेरे मुवक्किल श्री हेमन्त सिंह राजावत पुत्र चेतन सिंह राजावत उक्त अचल सम्पत्ति खरीद करना चाहते है। उक्त सम्पत्ति को खरीद करने हेतु मेरे मुवक्किल एच. डी. एफ. सी. बैंक लिमिटेड से ऋण प्राप्त कर उक्त सम्पत्ति को बंधक रखना चाहते है। इस संबंध में किसी भी व्यक्ति अथवा बैंक इत्यादि को किसी प्रकार की कोई आपत्ति या आक्षेप हो तो मय सबूत सात दिन की अवधि में अधोहस्ताक्षरकर्ता को लिखित आपत्ति प्रस्तुत करे, अवधि समाप्ति के पश्चात् आपत्ति मान्य नहीं होगी तथा मेरे मुवक्किल के विरुद्ध शून्य व बेअसर मानी जावेगी।
दिनांक (श्याम सुन्दर चावला) एडवोकेट
6/48, मालवीय नगर, जयपुर-302017 मोबाईल 9829218044

विवाद्यकों के स्थिरीकरण के लिये सम्मन
(आदेश 5 के नियम 1 और 5)
नाम न्यायालय सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट पश्चिम जयपुर महानगर द्वितीय
हेमेंद्र पारीक बनाम उपायुक्त नगर निगम व अन्य
प्रकरण संख्या 72/26
वाद सं.... सन्....

नाम त्रिलोक सोनीर पुत्र शंकर लाल सोनी जाति.... स्थान निवासी रामगढ रोड जयपुर
.... ने आपके विरुद्ध.... के लिए वाद संस्थित किया है। आपको इस न्यायालय में दिनांक 17 माह 11 सन् 26 को दिन में.... बजे का उत्तर देने के लिए उपसंजात (हाजिर) होने के लिये वचन दिया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते है जिसे सम्यक अनुदेश दिए गये हो और जो इस प्रार्थना पत्र से सम्बन्धित सभी वारदान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि आपस उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित साक्ष्य दाखिल करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे में या शक्ति में है पेश करे, जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या दाखिल/मुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित है और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे व शक्ति में हो अपना प्रतिरक्षा या मुजराई के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप मे निर्भर करते है तो आप ऐसे दस्तावेजों को उल्लिखित समय के बाद उपबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ठ करें।
आपको सूचित किया जाता है यदि आप उपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नही होंगे तो प्रार्थना पत्र की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जावेगा।
यह प्रार्थना पत्र दिनांक 17 माह 10 सन् 2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

मोहर अदालत

सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट पश्चिम जयपुर महानगर द्वितीय

एसआईआर कोई नई परंपरा नहीं, कांग्रेस शासन में 10 बार हुआ : मदन राठौड़

- कांग्रेस की आपातकाल वाली मानसिकता से लोकतंत्र को खतरा : मदन राठौड

जयपुर । भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ ने कहा है कि एसआईआर ना भारत में पहली बार हो रहा है ना दुनिया से अनजाना है। उन्होंने कहा कि 10 बार एसआईआर कांग्रेस की सरकारों में हुआ है तब एसआईआर लोकतंत्र के लिए ठीक था और अब 23 साल बाद में हो रहा है, तो कांग्रेस को लोकतंत्र खतरे में लगता है जबकि लोकतंत्र पर खतरा कांग्रेस की आपातकाल वाली मानसिकता और विदेशी टूल किट के रूप में की जा रही राजनीति से है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के नेता झूठ फैलाकर देश में अराजकता का माहौल बनाना चाहते हैं जो न देश की जनता के हित में है और नहीं लोकतंत्र के हित में है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने आज इंदिरा गांधी को लोकतंत्र से जोड़कर जो बातें कही है उससे लगता है कि अशोक गहलोत जी एक नए झूठ के साथ और आलाकमान को खुश करने के लिए अराजकता प्रिय राहुल गांधी के निर्देशों पर यहां बयान बाजी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिस भारत बचाओ रैली की वह बात कर रहे हैं उससे पहले इंदिरा गांधी ने देश पर आपातकाल थोपा था अखबारों पर ताले थे जनता के अधिकार निलंबित थे, नेता सड़क पर नहीं हवालात में थे।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि लोकतंत्र के लिए जिनका आदर्श इंदिरा गांधी हो उनसे देश के लोकतंत्र को खतरा ही हो सकता है और इसे ही लेकर जनता को जागरूक करने के लिए भारतीय जनता पार्टी ने लोकतंत्र बचाओ अराजकता हटाओ अभियान चलाया है।

प्रेमी के कहने पर नौकरानी ने घर से उड़ाए लाखों के जेवर

जयपुर। एसएमएस अस्पताल थाना पुलिस ने घर में काम करने वाली नौकरानी की ओर से लाखों रुपए के जेवर और नकदी चोरी करने के मामले का खुलासा करते हुए आरोपी युवती को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से करीब 13 लाख रुपए कीमत के हीरे और सोने के आभूषण बरामद किए हैं। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया कि युवती ने अपने प्रेमी के कहने पर चोरी की वारदात को अंजाम दिया था। पुलिस अब मामले में शामिल उसके प्रेमी की तलाश कर रही है।

पुलिस उपायुक्त (पूर्व) रंजीता शर्मा ने बताया कि परिवादी किशन निवासी मकान नंबर41, गंगवाल पार्क, जयपुरने 24 अगस्त 2026 को रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उनके घर पर काम करने वाली नौकरानी ने 12 मई से 4 अगस्त 2026 के बीच घर से करीब डेढ़ लाख रुपए नकद और कीमती सामान चोरी कर लिया। चोरी हुए सामान में दो हीरे की चूड़ियां, छह सोने की चूड़ियां, श्रीनाथजी का सोने का पेंडेंट, 10 से 12 सोने की अंगूठियां, चांदी का सामान और एक सोने की घड़ी शामिल थी। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

साइबर ठगी की रकम को क्रिप्टो और हवाला से खपाने वाला गिरफ्तार

- दुबई के हवाला नेटवर्क से जुड़ाव, जयपुर में सिंडिकेट मजबूत करने आया था आरोपी
- 9 मोबाइल, 8 डेबिट कार्ड और क्यूआर स्कैनर रोल बरामद

जयपुर। वैशाली नगर थाना पुलिस ने साइबर ठगी और ऑनलाइन जुए से प्राप्त रकम को हवाला और क्रिप्टो करेंसी के जरिए ठिकाने लगाकर सफेद धन में बदलने वाले अंतरराष्ट्रीय गिरोह का पर्दाफाश कर मुख्य सरगना विकास ढाका को गिरफ्तार किया है। आरोपी सीकर जिले के बासनी का रहने वाला है और करीब 20 दिन पहले अपने नेटवर्क का विस्तार करने जयपुर आया था। पुलिस के अनुसार उसका दुबई के हवाला नेटवर्क से गठजोड़ है। आरोपी के कब्जे से 9 मोबाइल, 8 डेबिट कार्ड और गूगल पे स्कैनर रोल बरामद किए गए हैं।

प्रोबेशनर आईपीएस अदिति उपाध्याय ने बताया कि वैशाली नगर की नेमीसागर कॉलोनी स्थित चड्ढा अपार्टमेंट के एक फ्लैट में साइबर ठगी और ऑनलाइन जुए की रकम को क्रिप्टो करेंसी के माध्यम से हासिल कर नकदी में बदलने की सूचना मिली थी। इस पर वैशाली नगर थानाधिकारी अरविंद सिंह और डीएसटी पश्चिम प्रभारी गणेश सैनी के नेतृत्व में पुलिस टीमों का गठन कर फ्लैट पर दबिश दी गई। यहां से विकास ढाका को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई।

जांच में सामने आया कि आरोपी ने राजस्थान के अलग-अलग जिलों में अपना नेटवर्क फैला रखा था। जयपुर आने का उसका मकसद यहां सिंडिकेट को मजबूत करना, नए म्यूल बैंक खाते हासिल करना और मर्चेंट नेटवर्क का विस्तार करना था।

पुलिस के अनुसार आरोपी जैसलमेर और सीकर के रिसोर्ट व रेस्टोरेंट में काम करने वाले कम पढ़े-लिखे मजदूरों को रुपए का लालच देकर उनके दस्तावेज हासिल करता था। इन दस्तावेजों के आधार पर निजी बैंकों और ऑनलाइन भुगतान बैंकों में खाते खुलवाए जाते थे। इसके बाद उन खातों से जुड़े मर्चेंट क्यूआर कोड तैयार करवाकर साइबर ठगों और ऑनलाइन जुआ संचालित करने वाले गिरोहों को मोटे कमीशन पर उपलब्ध कराए जाते थे। इन खातों में साइबर ठगी और ऑनलाइन सट्टेबाजी की रकम जमा करवाई जाती थी।

जांच में यह भी सामने आया कि बैंक खातों में जमा रकम को नकद और ऑनलाइन माध्यम से निकालकर यूएसडीटी और टेथर जैसी क्रिप्टो करेंसी में बदला जाता था। इसके बाद दुबई से संचालित हवाला और क्रिप्टो नेटवर्क के जरिए रकम को ठिकाने लगाकर भारतीय बाजार में खपाने का आरोप है।पुलिस के अनुसार आरोपी के खुद के तीन बैंक खातों और उसके जरिए खुलवाए गए अन्य बैंक खातों में करीब 24 करोड़ रुपए की क्रिप्टो करेंसी का लेन-देन सामने आया है। जिन लोगों के नाम से खाते खुलवाए गए।

मैं अपनी पूरी क्षमता के साथ नहीं खेल पाऊंगी, खासकर जब अगले महीने एक बहुत महत्वपूर्ण टूर्नामेंट होने वाला है। अगले महीने होने वाले डब्ल्यूटीए फाइनल्स तक वह पूरी तरह फिट हो जाएंगी। - एलेना रायबाकिना

कजाकिस्तान टेनिस खिलाड़ी, अपनी चोट को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

अभिषेक

भारतीय पुरुष हॉकी टीम के फॉरवर्ड खिलाड़ी अभिषेक ने शुक्रवार को अपने अंतरराष्ट्रीय करियर में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की। उन्होंने हीरो एशियन चैंपियंस ट्रॉफी पंजाब-2026 में जापान के खिलाफ लीग चरण के मुकाबले के दौरान भारत के लिए 150 सीनियर अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने का आंकड़ा पूरा किया। 27 वर्षीय अभिषेक ने वर्ष 2022 में सीनियर अंतरराष्ट्रीय हॉकी में पदार्पण किया था। अभिषेक के करियर की प्रमुख उपलब्धियों में पेरिस ओलंपिक-2024 का कांस्य पदक और हांगझोऊ-2023 तथा आइची-नागोया-2026 एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक शामिल हैं।

क्या आप जानते हैं ?... 1983 विश्व कप : दो बार की डिफेंडिंग चैंपियन वेस्टइंडीज की टीम 52 ओवरों में 140 रनों पर ऑल आउट हो गई।

मुंबई इंडियंस के कोचिंग स्टाफ में बड़ा बदलाव, उथप्पा और टी. दिलीप को मिली अहम जिम्मेदारी

नई दिल्ली, 30 अक्टूबर। इंडियन प्रीमियर लीग के आगामी सत्र से पहले मुंबई इंडियंस ने अपने कोचिंग स्टाफ में बड़ा बदलाव किया है। नए मुख्य कोच कीरोन पोलार्ड के नेतृत्व में टीम ने पूर्व भारतीय बल्लेबाज रॉबिन उथप्पा को बल्लेबाजी कोच और टी. दिलीप को क्षेत्ररक्षण कोच नियुक्त किया है। इसके अलावा न्यूजीलैंड के पूर्व तेज गेंदबाज मिशेल मैक्लेनाघन को गेंदबाजी कोच और धवल कुलकर्णी को विकासात्मक गेंदबाजी कोच की जिम्मेदारी सौंपी गई है। मुंबई इंडियंस ने इससे पहले लसिथ मलिंगा, पारस म्हाम्ब्रे और कार्ल हॉपकिन्सन से नाता तोड़ लिया था। मलिंगा 2024 से टीम के गेंदबाजी कोच थे, जबकि हॉपकिन्सन क्षेत्ररक्षण कोच की भूमिका निभा रहे थे।

न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज से बाहर हुए प्रसिद्ध कृष्णा, भारत-ए टीम से जुड़ेंगे

नई दिल्ली, 30 अक्टूबर। तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा हैमस्ट्रिंग की चोट से समय पर उबरने में नाकाम रहने के कारण न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी पांच मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला से बाहर हो गए हैं। अब वह न्यूजीलैंड ए के खिलाफ तीसरे अनौपचारिक टेस्ट के लिए भारत ए टीम से जुड़ेंगे। हालांकि, इसके लिए उन्हें फिटनेस जांच और मैदान पर वापसी से जुड़ा आकलन (आरटीपी) पास करना होगा। इसके बाद ही उनके खेलने पर फैसला होगा। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने बयान में कहा कि प्रसिद्ध को मैच खेलने के लिए जरूरी गेंदबाजी कार्यभार हासिल करने में अभी अतिरिक्त समय लगेगा। वनडे टीम में उनकी जगह किसी अन्य खिलाड़ी को शामिल नहीं किया गया है। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को पहले ही आराम दिया जा चुका है।

हायलो ओपन : सिंधु और अनमोल क्वार्टर फाइनल में

सारब्रुकेन, 30 अक्टूबर। भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु ने हायलो ओपन 2026 के महिला एकल मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करते हुए क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। गुरुवार को खेले गए प्री-क्वार्टर फाइनल में दूसरी वरीयता प्राप्त सिंधु ने फ्रांस की रोसी ओक्टाविया पंकासारी को सीधे गेमों में 21-9, 21-6 से हराया। यह मुकाबला 30 मिनट से भी कम समय में समाप्त हो गया। क्वार्टर फाइनल में सिंधु का सामना डेनमार्क की अमाली शुल्ज से होगा। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधु इस सुपर 500 प्रतियोगिता में फ्रेंच ओपन सुपर 750 में उपविजेता रहने के बाद उतरी हैं। फ्रेंच ओपन के फाइनल में उन्हें विश्व की नंबर एक खिलाड़ी दक्षिण कोरिया की आन से यंग से हार का सामना करना पड़ा था। इस बीच युवा भारतीय खिलाड़ी अनमोल खरब ने भी शानदार वापसी करते हुए क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। 19 वर्षीय अनमोल ने प्री-क्वार्टर फाइनल में उच्च वरीयता प्राप्त डेनमार्क की लाइन क्रिस्टोफरसन को एक घंटे तीन मिनट तक चले मुकाबले में 11-21, 21-18, 25-23 से हराया।

चोट से उबर रहे नीरज चोपड़ा

नई दिल्ली, 30 अक्टूबर। दो बार के ओलंपिक पदक विजेता और विश्व चैंपियन भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा चोट से तेजी से उबर रहे हैं। उन्होंने बताया कि उनकी चोट में काफी सुधार हुआ है और वह अगले कुछ सप्ताह में अभ्यास तथा पुनर्वास की प्रक्रिया दोबारा शुरू करेंगे। भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) की मीडिया टीम से बातचीत में नीरज ने अपनी चोट के बारे में जानकारी देते हुए कहा, अब मेरी चोट काफी बेहतर है। शुरुआत में पहले डेढ़ महीने के दौरान मुझे कुछ परेशानियां हुई थीं लेकिन अब काफी सुधार हुआ है।

वियना ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे ज्वेरेव

वियना, 30 अक्टूबर। जर्मनी के स्टार टेनिस खिलाड़ी अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने वियना ओपन के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने के साथ ही पहली बार विश्व रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल करना सुनिश्चित कर लिया है। गुरुवार को खेले गए प्री-क्वार्टर फाइनल में ज्वेरेव ने नीदरलैंड के टालोन ठिक्सपुर को 6-4, 7-5 से हराया। सोमवार को जारी होने वाली नई रैंकिंग में वह इटली के यानिक सिनर को पीछे छोड़कर दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी बन जाएंगे। 29 वर्षीय ज्वेरेव फ्रेंच ओपन और अमेरिकी ओपन के खिताब जीतने के बाद शानदार लय में हैं। वह 1991 में बोरिस बेकर के बाद विश्व रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल करने वाले जर्मनी के दूसरे पुरुष टेनिस खिलाड़ी होंगे। वर्ष 1973 में विश्व रैंकिंग शुरू होने के बाद शीर्ष स्थान पर पहुंचने वाले वह 30वें पुरुष खिलाड़ी बनेंगे।

हॉकी विश्व कप 2030 की मेजबानी के लिए पंजाब, ओडिशा और तमिलनाडु सबसे आगे

नई दिल्ली, 30 अक्टूबर। हॉकी इंडिया के महासचिव भोलानाथ सिंह ने बताया कि पंजाब, ओडिशा और तमिलनाडु 2030 में होने वाले पुरुष और महिला एफआईएच विश्व कप की मेजबानी की दौड़ में सबसे आगे हैं। ओडिशा दो बार पुरुषों के विश्व कप का मेजबान रह चुका है जबकि तमिलनाडु ने पिछले साल चेन्नई और मदुरै में पुरुषों के जूनियर विश्व कप की मेजबानी की थी। भारतीय हॉकी का गढ़ रहे पंजाब ने कभी विश्व कप की मेजबानी नहीं की है। वह अभी एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी कर रहा है। यह पिछले 17 वर्ष में पहला मौका है।

फिलिप्स के तूफानी शतक की बदौलत न्यूजीलैंड ने चौथे टी-20 में भारत को 87 रन से हराया

भारत पांच मैचों की सीरीज में 3-1 से आगे

ऑकलैंड, 30 अक्टूबर। ग्लेन फिलिप्स के तूफानी शतक और माइकल ब्रेसवेल की आक्रामक अर्धशतकीय पारी के दम पर न्यूजीलैंड ने चौथे टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में भारत को 87 रन से हरा दिया। न्यूजीलैंड के 259 रन के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम 172 रन पर सिमट गई। हालांकि इस हार के बावजूद भारत पांच मैचों की श्रृंखला में 3-1 से आगे है।

260 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत खराब रही। जैकब डफी ने पहले ही ओवर में संजू सैमसन को चार रन और ईशान किशन को बिना खाता खोले पवेलियन भेज दिया। इसके बाद अभिषेक शर्मा ने 15 गेंदों में 27 रन बनाए। उन्होंने तीन चौके और एक छक्का लगाया। मैथ्यू फिशर ने उन्हें पांचवें ओवर में आउट कर दिया। श्रेयस अय्यर ने 11 गेंदों में 22 रन की तेज पारी खेली। उनकी पारी में चार चौके शामिल रहे, लेकिन छठे ओवर में एडम मिल्ने ने उन्हें बोल्ड कर दिया। पावरप्ले के छह ओवर के बाद भारत का स्कोर चार विकेट पर 61 रन था। इसके बाद नमन धीर और तिलक वर्मा ने पारी को संभालने की कोशिश की। नमन ने 13 गेंदों में 28 रन बनाए, जिसमें दो चौके और दो छक्के शामिल थे।

डफी ने 12वें ओवर में उन्हें आउट किया। डेरिल मिचेल और नाथन स्मिथ ने मिलकर बाउंड्री के पास उनका कैच पकड़ा। नमन के अलावा नितीश रेड्डी ने भी 10 गेंदों पर 2 छक्कों की बदौलत 21 रन बनाए। उन्हें सेंटनर ने अपना शिकार बनाया। तिलक वर्मा ने 35 गेंदों में 35 रन बनाए। उन्होंने अपनी पारी में चौके और छक्के लगाए और आखिरी तक संघर्ष जारी रखा। हालांकि, पारी के दूसरे अंतिम ओवर में मैथ्यू फिशर ने उनका विकेट लेकर भारत की बची हुई उम्मीदों को भी झटका दिया। प्रिंस यादव ने अंतिम ओवरों में कुछ तेज रन बनाए और 18 रन बनाकर नाबाद रहे। न्यूजीलैंड की ओर से जैकब डफी ने चार ओवर में 23 रन देकर चार विकेट हासिल किए। मिचेल सैंटनर और मैथ्यू फिशर ने दो-दो, जबकि एडम मिल्ने को एक सफलता मिली।

ग्लेन फिलिप्स और माइकल ब्रेसवेल का तूफान

ग्लेन फिलिप्स के शानदार शतक और माइकल ब्रेसवेल की तूफानी अर्धशतकीय पारी की बदौलत न्यूजीलैंड ने शुक्रवार को चौथे टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में भारत के खिलाफ सात विकेट पर 259 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। फिलिप्स ने 49 गेंदों में 107 रन बनाए, जबकि ब्रेसवेल ने महज 25 गेंदों में 65 रन की विस्फोटक पारी खेली। दोनों ने चौथे विकेट के लिए सिर्फ 40 गेंदों में 115 रन की साझेदारी की।

टी-20 अंतर्राष्ट्रीय में 150 विकेट लेने वाले पहले भारतीय गेंदबाज बने अर्शदीप सिंह

ऑकलैंड, 30 अक्टूबर। भारतीय तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने शुक्रवार को इतिहास रच दिया। वह टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 150 विकेट लेने वाले पहले भारतीय गेंदबाज बन गए हैं। उन्होंने भारत और न्यूजीलैंड के बीच ऑकलैंड के ईडन पार्क में खेले गए चौथे टी-20 मुकाबले में न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सैंटनर को आउट कर यह उपलब्धि हासिल की। अर्शदीप ने 103 मैचों की 99 पारियों में 20.62 की औसत और 8.65 की इकोनॉमी से 150 विकेट पूरे किए हैं। इस दौरान उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 51 रन देकर पांच विकेट रहा है। इस उपलब्धि के साथ वह टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में नौवें स्थान पर पहुंच गए हैं। अर्शदीप टी-20 अंतरराष्ट्रीय में 150 विकेट लेने वाले दुनिया के तीसरे तेज गेंदबाज भी बन गए हैं। उनसे पहले न्यूजीलैंड के टिम साउदी और बांग्लादेश के मुस्तफिजुर रहमान यह उपलब्धि हासिल कर चुके हैं। इस प्रारूप में सर्वाधिक विकेट लेने का रिकॉर्ड अफगानिस्तान के राशिद खान के नाम है, जिन्होंने 200 विकेट लिए हैं। वह इस आंकड़े तक पहुंचने वाले दुनिया के इकलौते गेंदबाज हैं।

टीम की गेंदबाजी में 'कमी' रह गई : श्रेयस अय्यर

ऑकलैंड, 30 अक्टूबर। न्यूजीलैंड के खिलाफ 87 रनों की हार के बाद, भारत के कप्तान श्रेयस अय्यर ने माना कि टीम की गेंदबाजी में "कमी" रह गई थी। उन्होंने न्यूजीलैंड की जीत में अहम भूमिका निभाने वाले ग्लेन फिलिप्स के शतक की तारीफ की। मैच के बाद प्रेजेंटेशन के दौरान अय्यर ने कहा कि मुझे लगता है कि शुरुआत में हमारी गेंदबाजी में कुछ कमी रह गई। पावरप्ले में, खासकर तीसरे ओवर से, उन्हें मोमेंटम मिल गया। हमारे कुछ गेंदबाजों ने दबाव बनाने की कोशिश जरूर की, लेकिन ग्लेन ने शानदार पारी खेली। उन्होंने कुछ बेहतरीन शॉट्स लगाए, जिन्हें देखना वाकई सुखद था। उनकी जितनी तारीफ की जाए, कम है। पूरी सीरीज में उनका प्रदर्शन लगातार अच्छा रहा है, इसलिए उनसे काफी कुछ सीखने को मिलता है।

मनीषा भानवाला ने जीता विश्व कुश्ती चैम्पियनशिप का स्वर्ण पदक

नई दिल्ली, 30 अक्टूबर। भारतीय कुश्ती के लिए शुक्रवार का दिन ऐतिहासिक बन गया। हरियाणा की मनीषा भानवाला ने कजाकिस्तान की राजधानी अस्ताना में विश्व कुश्ती चैंपियनशिप का स्वर्ण पदक जीतकर नया इतिहास रच दिया। वह विश्व कुश्ती चैंपियन बनने वाली पहली भारतीय महिला पहलवान बन गई हैं। 29 साल की मनीषा ने 59 किलोग्राम भार वर्ग के फाइनल में अमेरिका की ए. एलिजाबेथ नेटे को 8-6 से हराकर यह बड़ी उपलब्धि हासिल की। मुकाबला काफी रोमांचक रहा, क्योंकि पहले दौर के बाद मनीषा 1-6 से पीछे चल रही थीं, लेकिन उन्होंने शानदार वापसी करते हुए मुकाबला

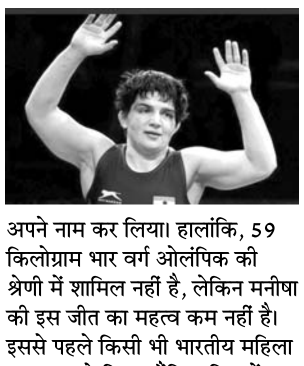

अपने नाम कर लिया। हालांकि, 59 किलोग्राम भार वर्ग ओलंपिक की श्रेणी में शामिल नहीं है, लेकिन मनीषा की इस जीत का महत्व कम नहीं है। इससे पहले किसी भी भारतीय महिला पहलवान ने विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक नहीं जीता था। इस बार भारतीय महिला पहलवानों का प्रदर्शन भी काफी अच्छा रहा। मनीषा के अलावा नीलम सिरोही ने 50 किलोग्राम और काजल ढोचक ने 76 किलोग्राम भार वर्ग के फाइनल में जगह बनाई। हालांकि, दोनों को रजत पदक से संतोष करना पड़ा। ये दोनों भार वर्ग ओलंपिक की श्रेणी में शामिल हैं। मनीषा से पहले अंशु मलिक विश्व चैंपियनशिप के फाइनल तक पहुंचने वाली इकलौती भारतीय महिला पहलवान थीं। उन्होंने 2021 में 57 किलोग्राम भार वर्ग में रजत पदक जीता था। वहीं, देश की अनुभवी पहलवान विनेश फोगाट विश्व चैंपियनशिप में 2 कांस्य पदक जीत चुकी हैं। अंतिम पंघाल के नाम भी 2 कांस्य पदक हैं, जो उन्होंने ओलंपिक भार वर्गों में हासिल किए हैं।

रोहित संभालेंगे मुंबई इंडियंस की कमान?

नई दिल्ली, 30 अक्टूबर। मुंबई इंडियंस के लिए रोहित शर्मा को वापस कप्तान बनाने की तैयारी कर रही है। टीम मैनेजमेंट हार्दिक पांड्या के प्रदर्शन से संतुष्ट नहीं है, जिन्होंने तीन साल पहले रोहित की जगह कप्तानी संभाली थी। उनके कार्यकाल के दौरान, मुंबई केवल एक बार प्लेऑफ़ में पहुँच पाई। अब टीम न केवल कप्तान बदलने पर विचार कर रही है, बल्कि हार्दिक को ट्रेड करने के लिए भी तैयार है। रिपोर्ट्स के अनुसार, वनडे सीरीज के लिए न्यूजीलैंड रवाना होने से पहले मैनेजमेंट ने रोहित से संपर्क किया था। उनसे फिर से जिम्मेदारी संभालने के लिए कहा गया और दिलचस्प बात यह है कि वे इस प्रस्ताव के लिए मान गए हैं।

अंडर-19 एशिया कप में द्रविड़ और सहवाग के बेटों को मिला मौका, भारतीय टीम घोषित

मस्कट में 5 नवंबर से शुरू होगा टूर्नामेंट

नई दिल्ली, 30 अक्टूबर। एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) के अंडर-19 एशिया कप के लिए भारतीय टीम की घोषणा कर दी गई है। भारतीय क्रिकेट के दो दिग्गज खिलाड़ियों राहुल द्रविड़ और वीरेंद्र सहवाग के बेटे अन्वय द्रविड़ और आर्यवीर सहवाग को भी 15 सदस्यीय टीम में जगह मिली है। मस्कट (ओमान) में 5 से 14 नवंबर तक खेले जाने वाले इस टूर्नामेंट के लिए जूनियर क्रिकेट समिति ने टीम का चयन किया है। अन्वय द्रविड़ विकेटकीपर के रूप में टीम में शामिल हैं, जबकि आर्यवीर सहवाग को बल्लेबाज के तौर पर चुना गया है। दोनों युवा खिलाड़ियों के लिए यह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाने का अहम अवसर होगा। टीम की कप्तानी लक्ष्य रायचंदानी को सौंपी गई है, जबकि यशवर्धन सिंह चौहान उपकप्तान होंगे।

भारतीय टीम : लक्ष्य रायचंदानी (कप्तान), आर्यवीर सहवाग, वी.के. विनीत, यशवर्धन सिंह चौहान (उपकप्तान), कुशाग्र ओझा, अर्जुन राजपूत, मनाल चौहान, अन्वय द्रविड़ (विकेटकीपर), रजत बघेल (विकेटकीपर), वी. यशवीर, आर्यन सावसानी, मोहित उल्वा, काव्या पटेल, शाविन विनोद और ईशान सूद।

मुख्यमंत्री दिखाएंगे 'रन फॉर यूनिटी' को हरी झंडी

अमर जवान ज्योति से सुबह 7.30 बजे होगा शुभारंभ, राष्ट्रीय एकता की शपथ भी दिलाई जाएगी

जयपुर, 30 अक्टूबर। सरदार वल्लभभाई पटेल की 151वीं जयंती एवं राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर 31 अक्टूबर को जयपुर में 'रन फॉर यूनिटी' का आयोजन किया जाएगा। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, केंद्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी और युवा मामले एवं खेल मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ सुबह 7:30 बजे अमर जवान ज्योति से हरी झंडी दिखाकर दौड़ को रवाना करेंगे।

राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद की ओर से आयोजित इस दौड़ का उद्देश्य राष्ट्रीय एकता, अखंडता और सामाजिक समरसता का संदेश जन-जन तक पहुंचाना है। आयोजन की तैयारियों को लेकर अतिरिक्त मुख्य सचिव एवं राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद के अध्यक्ष प्रवीण गुप्ता की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक हुई। इसमें जयपुर जिला कलक्टर संदेश नायक सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

परिषद के सचिव राजकेश मीणा ने बताया कि दौड़ में अंतरराष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी, प्रशिक्षक, रनर्स क्लब, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि तथा स्कूल-कॉलेजों के विद्यार्थी भाग लेंगे। उन्होंने आमजन से भी अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की। दौड़ अमर जवान ज्योति से शुरू होकर विधानसभा, नगर निगम, अर्जुन गेट, रामबाग सर्किल और अंबेडकर सर्किल होते हुए वापस अमर जवान ज्योति पर संपन्न होगी। इस अवसर पर राष्ट्रीय एकता दिवस की शपथ का वाचन भी किया जाएगा। आयोजन के माध्यम से सरदार वल्लभभाई पटेल के राष्ट्र निर्माण और देश के एकीकरण में दिए गए अतुलनीय योगदान को याद किया जाएगा।

हिमांशु के पांच विकेट से राजस्थान को पहली पारी में बढ़त

जयपुर, 30 अक्टूबर। बीसीसीआई अंडर-23 सीके नायडू ट्रॉफी में राजस्थान और मुंबई के बीच खेला गया मुकाबला ड्रॉ रहा। मुंबई के सचिन तेंदुलकर जिमखाना ग्राउंड, कांदिवली में खेले गए इस मुकाबले में राजस्थान ने पहली पारी में बढ़त हासिल की। राजस्थान ने पहली पारी में 491 रन बनाए। जवाब में मुंबई की टीम 390 रन पर ऑलआउट हो गई। मुंबई की ओर से प्रतीक यादव ने 161 रन की शानदार शतकीय पारी खेली। राजस्थान की ओर से हिमांशु नेहरा ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 154 रन देकर 5 विकेट झटके। आयुष अमेरिया ने 2 विकेट लिए, जबकि राहुल चौधरी, पार्थ यादव और अंकित कुमार को एक-एक विकेट मिला। गेंदबाजों के इस प्रदर्शन से राजस्थान को पहली पारी में 101 रन की महत्वपूर्ण बढ़त मिली। मैच के अंतिम दिन खेल समाप्त होने तक राजस्थान ने दूसरी पारी में एक विकेट पर 53 रन बना लिए थे। पार्थ यादव 32 और प्रशांत माली 19 रन बनाकर नाबाद रहे। इस तरह मुकाबला ड्रॉ रहा और राजस्थान ने पहली पारी की बढ़त के आधार पर बेहतर प्रदर्शन किया।

राष्ट्रमंडल कबड्डी चैम्पियनशिप : भारत और युगांडा के बीच होगा महिला वर्ग का खिताबी मुकाबला

अहमदाबाद, 30 अक्टूबर। राष्ट्रमंडल कबड्डी चैंपियनशिप 2026 के आठवें दिन शुक्रवार को वीर सावरकर खेल परिसर में महिला वर्ग के सेमीफाइनल मुकाबले खेले गए। भारत और युगांडा ने अपने-अपने मुकाबले जीतकर फाइनल में जगह बना ली। युगांडा ने जहां केन्या को बेहद रोमांचक मुकाबले में 23-21 से हराया, वहीं भारतीय टीम ने श्रीलंका को 39-14 से करारी शिकस्त दी।महिला वर्ग का फाइनल 31 अक्टूबर को शाम 7:30 बजे भारतीय समयानुसार भारत और युगांडा के बीच खेला जाएगा।

टीम जयपुर जूनियर, यूनाइटेड किंगडम जूनियर्स और यूनाइटेड किंगडम लायंस के बीच होगा मुकाबला

जयपुर, 30 अक्टूबर। वार्षिक सितम्बर जयपुर पोलो सीज़न 2026 के अंतर्गत राजस्थान पोलो क्लब ग्राउंड पर शनिवार, 31 अक्टूबर को इंटरनेशनल जूनियर पोलो मैच 2026 का आयोजन किया जा रहा है। नाइट पोलो में शाम 6 बजे से शुरू होने वाले यह मैच टीम जयपुर जूनियर, यूनाइटेड किंगडम जूनियर्स और यूनाइटेड किंगडम लायंस के बीच होंगे। पहले मुकाबले में टीम जयपुर जूनियर टीम और यूनाइटेड किंगडम जूनियर्स टीम आमने-सामने होंगी। पहले मैच में हारने वाली टीम का मुकाबला यूनाइटेड किंगडम लायंस से होगा, जबकि पहले मैच की विजेता टीम दूसरे मुकाबले में यूनाइटेड किंगडम लायंस से मुकाबला करेगी। प्रत्येक मैच दो चक्कर दो चक्कर के होंगे। दोनों मैचों में टीमों के कुल अंकों के आधार पर ओवरऑल विजेता का फैसला किया जाएगा। जयपुर जूनियर टीम में अयान अली, हर्षोदय सिंह, लक्ष्यराज सिंह राजावत और पद्मनाभ सिंह शामिल होंगे। वहीं, यूनाइटेड किंगडम जूनियर्स टीम की ओर से जेम्स फॉल, फिन मार्टिन, विल्फ कॉपकट और विल एमर्सन मैदान में उतरेंगे। जबकि, टीम यूनाइटेड किंगडम लायंस टीम में अखिलीज नंदल, एडवर्ड चेनी, अथर्व सिंह चौहान और मारियानो डार्रिचों खेलेंगे। उल्लेखनीय है कि यह मैच युवा खिलाड़ियों में पोलो के खेल को बढ़ावा देने, उभरते प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को प्रोत्साहन और मंच प्रदान करने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है।

मयंक के नाबाद 85 रन से एक्सीलेंस क्रिकेट एकेडमी जीती

जयपुर, 30 अक्टूबर। मैत्री क्रिकेट क्लब की ओर से आयोजित पांचवीं डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम स्मृति टी-20 क्रिकेट प्रतियोगिता में एक्सीलेंस क्रिकेट एकेडमी ने एस.जे. पब्लिक स्कूल क्रिकेट एकेडमी को 8 विकेट से हराया। इम्पीरियल ग्राउंड पर खेले गए मुकाबले में एस.जे. पब्लिक स्कूल क्रिकेट एकेडमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 9 विकेट पर 189 रन बनाए। टीम की ओर से जयंत तिवारी ने 65 और रेहान अली ने 58 रन की पारियां खेलीं। जवाब में एक्सीलेंस क्रिकेट एकेडमी ने मयंक सारस्वत की नाबाद 85 रन की शानदार पारी और मोहम्मद खुर्शीद के नाबाद 50 रन की बदौलत 17.3 ओवर में 2 विकेट खोकर 194 रन बनाते हुए मुकाबला अपने नाम कर लिया। मयंक ने 43 गेंदों में 8 चौके और 6 छक्के लगाए। गेंदबाजी में एस.जे. पब्लिक स्कूल की ओर से साहिल नायक ने एक विकेट लिया। इस मुकाबले में मयंक सारस्वत को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए मैन ऑफ द मैच चुना गया।

विजय मर्चेंट ट्रॉफी के लिए राजस्थान की अंडर-16 टीम घोषित, 15 खिलाड़ियों को मिला मौका

लखनऊ में 14 नवंबर से शुरू होंगे मुकाबले, राजस्थान का पहला मैच गोवा से

जयपुर, 30 अक्टूबर। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की अंडर-16 विजय मर्चेंट ट्रॉफी के लिए राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन (आरसीए) ने 15 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। टीम में जयपुर, सीकर, अलवर, कोटा, श्रीगंगानगर, भरतपुर, भीलवाड़ा, सवाई माधोपुर, धौलपुर, जोधपुर और चूरू जिलों के खिलाड़ियों को शामिल किया गया है। इसके अलावा आठ खिलाड़ियों को स्टैंडबाय में रखा गया है।

राजस्थान की 15 सदस्यीय टीम : कुमार वासुदेव - जयपुर, आदित्यराज बादसरा - सीकर, तविश शर्मा - अलवर, सचिन मीणा - जयपुर, निलय अरोड़ा - कोटा, सुशांत बसंत - श्रीगंगानगर, वशिष्ठ शर्मा - भरतपुर, दैविक सोमानी - भीलवाड़ा, निधिश राज - सवाई माधोपुर, हर्षित यादव - धौलपुर, लाव्य गुप्ता - जयपुर, साहिल खान - जोधपुर, अंजान्या शर्मा - चूरू, नमन यादव - अलवर, लवमीत गुर्जर - सीकर।

स्टैंडबाय खिलाड़ी : निश्चल शर्मा (भरतपुर), अवि सुवालका (भीलवाड़ा), दिव्यांशु धातरवाल (चूरू), कौस्तव धनकर (धौलपुर), विवान गर्ग (जोधपुर), आदित्य रंगा (बीकानेर), विवेक बागड़ी (कोटा) और गुरताज सिंह (श्रीगंगानगर)।

राजस्थान के मुकाबलों का कार्यक्रम

14-16 नवंबर - गोवा बनाम राजस्थान
19-21 नवंबर - राजस्थान बनाम महाराष्ट्र
25-27 नवंबर - राजस्थान बनाम उत्तराखंड
30 नवंबर-2 दिसंबर - राजस्थान बनाम छत्तीसगढ़
6-8 दिसंबर - राजस्थान बनाम कर्नाटक

राजस्थान के सभी लीग मुकाबले लखनऊ में उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन के मैदान पर खेले जाएंगे। प्रतियोगिता के नॉकआउट मुकाबले 12 दिसंबर 2026 से 5 जनवरी 2027 तक सूरत में गुजरात क्रिकेट एसोसिएशन के तत्वावधान में आयोजित होंगे।

अंडर-16 अभ्यास मैचों में वशिष्ठ शर्मा और निलय अरोड़ा के शानदार शतक

जयपुर, 30 अक्टूबर। राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन (आरसीए) की ओर से आयोजित अंडर-16 अभ्यास मैचों के तीसरे एवं अंतिम दिन दोनों मुकाबले ड्रॉ रहे। केएल सैनी स्टेडियम में टीम ए ने पहली पारी की बढ़त के आधार पर टीम सी के खिलाफ मुकाबले में बढ़त हासिल की। वहीं, एम स्क्वायर ग्राउंड पर टीम बी ने टीम डी के खिलाफ पहली पारी में बढ़त बनाई। केएल सैनी स्टेडियम में टीम ए ने पहली पारी में 8 विकेट पर 340 रन बनाकर पारी घोषित की। वशिष्ठ शर्मा ने 248 गेंदों में 25 चौके और 3 छक्कों की मदद से नाबाद 180 रन बनाए। जवाब में टीम सी ने 6 विकेट पर 337 रन बनाए। कुमार वासुदेव ने 101 रन की शतकीय पारी खेली। टीम ए ने दूसरी पारी 4 विकेट पर 195 रन बनाकर घोषित की। वशिष्ठ

शर्मा ने नाबाद 59, अमरनाथ सिंघा ने 57 और आदित्य यादव ने 51 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करते हुए टीम सी ने दूसरी पारी में 5 विकेट पर 179 रन बनाए। विवेक बागड़ी ने 56 और सुशांत बसनेत ने 54 रन बनाए। एम स्क्वायर ग्राउंड पर टीम बी ने पहली पारी में 8 विकेट पर 370 रन बनाकर पारी घोषित की। निलय अरोड़ा ने 245 गेंदों में 20 चौके और 2 छक्कों की मदद से नाबाद 163 रन बनाए। जवाब में टीम डी 211 रन पर ऑलआउट हो गई। टीम बी ने दूसरी पारी में 4 विकेट पर 185 रन बनाकर पारी घोषित की। माधव गोपाल गौतम ने 94 और दिव्यांशु ने 45 रन बनाए। दूसरी पारी में टीम डी ने 2 विकेट पर 203 रन बनाए। दैविक सोमानी ने नाबाद 108 और निश्छल शर्मा ने 61 रन बनाए। यह मुकाबला भी ड्रॉ रहा और टीम बी को पहली पारी में बढ़त मिली।

अंडर-23 महिला टी-20 अभ्यास मैच रद्द

आरसीए अकादमी मैदान पर टीम बी और टीम सी के बीच प्रस्तावित अंडर-23 महिला टी-20 अभ्यास मैच

राहुल गांधी ने छात्रों को झांसे देकर देश बर्बाद करने का काम किया- भजनलाल

मुख्यमंत्री और प्रदेश अध्यक्ष ने कोटा में ''लोकतंत्र बचाओ अराजकता हटाओ'' रैली में भाग लिया

कोटा, 30 अक्टूबर (निसं)। भारतीय जनता पार्टी ने राजस्थान में ''लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ'' पदयात्रा की शुरुआत कोटा के सैवन वंडर पार्क से की है, जिसमें मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ भी शामिल हुए। पहले उन्होंने सभा को संबोधित किया जिसके बाद पैदल मार्च किया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी देश में कम और विदेश में ज्यादा रहते हैं। वे विदेश में भारत को बदनाम करते हैं।**

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को भाजपा के लोकतंत्र बचाओ-अराजकता हटाओ अभियान के तहत कोटा से पदयात्रा रैली शुरू की। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ मौजूद थे।

आमसभा को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा पर हमला करने वाले पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की सरकार के 4 महीने होटल में बिता दिए जाते हैं। लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता राहुल गांधी देश में कम और विदेश में ज्यादा रहते हैं। वे कौन सी योजना को लेकर जाते हैं। सरकार के लोग तो योजना के लिए जाते हैं, लेकिन यह तो विदेश में सरकार को बदनाम करने के लिए जाते हैं और भारत को बदनाम कर देते हैं। कांग्रेस ने केवल देश की संस्था को बदनाम नहीं किया, बल्कि सेना को भी नहीं छोड़ा है। ये लोग सेना, सुप्रीम कोर्ट, चुनाव आयोग, सीबीआई और ईडी पर सवाल उठाते हैं। कोटा में भी राहुल गांधी ने छात्रों को संवाद के नाम पर बुलाया, लेकिन झांसा देकर देश बर्बाद करने का काम किया है।

उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं ने जनता का दिल जीता है, तब जाकर सत्ता में आएं हैं। हमारे बुजुर्गों ने साल 1975 की इमरजेंसी का दौर देखा है। इमरजेंसी की बात पूछने पर इन लोगों की आंखों में आंसू आ जाते हैं। लोगों का परिवार छिन गया, पढ़ाई छूट गई, शादी सगाई टूट गई, ऐसा दंश झेला है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने संबोधित करते हुए कहा कि राहुल गांधी विदेश में जाते हैं और वहां से राशि लेकर आते हैं। देश में जब भी सदन चालू होता है, तब वे संसद में आने की जगह विदेश चलते जाते हैं।

कार्यक्रम में प्रदेश के शिक्षा पंचायत राज्य मंत्री मदन दिलावर, ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर, प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच, विधायक संदीप शर्मा और कल्पना देवी मौजूद थे।

अनंत सिंह को सरैंडर करने के आदेश

पटना, 30 अक्टूबर। दुलारचंद यादव हत्याकांड में मोकामा विधायक अनंत सिंह को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। शीर्ष अदालत ने पटना हाईकोर्ट के जमानत आदेश को स्थगित करते हुए, उन्हें एक दिसंबर तक सरेंडर करने का निर्देश दिया है।

- **सुप्रीम कोर्ट ने दुलार चंद यादव हत्याकांड में मोकामा के विधायक अनंत सिंह के पटना हाई कोर्ट के जमानत आदेश को रद्द कर एक दिसंबर तक सरैंडर करने का आदेश दिया है।**

अनंत सिंह ने बेटी की शादी का हवाला देकर तत्काल सरेंडर से राहत मांगी थी, लेकिन कोर्ट ने उनका अनुरोध स्वीकार नहीं किया।

सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हत्या के मामले को केवल राजनीतिक विवाद के रूप में देखना गलत है। मामले की जांच अभी जारी है और मुकदमे के दौरान गवाहों का परीक्षण होगा। अदालत ने पुलिस को चार महीने में जांच पूरी करने का निर्देश भी दिया।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद अनंत सिंह को एक दिसंबर तक सरेंडर करना होगा। जेडीयू से निष्कासन के बाद यह उनके लिए एक और बड़ा झटका है। अब इस मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई पर सबकी नजरें टिकी हैं।

उत्तराखंड में हैलिकॉप्टर क्रैश, पायलट सहित 6 की मौत

हैलिकॉप्टर दोपहर 1.14 पर ब्रदीनाथ से सहस्रधारा के लिए रवाना हुआ था, उस समय भारी बर्फबारी हो रही थी

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 30 अक्टूबर। उत्तराखंड के चमोली जिले में जोशीमठ-बद्रीनाथ मार्ग पर एक हेलिकॉप्टर लापता होने के बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इसमें पायलट सहित छह लोग सवार थे। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को हादसे की पुष्टि की।

बताया गया है कि हेलिकॉप्टर ने दोपहर करीब 1:14 बजे बर्फबारी के बीच बद्रीनाथ से उड़ान भरी थी। हाथी पर्वत इलाके के पास उसका संपर्क टूट गया।

उत्तराखंड नागरिक उड्डयन विकास प्राधिकरण ने एक बयान में कहा, ''ट्रांस भारत एविएशन प्राइवेट लिमिटेड का हेलिकॉप्टर, जिसका कॉल साइन वीटी-एचसीएक्स है, बद्रीनाथ से देहरादून के सहस्त्रधारा के लिए रवाना हुआ था। उसने लगभग एक बजकर 14 मिनट पर उड़ान भरी थी। जोशीमठ घाटी के ऊपर उड़ान के दौरान उससे संपर्क टूट गया।''

बयान के अनुसार, इसी दौरान ट्रैकिंग सिस्टम ने भी हेलिकॉप्टर की स्थिति बताना बंद कर दिया और उसकी करैंट लोकेशन का पता अभी तक नहीं चला है।

प्राधिकरण ने आगे कहा कि एहतियात के तौर पर, मैसर्स ट्रांस भारत एविएशन प्राइवेट लिमिटेड के पूरे हेलिकॉप्टर बेड़े को उड़ान भरने से रोक दिया गया है।

हादसे के बाद तलाशी और बचाव अभियान के लिए राज्य की बचाव टीमों के साथ सेना को भी तैनात किया गया है।

हेलिकॉप्टर में सवार सभी छह लोग पुरुष थे। उनकी पहचान प्रताप, अरुण, शंकर गौड़ा, सुधीर के., एच.एस. नटराज और पायलट कैप्टन हिमांशु के रूप में हुई है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने एक्स पर पोस्ट कर कहा, ''जोशीमठ के पास छाई गांव के निकट हेलिकॉप्टर के दुर्घटनाग्रस्त होने की दुर्भाग्यपूर्ण खबर मिली है। जिला प्रशासन, आपदा प्रबंधन विभाग और एसडीआरएफ की ओर से संयुक्त बचाव अभियान चलाया जा रहा है।''

- **रास्ते में जोशी मठ के करीब हाथी पर्वत क्षेत्र में हैलिकॉप्टर का संपर्क टूट गया और वह दुर्घटनाग्रस्त हो गया।**

उन्होंने कहा, मैं स्वयं पूरे घटनाक्रम पर लगातार नज़र रख रहा हूं। गंभीर रूप से घायलों को बेहतर इलाज के लिए तत्काल बड़े चिकित्सा केन्द्रों तक पहुंचाने के निर्देश दिए गए हैं। मैं ईश्वर से सभी यात्रियों की सकुशल वापसी की प्रार्थना करता हूं।''

राज्य के एक अधिकारी ने भी दुर्घटना की पुष्टि की। जोशीमठ के एसडीएम चंद्रशेखर वशिष्ठ ने कहा, ''हां, संभव है कि हेलिकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हुआ है। सेना, हमारी एसडीआरएफ टीम, पुलिस और स्वास्थ्य विभाग की टीमें घटनास्थल पर पहुंच रही हैं। मैं भी मौके के लिए रवाना हो चुका हूं।''

पिछले एक दशक में उत्तराखंड में हेलिकॉप्टर से जुड़ी कम से कम 12 अलग-अलग दुर्घटनाएं या घटनाएं दर्ज की गई हैं। इनमें पांच बड़े हादसे शामिल हैं, जिनमें कई लोगों की जान गई, जबकि सात अन्य घटनाएं गैर-घातक रहीं। इनमें आपातकालीन लैंडिंग के दौरान चोट लगने, तकनीकी कारणों से जबरन लैंडिंग और जमीन पर हुई दुर्घटनाओं में मौत जैसी घटनाएं (माउन्ड सेफ्टी फैटलिटीज़) शामिल हैं।

पिछले साल जून में केदारनाथ मंदिर से गुप्तकाशी जा रहा एक हेलिकॉप्टर जंगल में दुर्घटनाग्रस्त हो गया था, जिसमें सात लोगों की मौत हुई थी।

इसरो ने एनवीएस-03 सैटेलाइट लॉन्च किया

श्रीहरिकोटा, 30 अक्टूबर। इसरो ने शुक्रवार को भारत के अगली पाढ़ ी के नेविगेशन सैटेलाइट एनवीएस-03 को कामयाबी से लॉन्च कर दिया है। जीएसएलवी-एफ18 रॉकेट के जरिए इस सैटेलाइट को शुक्रवार रात 11 बजकर 51 मिनट पर श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र की लॉन्च साइट से रवाना किया गया। लॉन्च किए गए 50 मीटर ऊंचे और 3 फेज वाले इस रॉकेट का लॉन्चिंग के वक्त कुल वजन 420 टन था। ये सैटेलाइट एनएवीआईसी मिशन के तहत लॉन्च हुई है। एनएवीआईसी का पूरा नाम नेविगेशन विद इंडियन कॉन्स्टेलेशन है। यह भारत का अपना क्षेत्रीय सैटेलाइट नेविगेशन सिस्टम है, जिसे इसरो ने विकसित किया है।

'भविष्य के लिए पैसा बचाना ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हवाला देते हुए अपनी गैर-जरूरी खरीदारी का मजाकिया अंदाज में बचाव किया था। यूज़र का कहना था कि लोगों को अपने पैसों के मामले में पूरी तरह लापरवाह नहीं होना चाहिए, लेकिन अगर दुनिया अभूतपूर्व समृद्धि की ओर बढ़ रही है तो कई चीजों की खरीददारी उतनी महत्वपूर्ण नहीं रह जाएंगी।

यह पोस्ट छोटी थी, लेकिन इसके पीछे का विचार काफी बड़ा है। मस्क बार-बार कह चुके हैं कि एआई और रोबोटिक्स में प्रगति से अर्थव्यवस्था के काम करने के तरीके में बुनियादी रूप से बदलाव आ सकता है। इससे खुद पैसे का महत्व भी कम हो सकता है। हालांकि, यह एक संभावित भविष्य को लेकर उनकी कल्पना है। इसका अर्थ यह नहीं है कि पारंपरिक वित्तीय योजना और बचत की जरूरत तत्काल खत्म होने वाली है।

मस्क इस साल की शुरुआत में ''एक्सप्राइज फाउंडेशन'' के कार्यकारी अध्यक्ष और उद्यमी पीटर डायमंडिस के साथ बातचीत में अपनी आर्थिक सोच पहले भी रख चुके हैं।

मस्क का तर्क है कि यदि मशीनें बेहद कम लागत पर वस्तुओं का निर्माण और सेवाएं उपलब्ध कराने लगें तो रोजगार, आय और उपभोग के बीच का पारंपरिक संबंध पूरी तरह बदल सकता है।

हालांकि, ऑटोमेशन के जरिए अधिक वस्तुओं का उत्पादन करने और ऐसी अर्थव्यवस्था बनाने के बीच काफी अंतर है, जहां पैसे की जरूरत ही न रहे। संसाधनों, ऊर्जा, जमीन और तकनीक तक पहुंच का हिसाब रखना तब भी जरूरी होगा। मस्क की भविष्यवाणी में यह सवाल भी अनुत्तिरत है कि इन मशीनों का मालिक कौन होगा और स्वचालित उत्पादन से मिलने वाले लाभ का बंटवारा किस तरह किया जाएगा।

मस्क भले ही ऐसे भविष्य की कल्पना करते हों, जिसमें रोजगार करना वैकल्पिक हो जाए, लेकिन उन्होंने यह भी माना है कि इस बदलाव के दौरान गंभीर आर्थिक चुनौतियां पैदा हो सकती हैं।

इससे निपटने के लिए उनका एक प्रस्ताव ''यूनिवर्सल हाई इनकम'' है। इसके तहत, सरकारें सीधे नागरिकों को पैसा देंगी, ताकि एआई और रोबोटिक्स के कारण बड़ी संख्या में नौकरियां खत्म होने के बावजूद लोग वस्तुओं और सेवाओं तक अपनी पहुंच बनाए रख सकें।

25 जनवरी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बर्फबारी वाले क्षेत्रों- लद्दाख, जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश में भी जनगणना नहीं होगी।

सरकार की अधिसूचना के मुताबिक, 10 से 24 जनवरी 2027 तक आप खुद पोर्टल पर डेटा भर सकते हैं। ये भारत की पहली डिजिटल जनगणना है। रेफरेंस डेट 1 मार्च 2027 को रात 12 बजे होगी।

देशों के संबंध ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लेकर चुनाव प्रचार करते हैं। यदि इज़रायल में नया नेतृत्व आता है, तो वह भारत के साथ व्यक्तिगत तालमेल के बजाय मुख्य रुप से संस्थागत माध्यमों (ऑफीशियल चैनल्स) से ही संबंध बनाए रखेगा।

तथापि, विश्लेषकों और इज़रायली राजनयिकों का मानना है कि दोनों देशों के संबंध मजबूत हैं और यदि नेतन्याहू बहुमत की सरकार बनाने में असफल रहते हैं या अंततः पद छोड़ देते हैं, तो भी इसमें कोई खास बाधा आने की संभावना नहीं है।

वहीं, भारत मध्य पूर्व के देशों के साथ अपने संबंधों में सावधानीपूर्वक संतुलन बनाए हुए है। खाड़ी देशों के साथ भारत के ऊर्जा, व्यापार, वहां रहने वाले भारतीय समुदाय और निवेश से जुड़े गहरे संबंध हैं। हाल के वर्षों में खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) के देशों के साथ भारत का व्यापार 170 अरब डॉलर से अधिक हो गया है।

नई दिल्ली, ईरान के साथ भी उन क्षेत्रों में संबंध बनाए रखती है, जहाँ उसके हित मिलते हैं, और फिलिस्तीन के लिए अपने दीर्घकालिक राजनयिक समर्थन को बरकरार रखती है, साथ ही इज़रायल के साथ साझेदारी का विस्तार भी करती है। कई देशों के साथ एक साथ संबंध बनाए रखने की यह नीति भारत को अपनी ऊर्जा जरूरतों की सुरक्षा करने और क्षेत्र में अस्थिरता से निपटने में मदद करती है।

सुप्रीम कोर्ट ने रिश्ते बिगड़ने पर अपराधिक मुकदमे दर्ज करने पर चिंता जताई

सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस बी वी नागरत्ना की बैंच ने कहा कि आपसी सहमति से बने शारीरिक संबंधों को रिश्ता खत्म होने के बाद दुष्कर्म नहीं कहा जा सकता

नई दिल्ली, 30 अक्टूबर। उच्चतम न्यायालय ने रिश्तों में खटास आने के बाद आपराधिक मुकदमे दर्ज कराने की बढ़ती प्रवृत्ति पर चिंता जताई है। न्यायालय ने शुक्रवार को कहा कि जब दो वयस्कों के बीच किसी रिश्ते के दौरान आपसी सहमति से शारीरिक संबंध बने हों तो सिर्फ रिश्ता खराब होने या खत्म हो जाने के कारण उन संबंधों को बाद में दुष्कर्म नहीं कहा जा सकता।

जस्टिस बी.वी नागरत्ना की अध्यक्षता वाली बेंच ने केरल के एक

- **सुप्रीम कोर्ट ने यह फैसला सुनाकर केरल के एक व्यक्ति को दुष्कर्म व धोखाधड़ी के आरोप से बरी कर दिया।**

व्यक्ति को दुष्कर्म और धोखाधड़ी के आरोपों से बरी करते हुए यह महत्वपूर्ण फैसला सुनाया। न्यायालय ने कहा कि शुरुआत से ही धोखे या छल से सहमति हासिल करना अलग बात है, लेकिन रिश्ता खत्म होने के बाद पुराने फैसलों पर केवल पछतावा होने को आपराधिक मामला बनाने का आधार नहीं बनाया जा सकता। न्यायालय ने कहा कि हर टूटे रिश्ते को दुष्कर्म केस में बदलने से आरोपी की व्यक्तिगत स्वतंत्रता और प्रतिष्ठा धूमिल होती है। न्यायालय ने कहा कि किसी भी व्यक्ति को सिर्फ इस डर से रिश्ते में बने रहने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता कि अलग होने पर उसके खिलाफ दुष्कर्म का मुकदमा दर्ज हो सकता है।

राफेल मरीन ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ही प्रयास में पूरी तरह सटीक और सफल रही। इस लैंडिंग को भारतीय नौसेना में इन विमानों को शामिल करने से पहले, उन्हें नौसेना के विमानवाहक पोत ऑपरेशंस में एकीकृत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक, भारतीय नौसेना इस समय गोवा में राफेल मरीन के गहन फ्लाइट ट्रायल कर रही है।

- **भारतीय नौसेना गोवा में राफेल मरीन का फ्लाइट ट्रायल कर रही है।**

इन परीक्षणों का मुख्य उद्देश्य यह समझना है कि आईएनएस विक्रांत के डेक और स्की-जंप सिस्टम से संचालन को पूरी तरह अनुकूल बनाने के लिए विमान में क्या तकनीकी समायोजन या बदलाव आवश्यक हैं। यह प्रक्रिया विमान और युद्धपोत के बीच बेहतर तालमेल सुनिश्चित करने के लिए की जा रही है।

'आर यू में पीएचडी भर्ती परीक्षा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

होने के लिए भाग लिया था। यहां उल्लेखनीय है कि यूजीसी ने वर्ष 2022 में ही पी.एच.डी. डिग्री प्राप्त करने के लिए न्यूनतम मानक और भर्ती प्रक्रिया तय की। इन नियमों के अनुसार ''जूनियर रिसर्च फैलोशिप'' (जे.आर.एफ.) पद पर भर्ती होने के लिए नैट परीक्षा में उत्तीर्ण हुए उपयुक्त अभ्यार्थियों का इंटरव्यू लेकर ही आंकलन किया जा सकता है। इस मामले की सुनवाई के दौरान अधिवक्ता दर्श पारीक ने अदालत को बताया कि जिन अभ्यर्थियों की नैट परीक्षा में अच्छी ग्रेड होती है, वे नियमानुसार जे.आर.एफ. पद के साथ-साथ असिसटेंट प्रोफेसर और पी.एच.डी. प्रोग्राम में भाग लेने के लिए उपयुक्त होते हैं। उन्होंने अदालत को बताया कि यू.जी.सी. के नियमानुसार नैट परीक्षा में उत्तीर्ण होने वाले अभ्यार्थियो की दो और श्रेणी हैं, जिनमें एक श्रेणी असिस्टेंट प्रोफेसर और पी.एच.डी. प्रोग्राम में भाग लेने के लिए उपयुक्त है। यहां उल्लेखनीय है कि पहली व दूसरी श्रेणी के अलावा आखिरी व तीसरी

- **याचिकाकर्ता की ओर से पैरवी के लिए पेश हुए अधिवक्ता दर्श पारीक ने अदालत को बताया कि नैट परीक्षा के सबसे ऊँची ग्रेड के अभ्यर्थी ही नियम अनुसार जे.आर.एफ. पद के साथ-साथ असिस्टैंट प्रोफेसर और पी.एच.डी. प्रोग्राम में भाग लेने के लिए उपयुक्त होते हैं।**

श्रेणी के अभ्यर्थी केवल पी.एच.डी. प्रोग्राम में भाग लेने के लिए उपयुक्त होते हैं। यू.जी.सी. के नियमानुसार श्रेणी दो व तीन के अभ्यर्थियों के चयन के लिए नैट परीक्षा में पाए गये अंकों व इंटरव्यू में पाए गये अंकों को 70 से 30 के अनुपात में महत्व दिया जाना चाहिए।

याचिकाकर्ता की ओर से अदालत को बताया गया कि ''पी.एच.डी.एडमिशन'' परीक्षा (रूपा) की नियमानुसार हर श्रेणी को मध्यनजर रखते हुए अलग-अलग मैरिट लिस्ट निकालनी चाहिए थी, परंतु राजस्थान सरकार की ओर से एक संयुक्त मैरिट लिस्ट जारी कर दी गई, जिसमें सभी अभ्यार्थियो को इंटरव्यू में दिए गए अंकों के अनुसार ही चयनित कर लिया गया था। याचिकाकर्ता ने कहा कि उसे मैरिट लिस्ट में जगह नहीं दी गई, जिस वजह से उसने गलत तरीके से जारी की गई मैरिट लिस्ट को चुनौती दी।

याचिकाकर्ता का कहना है कि उसने राजस्थान यूनिवर्सिटी में अर्थशास्त्र विभाग में जे.आर.एफ. के लिए चुने जाने तथा पी.एच.डी. प्रोग्राम से जुड़ने के लिए 28 जुलाई 2026 को आयोजित इंटरव्यू में भाग लिया था। परंतु जब उसने देखा कि नियमों का उल्लंघन करते हुए संयुक्त मैरिट लिस्ट जारी की गई है, तब उसने राजस्थान यूनिवर्सिटी के उपकुलपति को पत्र भी लिखा था, परंतु उस पर कोई कार्रवाई नहीं हुई।

इस मामले पर राज्य सरकार की ओर से कहा गया कि अभ्यर्थी ने नियम- कायदों को जानते हुए ही परीक्षा में भाग लिया था और परीक्षा में भाग लेने के बाद उत्तीर्ण न होने की वजह से वह मैरिट लिस्ट में बदलाव या भर्ती परीक्षा में प्रक्रिया में बदलाव की गुहार नहीं कर सकता। राज्य सरकार के उच्च शिक्षा विभाग की ओर से पैरवी कर रहे अधिवक्ता ने कहा कि याचिकाकर्ता ने परीक्षा से संबंधित नियम- कायदों को चुनौती नहीं दी है- इसलिए उसका मामला अदालत में नहीं सुना जाना चाहिए।

अदालत ने कहा कि इस मामले में उच्च शिक्षा विभाग को यह दर्शाना था कि उसने मैरिट लिस्ट जारी करते समय यूजीसी द्वारा तय किए गए मापदण्डों व प्रक्रियाओं की पालना की थी या नहीं? अदालत ने पाया कि एक संयुक्त मैरिट लिस्ट जारी की गई है, जिसमें अभ्यार्थियो को केवल इंटरव्यू के आधार पर चयनित किया गया है, जो कि नियमकायदों के विरूद्ध है, इसलिए विभाग द्वारा जारी मैरिट लिस्ट रद्द की जाए और अभ्यर्थियों को मैरिट लिस्ट में आने का पुनः अवसर दिया जाए। अदालत के इस फैसले से कई और अभ्यर्थियों के लिए भी रास्ता खुल जाता है।

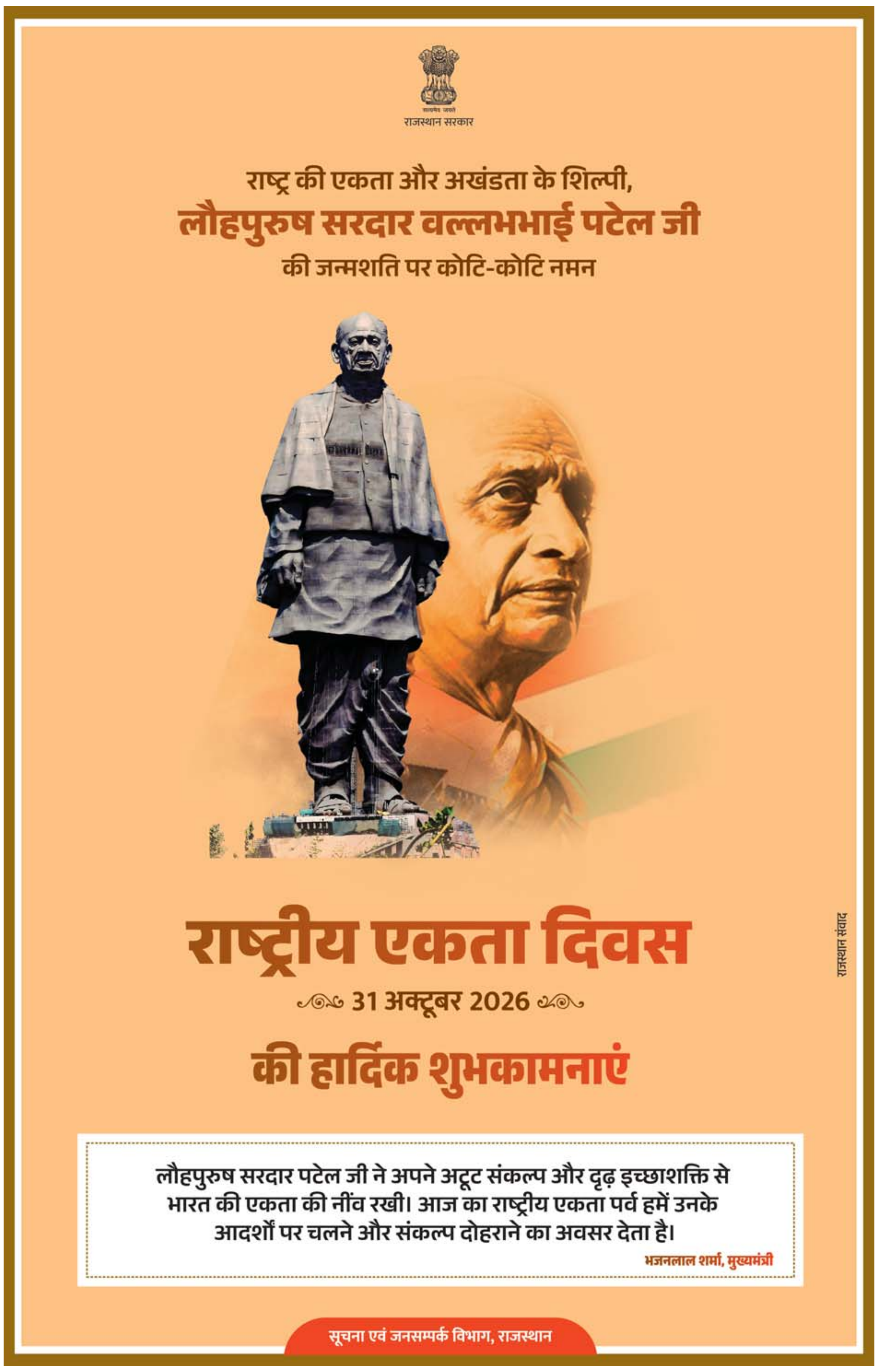

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा। आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालयः-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालयः-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्सः 0151-2527371 उदयपुर कार्यालयः-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोनः 2413092, 2418945, फैक्सः 0294-2410146 अजमेर कार्यालयः-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोनः 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- प्लाट नम्बर H1-4, इन्डस्ट्रीयल एरिया फैस प्रथम, जालौर, (राज.) फोन नम्बर 226422, 226423, जालौर। फैक्सः 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोनः 230200, 230400, फैक्सः 07469-230600 चूरू कार्यालयः एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोनः 256906, 256907, फैक्स:01562-256908